जबलपुर
रविवार, 18 अक्टूबर 2026
आश्विन मास शुक्ल पक्ष-8
वर्ष : 21, अंक : 166
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 32
न्यून. 21

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

- मप्र में निवेश प्रोत्साहन के लिए लागू की गई नीतियों की जानकारी दी
- मुख्यमंत्री की आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण से भी भेंट हुई
- अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने सीएम से की भेंट, सीएम बोले-फिल्म शूटिंग के क्षेत्र में मप्र एक प्रमुख केंद्र बना

आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से की वन-टू-वन बैठक

कहा- हर दृष्टि से मप्र में निवेश आपको लाभ देगा

हरिभऊमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आंध्र प्रदेश के निवेशकों से मप्र में उद्योग स्थापना का आग्रह किया है। उन्होंने कहा मप्र सरकार की औद्योगिक विकास की प्रोत्साहनकारी नीतियों के कारण निवेशकों की ओर से किए गए निवेश पर उन्हें हर स्थिति में लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में उद्योगपतियों एवं निवेशकों के साथ वन-टू-वन बैठकें की। उन्होंने निवेशकों को निवेश के नए अवसरों और औद्योगिक साझेदारियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में हो रहे कार्यों की जानकारी दी।


मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा करते हुए

निवेशकों को जीआईएस-2027 की रूपरेखा की जानकारी दी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को जीआईएस-2027 की रूपरेखा की जानकारी दी, जिसमें भोपाल में विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख उद्योगपति और निवेशक एकत्र होंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2025 में भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुई थी, जिसमें 30 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए थे। इन प्रस्तावों में से एक तिहाई प्रस्तावों को जमीन पर उतारा जा चुका है। इस दौरान मुख्यमंत्री की आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण से भी भेंट हुई।

केंद्र सरकार ने 70 लाख कर्मचारियों को दी राहत

रिटायरमेंट से 4 साल पहले जांचे जाएंगे सर्विस और पेंशन के रिकॉर्ड

गलती होने पर संबंधित अधिकारी होंगे जवाबदेह


फाइल फोटो

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पेंशनभोगियों के हितों को ध्यान में रखकर एक बड़ा फैसला किया है, जिससे 33.9 लाख पेंशन धारकों और 36.5 लाख कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने निर्देश जारी किए हैं कि सभी विभागों को रिटायरमेंट से चार साल पहले कर्मचारियों के सर्विस रिकॉर्ड, वेतन निर्धारण (पे-फिक्सेशन) और पेंशन विवरण की जांच जरूर करानी होगी।

सर्टिफिकेट के बाद वसूली नहीं

नए नियमों के तहत पदोन्नति, इंक्रीमेंट या एसीपी/एमएसीपी के बाद जारी पे-फिक्सेशन आदेशों का सत्यापन अब 3 महीने या उसी वित्त वर्ष के अंत तक पूरा करना अनिवार्य होगा। पे एंड अकाउंट्स ऑफिस से वेरिफिकेशन सर्टिफिकेट जारी होने के बाद कर्मचारी से कोई वसूली नहीं की जा सकेगी।

Tinh
खरीफसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय पैकेज टेबो
TATA PLAY पैकेज रु. 1155
airtel पैकेज रु. 366

हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
सामान्य कूपन
कूपन नं.
20

कोलकाता में दुर्गा पंडाल ढहने से भगदड़, 17 की मौत, दर्जनों घायल

शारदा पार्क चोर बागान पूजा पंडाल के निकास द्वार पर मची भगदड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के महापर्व के मौके पर राजधानी कोलकाता के एक पंडाल में भारी भीड़ के बाद भदगड़ की घटना सामने आई है। शुरुआती जानकारी में बताया गया है कि कोलकाता में दुर्गा पूजा के दौरान चोरबगान में पंडाल में ढ़ह गया। इससे भगदड़ मची। यह हादसा भारी भीड़ के चलते हुए। 25 घायल हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में कम से कम 17 लोगों की मौत हुई है। यह घटना कोलकाता में सप्तमी की शाम कोलकाता के चोरबगान सार्वजनीन पूजा के पंडाल में हुआ। पंडाल का एक हिस्सा भीड़ के दबाव के कारण ढह गया। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर एन रवि ने दुर्गा पंडाल की घटना में कुल लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। पुलिस के अनुसार कुल 35 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। प्रत्यदर्शियों के अनुसार पंडल का एक हिस्सा टूटने से वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई थी। इसमें कई लोग घायल हो गए। हादसे में प्रभावित सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर कलकत्ता मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूजा आयोजक इस संकट को संभालने के लिए तुरंत काम कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस और आपदा प्रबंधन अधिकारी मौके पर पहुंचे और फिर बचाव कार्य शुरू किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कोलकाता के चोरबागन सार्वजनीन दुर्गा पूजा में मची भगदड़ की घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को दी बड़ी राहत, रूस के तेल प्रतिबंधों में छूट

रूस से तेल खरीदने पर 100 फीसदी टैरिफ का खतरा टला

एजेंसी:नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने की योजना पर फिलहाल रोक लगाकर भारत को राहत दी है। ट्रंप ने जारी कार्यकारी आदेश में रूस से जुड़े कुछ प्रतिबंधों और शुल्कों को लागू करने से छूट देने की घोषणा की। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस को भेजे गए प्रमाणपत्र में कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में यह छूट देना अमेरिका के राष्ट्रीय हित में है। इस फैसले से भारत और चीन जैसे देशों को संभावित व्यापारिक नुकसान से राहत मिलने की उम्मीद है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब अमेरिका रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने और यूक्रेन युद्ध को लेकर अपनी रणनीति पर काम कर रहा है। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की योजना से भारत के निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में नुकसान होने की आशंका थी। हालांकि, फिलहाल मिली छूट का मतलब यह नहीं है कि भविष्य में ऐसे शुल्क दोबारा लगाने का विकल्प पूरी तरह समाप्त हो गया है।

ट्रंप ने राष्ट्रीय हित का हवाला देकर प्रतिबंधों में दी छूट


पीएम मोदी और ट्रंप (फाइल फोटो)

भारत और चीन जैसे देशों को अब संभावित व्यापारिक नुकसान नहीं होगा

पहले भी रूसी तेल बना था विवाद की वजह

रूसी तेल की खरीद को लेकर भारत और अमेरिका के बीच पहले भी व्यापारिक तनाव पैदा हुआ था। 2025 में ट्रंप प्रशासन ने भारत पर रूसी कच्चे तेल की खरीद से जुड़ा अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाया था। इसके अलावा 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ भी लागू किया गया था। फरवरी 2026 में अतिरिक्त शुल्क हटाए जाने और भारत-अमेरिका व्यापार ढांचे के तहत पारस्परिक टैरिफ को 18 प्रतिशत किए जाने की जानकारी भी रिपोर्ट में दी गई है।

क्या था 100% टैरिफ लगाने का प्रावधान

ट्रंप ने सितंबर 2026 में 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट, 2026' पर हस्ताक्षर किए थे। इस कानून का उद्देश्य रूस के साथ ऊर्जा कारोबार करने वाले देशों पर दबाव बनाना और यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए रूस को मिलने वाले आर्थिक संसाधनों को सीमित करना था। इस कानून के तहत रूस से तेल या गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों से अमेरिका आने वाले सामान पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रावधान किया गया था। इसके अलावा, रूस के ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं और प्रतिबंधों से बचने में उसकी मदद करने वाली विदेशी इकाइयों के खिलाफ भी कार्रवाई का रास्ता बनाया गया था।

भारत को कैसे मिलेगा फायदा?

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता है। यदि भारतीय सामान पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ लगाया जाता, तो अमेरिका को निर्यात करने वाले भारतीय कारोबारियों की लागत बढ़ सकती थी। इससे उनके उत्पाद अमेरिकी बाजार में महंगे होते और प्रतिस्पर्धा प्रभावित होने की आशंका रहती। अतिरिक्त शुल्क से कपड़ा, इंजीनियरिंग उत्पाद, रसायन और अन्य निर्यात क्षेत्रों पर संभावित दबाव पड़ सकता था। हालांकि, वास्तविक असर इस बात पर निर्भर करता कि शुल्क किन उत्पादों पर और किस दर से लागू किए जाते।


नाले में गिरी बस को क्रेन की सहायता से निकाला गया

खाटू श्याम बस हादसा: बैतूल-भोपाल के 8 लोगों की मौत

एक्सप्रेस-वे से नाले में गिरी ड्राइवर को आ गई थी झपकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैतूल/मुलताई

राजस्थान के कोटा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुए बस हादसे में मध्य प्रदेश के 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 5 बैतूल के मुलताई और तीन लोग भोपाल के रहने वाले थे। सभी लोग टैंपो ट्रैवलर से भोपाल से खाटू श्यामजी जा रहे थे। कराड़िया क्षेत्र में सीमलिया थाना अंतर्गत सुबह करीब 6.30 से 7 बजे के बीच हुए इस हादसे में बैतूल जिले सहित मध्यप्रदेश के अन्य क्षेत्रों के 15 घायल यात्रियों को कोटा के दो अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि सुबह ड्राइवर को झपकी आ गई थी। पुलिस से प्राप्त घायलों की सूची के अनुसार, आठ घायलों का उपचार न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में, जबकि सात घायलों का उपचार एमबीएस अस्पताल कोटा में चल रहा है।

परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने के दिए निर्देश

पीड़ित परिजनों के संपर्क में हैं प्रदेश अध्यक्ष

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मुख्यसचिव एवं एडीजी से चर्चा की। जिसके बाद पुलिस, प्रशासन एवं स्वास्थ विभाग की टीम घटना स्थल के लिए रवाना हो गई। खंडेलवाल स्थिति पर सतत नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कोटा सांसद एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मोबाइल पर चर्चा कर हादसे की विस्तार से जानकारी दी।

अष्टमी-मां महागौरी



श्वेते वृषे समरूढा श्वेताम्बराधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा॥

खबर संक्षेप

सिंगरौली में 3.5 तीव्रता का भूकंप, महसूस हुए झटके

सिंगरौली। जिले में शनिवार दोपहर 2:12 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 3.5 मापी गई और इसका केंद्र जमीन से करीब 10 किमी नीचे बरगवां क्षेत्र में था।



अस्पताल में भर्ती एलके आडवाणी से मिले नड्डा

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी (98) को सीने में संक्रमण के चलते अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर है। जेपी नड्डा ने मिलकर उनका हाल जाना।



स्वास्थ्य विभाग ने गांव में लगाया शिविर

त्रयोदशी: रसगुल्ले खाने से 1000 लोग पड़े बीमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ दतिया


■ उल्टी, पेट दर्द और सिरदर्द की शिकायत

जिले की भांडेर तहसील के उड़ीना गांव में त्रयोदशी कार्यक्रम में भोजन करने के बाद करीब एक हजार लोगों की तबीयत बिगड़ गई। ग्रामीणों को उल्टी, पेट दर्द और सिरदर्द की शिकायत हुई। इनमें से कुछ मरीजों को जिला अस्पताल सहित इंदरगढ़ और भांडेर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

मायके पक्ष ने लगाए हत्या के आरोप

रात को नूडल्स खाकर सो गया परिवार, 5 की मौत

एजेंसी ⏭ ग्रेटर नोएडा


■ फूड पॉइजनिंग से मौत की आशंका

रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के नगला श्रीगोपाल गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत के मामले में हत्या की आशंका जताई जा रही है। मृतका ललिता के मायके पक्ष ने उसकी सास और ननद पर मिलकर हत्या करने का आरोप लगाया है। परिजनों के मुताबिक परिवार में करीब 10 बीघा जमीन और रिहायशी मकान को बेटियों के नाम किए जाने को लेकर विवाद चल रहा था।

उज्जैन: सब्जी मंडी में हादसा

गोवंश से भरी पिकअप ने 4 लोगों को कुचला

हरिभूमि न्यूज ⏭ उज्जैन


■ एक की मौत तीन गंभीर चालक फरार

खाचरौद की लालबाई-फूलबाई सब्जी मंडी में शनिवार सुबह गोवंश से भरी तेज रफ्तार पिकअप ने चार लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में रेखा नाम की महिला की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसके पति नंदराम, सागरबाई और भेरूलाल घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

21 से 23 अक्टूबर तक खुलेगा आईपीओ

जियो आईपीओ को लेकर निवेशकों में भारी उत्साह, 2.5 लाख करोड़ की मांग

19 अक्टूबर को एंकर निवेशकों की बोली

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स के आगामी आईपीओ को लेकर निवेशकों के बीच काफी दिलचस्पी देखने को मिल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक आईपीओ में निवेश के लिए घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए की मांग सामने आई है। यह राशि लगभग 30,200 करोड़ रुपए के प्रस्तावित इश्यू आकार से 8 गुना से भी अधिक है। एक ओर संस्थागत निवेशकों की दिलचस्पी चर्चा में है, वहीं दूसरी खुदरा निवेशकों के लिए भी कई ब्रोकरेज मंचों पर प्री-बुकिंग यानी प्री-अप्लाई की सुविधा शुरू हो गई है।

1,119 रुपए प्रति शेयर तक होगा मूल्य

जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ का मूल्य दायरा 1,065 से 1,119 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। न्यूनतम आवेदन 12 शेयरों के एक लॉट के लिए होगा। ऊपरी मूल्य दायरे के आधार पर एक लॉट खरीदने के लिए निवेशक को 13,428 रुपए की राशि की आवश्यकता होगी।

अब खेती से होने वाली इनकम और 5 एकड़ का रकबा वाली शर्त हट जाएगी

ईडब्ल्यूएस आरक्षण में बदलाव की तैयारी

शेखावत ने दिया-खेती वाली इनकम पर 'राहत' का संकेत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली


गजेंद्र सिंह शेखावत


फाइल फोटो

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) आरक्षण के नियमों में बदलाव के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार कर रही है और हाल ही में इस संबंध में बैठक भी हुई है। शेखावत को उम्मीद है कि जल्द ही ऐसा समाधान निकलेगा जिससे पात्र लोगों को ज्यादा न्याय मिल सके। इस बार सरकार ईडब्ल्यूएस में कृषि की इनकम को लेकर सुधार करने पर विचार कर रही है। मौजूदा नियमों के मुताबिक ईडब्ल्यूएस आरक्षण का लाभ लेने के लिए यह जरूरी है।

बेंगलुरु में बारिश के आगे बेबस हुए खिलाड़ी, रद्द हुआ भारत-वेस्ट इंडीज फाइनल मुकाबला

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाने वाला पांचवां और अंतिम टी20 मुकाबला आखिरकार बारिश की भेंट चढ़ गया। तेज बारिश और आउटफील्ड गीली होने के कारण मैच को शुरू में 9-9 ओवर का किया गया था लेकिन भारतीय पारी के 7.4 ओवर के बाद खेल दोबारा संभव नहीं हो सका। मुकाबला बेनतीजा रहने के साथ ही पांच मैचों की यह रोमांचक टी20 सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हो गई। सीरीज ड्रॉ होने के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने माना कि अगर टीम ने सीरीज के कुछ मुकाबलों में बेहतर गेंदबाजी की होती तो नतीजा भारत के पक्ष में हो सकता था। उन्होंने वेस्टइंडीज की टीम और उनके कप्तान शाई होप की जमकर तारीफ की जिन्होंने पूरी सीरीज के दौरान भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा और अपनी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया।

बच्चों को ऑनलाइन यौन शोषण सामग्री से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट सख्त

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चाइल्ड मोड (बच्चों के लिए सुरक्षित मोड) लागू होना चाहिए

इंटरनेट हर व्यक्ति का मौलिक हक उम्र के आधार पर रोक संभव नहीं

- बच्चों को ऑनलाइन यौन शोषण सामग्री से बचाने के लिए एक सख्त फ्रेमवर्क बनाया जाए
- इससे जुड़ी सामग्री की पहचान करने और उसे हटाने के लिए डिजिटल पहचानकर्ताओं और यूआरएल का एक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार किया जाए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट तक पहुंच को बच्चों के लिए भी एक मौलिक अधिकार माना है। अदालत ने इंटरनेट के इस्तेमाल पर उम्र से जुड़ी किसी भी तरह की पाबंदी लगाने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा-हमें यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि संविधान के अनुच्छेद 21 और अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत, इंटरनेट तक पहुंच और उसका इस्तेमाल करना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। हमारे बच्चों को चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो समान अधिकार प्राप्त हैं। इन अधिकारों से पूरी तरह वंचित करना उतना ही बेतुका होगा, जितना यह कहना कि एक उम्र से कम उम्र के बच्चों में न तो ऐसी कोई समझ है जिसकी रक्षा की जानी चाहिए।

सोशल मीडिया कंपनियों पर की सख्त टिप्पणी

अदालत ने अधिकारियों और सोशल मीडिया कंपनियों को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि पीड़ितों की सुरक्षा के लिए कोई गंभीर पहल नहीं की गई है। साथ ही स्पष्ट दिशा-निर्देश होने के बावजूद बच्चों के शोषण से जुड़ी सामग्री के बार-बार सामने आने पर भी सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि हमें यह देखकर बहुत दुख हुआ है कि आवेदकों द्वारा पेश की गई खबरों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रीडायरेक्ट लिंक और वेबसाइटों के जरिए बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के पेड प्रमोशन का जिक्र है।

सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

याचिकाकर्ताओं ने रिपोर्ट करने के लिए एक समान प्रक्रिया, एक केंद्रीय पोर्टल और नियमों का पालन न करने वाली सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अदालत ने इन चिंताओं पर गौर करते हुए केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह बच्चों के शोषण से जुड़ी सामग्री की पहचान करने और उसे हटाने के लिए डिजिटल पहचानकर्ताओं और यूआरएल का एक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करे।

कनॉट प्लेस में सीजेपी के 'लहरा दो तिरंगा' प्रदर्शन पर कार्रवाई

शांति बांड का उल्लंघन करने के आरोप में किया गया था गिरफ्तार, दीपके को कार्यकारी मजिस्ट्रेट कोर्ट से मिली सशर्त जमानत, फिर बांड भी भरवाया

दीपके को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था। कनॉट प्लेस में सीजेपी के 'लहरा दो तिरंगा' प्रदर्शन में शामिल होने दिल्ली के झंडेवालान स्थित घर से बाहर निकलते ही दीपके को हिरासत में ले लिया गया था।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके को शनिवार को सशर्त जमानत दे दी गई और उनसे शांति बनाए रखने संबंधी बांड पर हस्ताक्षर करने को कहा गया। दीपके को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था। शुक्रवार को कनॉट प्लेस में सीजेपी के 'लहरा दो तिरंगा' प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली के झंडेवालान स्थित घर से बाहर निकलते ही दीपके को हिरासत में ले लिया गया था। उन्हें 10 अक्टूबर को दिए गए शांति बांड का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शांति बांड में दिए गए आश्वासन के आधार पर उन्हें छोड़ दिया गया। हम आगे की जानकारी के लिए लिखित आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

सीजेपी प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस ने दर्ज की कई एफआईआर

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर किए थे विरोध प्रदर्शन

शांति बांड में दिए गए आश्वासन के आधार पर उन्हें छोड़ दिया गया



रिहा होने के बाद सीजेपी प्रमुख दीपके ऐसे दिखे

दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के लहरा दो तिरंगा मार्च को लेकर शुक्रवार को कई एफआईआर दर्ज किए हैं। यह विरोध प्रदर्शन कनॉट प्लेस पर मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर किए गए थे। पुलिस ने बीएनएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा के कथित उल्लंघन और लोक सेवकों को उनके कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोकने के आरोप लगाए हैं। हालांकि एफआईआर के सटीक संख्या या मामलों में लागू सभी प्रावधानों का खुलासा नहीं किया है। ये विरोध प्रदर्शन के मामले सीजेपी और अन्य विपक्षी पार्टियों द्वारा एसआईआर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी के विरोध में आयोजित प्रदर्शनों से जुड़े हैं। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को सेंट्रल पार्क और पालिका बाजार के आसपास भीड़ जमा होने पर 150 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया है।



यूट्यूबर राठी के खिलाफ जमानती वारंट जारी

दिल्ली की साकेत कोर्ट ने शनिवर को यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ 2018 के मानहानि मामले में जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला विकास संस्कृत्यायन की शिकायत से जुड़ा है। आरोप है कि ध्रुव राठी ने 'बीजेपी इट सेल पार्ट-2' नाम से एक वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया। वीडियो में उनके खिलाफ कई झूठे और मानहानि करने वाले आरोप लगाए गए थे।

दीपावली से पहले भरेगी हुंकार 1 नवंबर को करेगी विरोध प्रदर्शन

कांग्रेस को मिली रामलीला मैदान में प्रदर्शन की परमिशन



जंतर-मंतर को अधिकृत प्रोटेस्ट साइट से हटाए जाने के बाद रामलीला मैदान अब नया आंदोलन स्थल बनने जा रहा है। केंद्र सरकार ने रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और सीबीडी मैदान को प्रोटेस्ट साइट के लिए अधिकृत किया है। अब दिवाली से पहले कांग्रेस रामलीला मैदान में बड़ा प्रदर्शन करने जा रही है। दरअसल कांग्रेस को रामलीला मैदान में प्रदर्शन की परमिशन मिल गई है। दिल्ली सेंट्रल पुलिस के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अब रामलीला मैदान, सीबीडी ग्राउंड और बुराड़ी ग्राउंड को प्रदर्शन स्थलों के रूप में तय किया गया है। इसी सिलसिले में कांग्रेस ने जगह की उपलब्धता जानने के लिए एमसीडी से संपर्क किया है। एमसीडी ने बताया कि यह जगह 25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक उपलब्ध रहेगी।

कांग्रेस को एनओसी मिला एमसीडी जाएंगे

डीसीपी ने बताया कि उनसे बातचीत करने और सुरक्षा इंतजामों को समझने के बाद हमने कांग्रेस को 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' देने का फैसला किया। हमने आज यह सर्टिफिकेट जारी कर दिया है। अब वे इसे लेकर एमसीडी के पास जाएंगे, जो इस जमीन की मालिक एजेंसी है और फिर तैयारियां शुरू करेंगे।

पुलिस ने शेयर किया वीडियो

लहरा दो तिरंगा' मार्च में महिला ने मिलिट्री जवान को जड़ा थप्पड़

दिल्ली में 'लहरा दो तिरंगा' मार्च के दौरान हंगामे का एक वीडियो सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को वीडियो जारी किया। इसमें शुक्रवार शाम पालिका बाजार के पास प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों और अर्धसैनिक बलों के जवानों के साथ कथित मारपीट की घटना दिखाई गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक राजीव चौक मेट्रो स्टेशन



के गेट नंबर 6 के पास एक महिला ने अर्धसैनिक बल के जवान को थप्पड़ मारा। बताया जा रहा है कि महिला खुद को यूट्यूबर बता रही थी। यह मार्च सीजेपी ने अपने दो सदस्यों की गिरफ्तारी के विरोध में बुलाया था। अब दिल्ली पुलिस वीडियो फुटेज की जांच कर रही है और घटना में शामिल लोगों की पहचान करने की कोशिश में जुटी है।

रिहा होने के बाद बोली नेहा

कृपया... भारत के लोगों को बख्श दीजिए



ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा को दिल्ली पुलिस ने हिरासत से रिहा कर दिया है। पुलिस ने नेहा बोरा को शुक्रवार को प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया था। रिहा होने के बाद नेहा बोरा ने दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की हर तरह से धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। आम नागरिकों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है, जैसे वे कोई शातिर अपराधी हों। इस देश में लंबे समय से ऐसा होता आया है। बोरा ने कहा कि पुलिस पूरे देश में अराजकता और अव्यवस्था फैला रहे हैं। कृपया भारत के लोगों को बख्श दीजिए।

खबर संक्षेप

शिमला जिले में 4.1 तीव्रता का भूकंप

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में शनिवार तड़के 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के



झटके राज्य की राजधानी शिमला से लगभग 130 किलोमीटर दूर रामपुर क्षेत्र में महसूस किए गए। तड़के करीब 4. 36 बजे पर कुछ सेकंड तक भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था।

कर्नाटक महिला कांग्रेस अध्यक्ष का इस्तीफा

बेंगलुरु। कर्नाटक प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सौम्या रेड्डी ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने



महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा को पत्र लिखकर इस्तीफा स्वीकार करने का अनुरोध किया। 20 अगस्त को पत्र में सौम्या ने कहा कि उन्होंने यह जिम्मेदारी 2 साल के लिए स्वीकार की थी। कार्यकाल को सम्मान बताया।

ओडिशा छात्रसंघ चुनाव में भी एबीवीपी का डंका

भुवनेश्वर। ओडिशा में 8साल बाद हुए छात्र संघ चुनावों में एबीवीपी ने कई प्रमुख पदों पर बड़ी संख्या में



जीत दर्ज की है। राज्य के 346 कॉलेजों में अध्यक्ष पद पर 208, उपाध्यक्ष पद पर 214, महासचिव पद पर 221 और सहायक महासचिव पद पर 199 एबीवीपी उम्मीदवार जीते हैं। इस जीत के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एबीवीपी को बधाई दी है।

दिग्गज संगीतकार देवा का 75 की उम्र में निधन

चेन्नई। थेनिसाई थेन्द्रल' के नाम से मशहूर दिग्गज तमिल संगीतकार देवा अब इस दुनिया में नहीं रहे।



शनिवारको चेन्नई में देवा का 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें सुबह करीब 8:30 बजे सूर्या अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां निधन हो गया। मुख्यमंत्री विजय सहित कई कलाकारों ने देवा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

सीजेआई ने बेंगलुरु में कॉन्वोकेशन में स्टूडेंट को किया संबोधित

अनिश्चितता के बीच बाहरी ताकतों की वजह से लगा यह 'मौका' शायद न आए

संस्थान में उथल पुथल चल रही थी

सीजेआई सूर्यकांत की यह टिप्पणी हाल के हफ्तों में संस्थान के आस-पास चल रही उथल-पुथल के बीच आई है। लेकिन, ऊहापोह के बावजूद 34वां सालाना कॉन्वोकेशन तय समय पर हुआ।



एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

सीजेआई और नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) के चांसलर, जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि कुछ बाहरी ताकतों की वजह से अनजाने और दुर्भाग्यपूर्ण हालात ने 34वें सालाना कॉन्वोकेशन को लेकर अनिश्चितता पैदा कर दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि यह मौका शायद वैसा न हो जैसा हमने उम्मीद की थी। बेंगलुरु में कॉन्वोकेशन में ग्रेजुएट हो रहे स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा कि कुछ बाहरी ताकतों की वजह से कुछ अनचाही और दुर्भाग्यपूर्ण हालात अपने साथ अनिश्चितता की भावना लेकर आए और कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि यह मौका शायद वैसा न हो जैसा हमने उम्मीद की थी। सीजेआई की यह टिप्पणी हाल के हफ्तों में संस्थान के आस-पास चल रही उथल-पुथल के बीच आई है। अनिश्चितता के बावजूद 34वां सालाना कॉन्वोकेशन तय समय पर हुआ। फैकल्टी मेंबर्स, जाने-माने लोगों और ग्रेजुएट्स के परिवारों की मौजूदगी में डिग्री दी।

फैकल्टी मेंबर्स और ग्रेजुएट्स के परिवारों की मौजूदगी में डिग्री दी



कार्यक्रम के पहले राज्यपाल और मुख्यमंत्री के साथ सीजेआई

आपके फैसले न्याय के बड़े ढांचे में योगदान देंगे

उन्होंने कहा कि कानून, जैसा कि आप जल्द ही अपने जीते-जागते रूप में देखेंगे, रुका हुआ नहीं है। यह सांस लेता है, और इसे मानने वालों के दिमाग और कामों से विकसित होता है। आप जिन मामलों में बहस करते हैं, जो कॉन्ट्रैक्ट आप बनाते हैं, जो सलाह आप देते हैं और जो फैसले आप लिखते हैं, वे सभी हमारे देश में न्याय के बड़े ढांचे में योगदान देंगे।

लॉ के छात्रों से सीजेआई ने कहा

कानूनी पेशा कमजोर दिल वालों के लिए नहीं, समाज के लिए भी काम करें

सीजेआई ने छात्रों से न्याय कायम रखने, स्वतंत्रता की रक्षा करने और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे में साहस, ईमानदारी और उन लोगों की बात सुनने की क्षमता जरूरी है, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी रह जाती है। सीजेआई ने कहा कि कानूनी शिक्षा केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका उद्देश्य छात्रों को अलग-अलग विचारों और नजरियों को समझने तथा समाज की सेवा करने के लिए तैयार करना भी है।

न्याय के लिए साहस और संवेदनशीलता जरूरी

कानूनी पेशे की जिम्मेदारियों पर जोर देते हुए सीजेआई ने कहा कि इसके लिए कानूनों और अदालती फैसलों की जानकारी होना ही पर्याप्त नहीं है। न्याय के पक्ष में खड़े होने का साहस और उन लोगों की चिंताओं को समझने की विनम्रता भी जरूरी है, जिनकी बातों पर ध्यान नहीं होता।

दिल्ली हाईकोर्ट के पास सड़कों की खराब हालत पर भड़के सुप्रीम कोर्ट के जज

तो हम धरने पर बैठ जाएंगे, जब तक काम नहीं होगा...

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट के पास सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं को लेकर केंद्र सरकार पर तंज कसा। कोर्ट ने अधिकारियों की फटकार लगाईQj अल्टीमेटम दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर 25 नवंबर तक ठोस कदम नहीं उठाए गए तो हम खुद हाई कोर्ट के मुख्य गेट के पास धरने पर बैठ जाएंगे।

काम पूरा होने तक धरने पर बैठेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों की फटकार लगाते हुए कहा kf अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो हम दोनों (जेबी पारदीवाला और केवी विनोद चंद्रन) दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य गेट पर बैठ जाएंगे और तब तक घर नहीं जाएंगे, जब तक आप काम पूरा नहीं कर लेते । यह भी पक्का है हम आपकों भी घर नहीं जाने देंगे।

किरेन रिजिजू ने की तारीफ

ओवैसी ने साफ कर दिया 'भारत-विरोधी गिरोह कौन?



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में बयान देते हुए एलन मस्क को लेकर एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने टिप्पणी की। इस पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ओवैसी की तारीफ करते हुए कहा कि ओवैसी भारत के राष्ट्रीय हित से जुड़े मुद्दों पर समझदारी बातें करते हैं, हालांकि हम उनकी कट्टर मुस्लिम-केंद्रित नीतियों का विरोध करते हैं। अगर विपक्ष के कुछ नेता हमारी बात नहीं सुनना चाहते तो उन्हें ओवैसी से सीखना चाहिए।

देश और संवैधानिक पद का अपमान बर्दाश्त नहीं: ओवैसी

ओवैसी ने मस्क के बयान पर कहा कि कोई गोरा हमें हुक्म नहीं दे सकता। नरेंद्र मोदी से मेरी 100 मतभेद हो सकती हैं, लेकिन मैं देश



और संवैधानिक पद का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा। हमें दुनिया में सबसे सस्ता डेटा मिल रहा है। जब मस्क ने सवाल उठाया, तो ओवैसी ने किसी विदेशी व्यवसायी को देश में शर्तें तय करने देने के बीच का फर्क समझा दिया। ओवैसी का यह रुख राहुल गांधी के रुख से एकदम अलग था।

एसआईआर पर स्टालिन का कांग्रेस पर हमला

बिहार विवाद और सोरेन के अलग होने की दिलाई याद

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके के प्रमुख एमके स्टालिन ने एसआईआर के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों का खुलकर समर्थन



किया है। हालांकि, उन्होंने न केवल चुनाव आयोग को आड़े हाथों लिया, बल्कि कांग्रेस पर भी जोरदार राजनीतिक हमला बोला है। डीएमके ने एसआईआर मुद्दे पर कांग्रेस के रवैए को दोहरा करार दिया है और विपक्षी गठबंधन के अंदर मौजूद खींचतान को एक बार फिर बाहर ला दिया है। चेन्नई में आयोजित डीएमके संसदीय दल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्टालिन ने पार्टी के रुख को स्पष्ट किया। इस बैठक में 4 प्रमुख प्रस्ताव पारित किए।

महाराष्ट्र एफडीए ने की बड़ी कार्रवाई

48 लाख का एक्सपायर्ड खाद्य सामान जब्त, 10 पर मामला दर्ज



एजेंसी ▶▶ ठाणे

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एक्सपायर हो चुके खाद्य उत्पादों की बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान 48 लाख रमूल्य का खाद्य स्टॉक जब्त किया है। पुलिस ने रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, रिलायंस रिटेल, ब्लिंकइट और जोमैटो के हाइपरप्योर के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह जानकारी शनिवार को सामने आई।

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स रिटेल, जोमैटो ब्लिंकइट शामिल

ठाणे के शांति नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में 10 लोगों के नाम शामिल हैं। इनमें रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, रिलायंस रिटेल, ब्लिंकइट और जोमैटो हाइपरप्योर से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी, साथ ही डिस्पोजल एजेंसी चलाने वाले और स्थानीय सप्लायर शामिल हैं। यह एफआईआर 'खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006' और 'भारतीय न्याय संहिता, 2023' की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज की गई है।

शिवराज ने की 'खेत बचाओ अभियान' की तैयारियों की समीक्षा

यह औपचारिकता न बने, किसानों तक पहुंचे वास्तविक लाभ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज आगामी 'खेत बचाओ अभियान' की तैयारियों को लेकर विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक की। यह अभियान 22 अक्टूबर से 30 नवंबरतक आयोजित किया जाएगा। बैठक में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, उत्तराखंड, राजस्थान, असम, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, बिहार और महाराष्ट्र के कृषि मंत्रियों ने भाग लिया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव शअतिश चंद्रा तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट भी थे।

खास बातें

- 22 अक्टूबर से 30 नवंबर तक चलेगा अभियान
- सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का किया आह्वान
- हर स्तर पर नियुक्त किए जाएं नोडल अधिकारी

समयबद्ध कार्यान्वयन की व्यवस्था करें

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अभियान की शुरुआत प्रभावी ढंग से होनी चाहिए और इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने जिला कलेक्टरों को भी अभियान के सुचारु आयोजन और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश देने का आह्वान किया।

बैठक में लक्ष्यों पर चर्चा की



बैठक में अभियान के उद्देश्यों, प्रमुख गतिविधियों, कार्यान्वयन की रणनीति और जनभागीदारी से जुड़े लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की। अभियान का उद्देश्य किसानों के बीच उन्नत कृषि पद्धतियों, संसाधनों के कुशल उपयोग, टिकाऊ खेती तथा केंद्र सरकार की विभिन्न किसान-केंद्रित योजनाओं के संबंध में व्यापक जागरूकता पैदा करना है। जमीनी स्तर पर व्यापक जनसंपर्क सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया से किसानों को जोड़ें

उन्होंने कहा कि जो लोग प्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकते, उन्हें प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान से जोड़ने के प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक किसानों तक पहुंच सुनिश्चित हो। अभियान में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक करने की गतिविधियां की जाएंगी।

खबर संक्षेप

जीएमसी में फैकल्टी सदस्यों ने दिया स्किल लैब सिमुलेशन प्रशिक्षण

भोपाल। आधुनिक चिकित्सा शिक्षा में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में व्यावहारिक दक्षता एवं रोगी सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कौशल विकसित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह बात गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में मेडिकल एजुकेशन यूनिट द्वारा फैकल्टी सदस्यों के लिए स्किल लैब एवं सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीन डॉ कविता एन सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में स्किल लैब का विशेष महत्व है। इसके माध्यम से स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी मरीजों पर किसी प्रक्रिया को करने से पूर्व नियंत्रित एवं सुरक्षित वातावरण में बार-बार अभ्यास कर सकते हैं।

भावांतर योजना के लिए पंजीयन अवधि 24 अक्टूबर तक बढ़ाई

भोपाल। राज्य शासन ने किसानों के व्यापक हित में ई-उपार्जन पोर्टल पर सोयाबीन के पंजीयन की अवधि 24 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। भारत सरकार की भावांतर योजना में खरी 2026 में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन की अवधि 3 से 17 अक्टूबर तक निर्धारित थी। इस संबंध में सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए हैं। उन्हें पंजीकृत कृषकों का सत्यापन भी इस अवधि में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

दीपावली से पहले आयोजित होगा चंबल संभाग स्तरीय औद्योगिक सम्मेलन

औद्योगिक विकास को गति देने और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- चंबल एक्सप्रेस-वे के आसपास नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की संभावनाओं पर हुई चर्चा
- जनविश्वास अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से किया संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य शासन प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने तथा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उद्योगों की स्थापना एवं विस्तार के लिए शासन की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि दीपावली से पहले चंबल संभाग स्तरीय औद्योगिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

इससे क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को विस्तार देने और नए उद्योगों की स्थापना के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को जनविश्वास अभियान के तहत मुरैना में आयोजित उद्यम संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों से संवाद कर क्षेत्र में औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार सृजन, निर्यात तथा उद्योगों के विस्तार से जुड़े विषयों पर चर्चा की। संवाद में 20 उद्यमी शामिल हुए। शासन से प्राप्त सहयोग, उपलब्ध सुविधाओं तथा विभिन्न विभागों के साथ समन्वय के संबंध में अपने अनुभव साझा किए।



मुरैना में उद्यम संवाद कार्यक्रम में सीएम शामिल हुए।

बायोरा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की पहल की भी सराहना की

मुख्यमंत्री ने मै. बायोरा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की पहल की भी सराहना की। यह कंपनी बायोमास पैलेट्स का निर्माण करती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की औद्योगिक इकाइयां फसल अवशेषों के बेहतर उपयोग और पराली प्रबंधन को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कृषि अपशिष्ट से बायोमास पैलेट्स एवं बायोचार का निर्माण कर अपशिष्ट का उपयोगी संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

दीपावली तक उत्पादन प्रारंभ करने की तैयारी

उद्यम संवाद में सिनोरिया फार्मा के उद्यमी कपिल सत्यवानी ने बताया कि उनकी इकाई का भूमि-पूजन मुख्यमंत्री की ओर से वर्ष 2024 में वर्चुअली किया गया था। इकाई में चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा संबंधी उपकरणों का निर्माण किया जाएगा। निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और दीपावली तक उत्पादन प्रारंभ करने की तैयारी है। इस इकाई में लगभग 6 करोड़ का निवेश किया है। सीएम ने इकाई की स्थापना एवं उत्पादन प्रारंभ करने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए उद्यमी को बधाई दी।

स्थानीय स्तर पर बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि पोरसा और सबलगढ़ सहित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार की संभावना है। उद्योगों की स्थापना से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास का लाभ सभी क्षेत्रों तक पहुंचना चाहिए, ताकि स्थानीय युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें और समग्र क्षेत्रीय विकास को गति मिले।

प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की दिशा में प्रभावी पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मै. एजीआई ग्रीन पैक की ग्लास विनिर्माण इकाई की सराहना करते हुए कहा कि ग्लास उद्योग को प्रोत्साहित कर प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की दिशा में प्रभावी पहल की जा सकती है। मप्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देने तथा उद्योगों में इनके उपयोग की संभावनाओं पर कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संवाद में बटेश्वर इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के संजीव कुचिया, मै. योगराज हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के पुनीत बंसल, मै. एजीआई ग्रीन पैक के पी. गिरिधर, मै. फ्यूमा लैब्स प्राइवेट लिमिटेड के शुभम सिंह, मै. अन्नपूर्णा दाल मिल के संजय शर्मा, मै. बायोरा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के आशीष गुप्ता, मै. सिंघसा मेडीकेयर के विश्वजीत सिंह तथा मै. सिनोरिया फार्मा के कपिल सत्यवानी सहित अन्य उद्यमियों से चर्चा की।

उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने दिए निर्देश

हेल्थ सेक्टर के एलाइड और हेल्थकेयर कोर्स इसी सत्र से

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने प्रदेश में एलाइड एंड हेल्थकेयर पाठ्यक्रम सत्र 2026-27 से शुरू करने के निर्देश दिए हैं। वल्लभ भवन में बैठक में उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन जरूरी है। राष्ट्रीय आयोग के अंतरिम दिशा-निर्देशों के अनुरूप अनुमोदित पाठ्यक्रम तत्काल शुरू किए जाएं और संबद्धता-प्रवेश प्रक्रिया समय पर पूरी हो। वहीं भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ ने मांग की है कि सभी सरकारी-निजी संस्थानों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में 'पैरामेडिकल' शब्द का उपयोग बंद किया जाए। साइन बोर्ड, भर्ती विज्ञापन और प्रमाणपत्रों में एनसीएएचपी अधिनियम 2021 के अनुरूप शब्दावली लागू की जाए।

ग्वालियर में संगीत विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह

कला-संस्कृति से ही भारत का उत्थान, इसे विद्यार्थी विश्व पटल पर ले जाएं : राज्यपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने विद्यार्थियों से भारत की कला, संस्कृति और संगीत को विश्व पटल पर नई ऊंचाई तक ले जाने का आह्वान किया। वे शुक्रवार को राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित समारोह में राज्यपाल ने विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान कीं। उन्होंने कहा कि शास्त्रीय संगीत मनोरंजन नहीं, आत्मा को निर्मल करने वाला साधन है और कला-संस्कृति राष्ट्र की नींव है। संस्कृति राज्य मंत्री धर्मेन्द्र लोधी ने जड़ों से जुड़े रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर पं. अजय पोहनकर ने भजन-ठुमरी प्रस्तुत की।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया है कि वे भारत की गौरवशाली कला, संस्कृति और संगीत को विश्व पटल पर नई ऊंचाईयों तक ले जाने के लिए संकल्पित हों। दीक्षांत समारोह, भावी जीवन के लिए गौरव, सम्मान और आत्म-विश्वास के साथ राष्ट्र-समाज के प्रति कर्तव्यों के लिए प्रतिबद्धता का संकल्प लेने का समय होता है।



विभिन्न उद्योगों में कार्यरत 30 हजार लोगों की सूची तैयार

दुर्ग जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए पुलिस प्रशासन ने भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) और अन्य उद्योगों में कार्यरत करीब 30 हजार ठेका श्रमिकों और कर्मचारियों की विस्तृत सूची तैयार की है। संदिग्धों का सत्यापन करने के लिए विशेष कार्यबल (एसटीएफ) की एक टीम को कोलकाता भेजा गया है। पुलिस विभाग बीएसपी और अन्य संयंत्रों में काम करने वाले संदिग्धों का पूरा ब्योरा तैयार कर रहा है, ताकि नियम के तहत आगे की विधिक कार्रवाई की जा सके। जिन बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कोई गंभीर आपराधिक मामला दर्ज नहीं है, उनके संदर्भ में राज्य सरकार के माध्यम से प्राथमिकी वापस लेने का प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसके बाद उन्हें वापस भेजने यानी डिपोर्ट करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी तैयार की गई है।

पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार और उप्र के लोग भी शामिल

इससे पहले भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत 1,188 श्रमिकों के दस्तावेज की सघन जांच की गई थी। इस जांच के दौरान सात बांग्लादेशी नागरिकों को पहचान छिपाकर काम करते पकड़ा गया था, जिन्हें अदालत के आदेश के बाद जेल भेज दिया गया। जांच सूची में शामिल 101 लोगों के बारे में स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी थी। इनमें से 45 व्यक्तियों का भौतिक सत्यापन कराया गया। इसके अतिरिक्त बिना मुसाफिरी दर्ज कराए रह रहे 777 लोगों को चिह्नित किया गया। इनमें से पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार और उत्तर प्रदेश के रहने वाले 160 लोगों के स्थायी पते पर संदेह पत्र (सस्पेक्ट रोल) भेजे गए हैं। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि बांग्लादेशी नागरिक भारत सीमा में प्रवेश करने के बाद सबसे पहले कोलकाता पहुंचते हैं। वहां स्थानीय संपर्कों और बिचौलियों की मदद से वे देश के अन्य राज्यों में चले जाते हैं। फर्जी दस्तावेज के सहारे अलग-अलग शहरों में रहने लगते हैं और फिर धीरे-धीरे स्थानीय स्तर पर अपने नए पहचान पत्र बनवा लेते हैं।

बना लेते हैं फर्जी दस्तावेज

दुर्ग जिले में भी ऐसे कई मामले उजागर हुए हैं, जहां फर्जी पहचान पत्र के आधार पर बांग्लादेशी नागरिक बरसों से रह रहे थे। फर्जी दस्तावेज के आधार पर रहने के मामले में पुलिस ने पन्ना बीवी को गिरफ्तार किया है। बांग्लादेश के खुलना जिले की रहने वाली पन्ना बीवी 14 वर्ष की आयु में एक दलाल के जरिये भारत आई थी। वह कोलकाता के सोनागाछी क्षेत्र में करीब पांच वर्ष तक रही और फिर दिल्ली चली गई। दिल्ली में उसने अंजलि सिंह के नाम से फर्जी आधार कार्ड बनवाया। लगभग दो वर्ष पहले वह भिलाई आ गई और नेहरू मार्ग स्थित सब्जी व्यापारी सूरज साव के मकान में किराए पर रहने लगी।



'भारत माता की जय', 'मोदी- मोदी' और 'जय श्री राम' के नारे लगाए

लंदन में प्रवासी भारतीयों ने पीएम मोदी के समर्थन में निकाली रैली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लंदन में प्रवासी भारतीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में भारतीय उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने तिरंगा लहराया और प्रधानमंत्री के पक्ष में नारे लगाए। 'भारत माता की जय', 'मोदी- मोदी' और 'जय श्री राम' नारे लगा प्रधानमंत्री और भारत सरकार के प्रति अपना समर्थन जताया। मौजूद लोगों ने कहा कि वो विदेशों में भारत की छवि बचाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उनका मानना है कि कुछ प्रदर्शन ऐसे हैं, जिनका मकसद देश की साख को नुकसान पहुंचाना है। लंदन में रहने वाले एक भारतीय न्यूज़ एजेंसी से बातचीत में बताया कि इस सभा का उद्देश्य उन कोशिशों का विरोध करना था, जिन्हें वे भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की कोशिश मानते हैं।

लंदन में प्रवासी भारतीयों ने कहा कि वो विदेशों में भारत की छवि बचाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उनका मानना है कि कुछ प्रदर्शन ऐसे हैं, जिनका मकसद देश की साख को नुकसान पहुंचाना है



लंदन में भारतीय दूतावास के बाहर मोदी के समर्थन में प्रदर्शन करते प्रवासी भारतीय

पेशी से पहले यूट्यूबर ध्रुव राठी निकल गए लंदन



गुरुग्राम। यूट्यूबर ध्रुव राठी से जुड़े वर्ष 2018 के आपराधिक मानहानि मामले में शनिवार को दिल्ली की साकेत कोर्ट में सुनवाई हुई। ध्रुव राठी की ओर से अधिवक्ता अदालत में पेश हुए। उन्होंने बताया कि राठी लंदन चला गया है, इस कारण वह व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश नहीं हो सकता। आपराधिक मानहानि मामले में शनिवार को साकेत कोर्ट ने यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। दो दिन पहले कोर्ट ने राठी को समन जारी कर व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था।

लोकतंत्र में शिकायतों का समाधान संवैधानिक तरीकों से होना चाहिए

भारत सरकार का विरोध करने वालों के तरीके पर सवाल उठाते हुए, वहां मौजूद एक व्यक्ति ने कहा कि लोकतंत्र में शिकायतों का समाधान कानूनी और संवैधानिक तरीकों से होना चाहिए, न कि ऐसे प्रदर्शनों से, जिनसे विदेशों में देश की छवि खराब हो सकती है। उन्होंने आगे कहा, "आप असल में किस बात का विरोध कर रहे हैं? भारत एक लोकतांत्रिक देश है। अगर आपको कोई शिकायत है, तो आप अदालतों, यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं और कानूनी व्यवस्था के जरिए न्याय पा सकते हैं। आपके पास सबूत कहां हैं? ऐसा लगता है कि आपका विरोध इसलिए है क्योंकि आप प्रधानमंत्री मोदी, उनके नेतृत्व और भारत की तरक्की को पसंद नहीं करते हैं।' भारतीय समुदाय के एक अन्य सदस्य ने बताया कि यह सभा प्रधानमंत्री और सरकार के समर्थन में आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि चूंकि सरकार एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए चुनी गई है, इसलिए उसे देश चलाने का जनादेश प्राप्त है। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, "हम यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के समर्थन में इकट्ठा हुए हैं, क्योंकि उन्हें भारत की जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से चुना है और उनके पास सत्ता में बने रहने का पूरा अधिकार है। प्रधानमंत्री मोदी के पास जनता का जनादेश है। जहां एक तरफ लोग गरीबी की बात करते हैं, वहीं पीएम मोदी सरकार की यह उपलब्धि काबिले तारीफ है कि उन्होंने गरीबों के 30 करोड़ (300 मिलियन) बैंक खाते खुलवाए हैं। प्रदर्शन में शामिल अन्य शख्स ने कहा, आज हम यहाँ भारत के समर्थन में और पीएम मोदी के साथ खड़े होने के लिए आए हैं। अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना और भारत को बदनाम करना, ये दोनों अलग-अलग बातें हैं। आप अपनी चिंताएं जाहिर कर सकते हैं, लेकिन ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए जिससे विदेशों में देश की छवि खराब हो।

खबर संक्षेप

ट्रंप की नई प्रेस सेक्रेटरी केटी जकारिया की छुट्टी



वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी केटी जकारिया को पद संभालने के 4 दिन के अंदर हटा दिया गया है। उनके शुरुआती कामकाज के दौरान योग्यता को लेकर सवाल उठे थे। साथ ही मीडिया के सामने उनकी प्रस्तुतियों की भी आलोचना हुई थी। जकारिया को पद से हटा दिया गया है। उनकी अचानक विदाई ऐसे समय हुई है, जब अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में दो हफ्ते से कुछ ज्यादा समय बचा है।

अवैध मतदान के आरोप में भारतीय गिरफ्तार



वॉशिंगटन। अमेरिका के मिनेसोटा में 2024 के आम चुनाव में गैरकानूनी रूप से मतदान करने और खुद को अमेरिकी नागरिक बताने के आरोप में भारतीय नागरिक मुकेश कुमार सोमाभाई चौधरी को गिरफ्तार किया गया है। चौधरी पर गलत जानकारी देकर मतदान करने का गंभीर आरोप है। दोषी साबित होने पर उन्हें प्रत्येक आरोप में अधिकतम पांच साल की जेल हो सकती है।

भारत से मदद मांगेंगे नेपाली पीएम शाह



काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की नई दिल्ली की प्रस्तावित यात्रा के दौरान, नेपाल भारत से एक बड़े सहायता पैकेज की मांग कर रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि शाह 22 या 23 नवंबर को नई दिल्ली जा सकते हैं।

समुद्र में मिली 9000 साल पहले डूबी बस्ती



कैनबरा। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के तट पर पानी के नीचे मिले पत्थर के औजारों से एक्सपर्ट को अहम जानकारी मिली है। रिसर्च से पता चलता है कि यहां कभी मीठे पानी का झरना था और यह जगह शायद आदिवासी समुदायों के इकट्ठा होने के लिए थी। यह जगह 9,000 साल पहले समुद्र में डूब गई थी। कई एक्सपर्ट का मानना है कि यहां मिली वस्तुएं उससे भी ज्यादा पुरानी हो सकती हैं। ये खोज उत्तर-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के मुरुजुगा में हुई हैं।

राजनाथ की चेतावनी से तिलमिलाया पाकिस्तान



इस्लामाबाद। भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से सीमा पार आतंकवाद की किसी भी नई घटना पर जवाब की चेतावनी से पाकिस्तान तिलमिलाया है। उसके एक शीर्ष सैन्य कमांडर ने कहा है कि किसी भी 'मिस कैलकुलेशन' का जवाब ऐसा होगा, जिसकी कल्पना नहीं की गई होगी। इस बयान को दोनों देशों के बीच बढ़ते बयानबाजी के तनाव के संदर्भ में देखा जा रहा है।

रूसी तेल खरीद में राहत का रूस ने किया स्वागत

रूसी राष्ट्रपति को खुश करने में यूक्रेन भूल गए ट्रंप, अब जी-20 में बिछाएंगे रेड कार्पेट

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका वर्ष 2026 में जी 20 की अध्यक्षता कर रहा है। नेताओं का मुख्य शिखर सम्मेलन 14 और 15 दिसंबर 2026 को फ्लोरिडा के मियामी स्थित 'ट्रंप नेशनल डोराल' में आयोजित किया जाएगा

पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि क्या पुतिन जी 20 बैठक में शामिल होने वाले हैं। इस पर ट्रंप ने कहा, नहीं, उन्होंने सिर्फ शामिल होने इच्छा जताई है। मुझे नहीं पता कि पुतिन खुद आएंगे या नहीं लेकिन अगर वे आते हैं तो मैं जरूर उनका स्वागत करूंगा। ईंधन की कीमतों से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने खुद जी 20 का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जी 20 बैठकों में रूस के प्रतिनिधि पहले भी शामिल होते रहे हैं। अमेरिका 2026 जी 20 की अध्यक्षता कर रहा है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो 30 और 31 अक्टूबर को जॉर्जिया के अटलांटा में जी 20 विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेंगे। इसके बाद 14 और 15 दिसंबर को ट्रंप फ्लोरिडा के मियामी स्थित ट्रंप नेशनल डोरल में जी 20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह चीन और रूस दोनों के साथ परमाणु समझौता करना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने माना कि उन्हें नहीं लगता कि ऐसा इस साल हो पाएगा। वहीं, यूक्रेन युद्ध को लेकर जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह भूल गए हैं कि युद्ध की शुरुआत पुतिन ने की थी, तो उन्होंने कहा, देखिए, मुझे सभी बातें पता हैं।

रूस ने अमेरिका के इस फैसले को बताया ऐतिहासिक कदम



ट्रंप ने हटाया टैरिफ तो गदगद हुए पुतिन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के खिलाफ नए प्रतिबंधों के पैकेज को लागू न करने का फैसला लिया है। जिसकी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव ने सराहना की है। उन्होंने ट्रंप के इस फैसले को ऐतिहासिक क्षण करार दिया है। दिमित्रिएव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स इस संबंध में एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने पोस्ट में कहा, ट्रंप प्रशासन की तरफ से ग्राहम एक्ट को सस्पेंड करना एक महत्वपूर्ण और देखा जाए तो यह असल में ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा, प्रतिबंधों और टकराव के बजाय हमें बातचीत, पारस्परिक रूप से फायदेमंद सहयोग और वैश्विक स्थिरता के लिए साझा जिम्मेदारी की जरूरत है।

मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यही कि युद्ध खत्म होना चाहिए...

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह युद्ध खत्म होना चाहिए। उन्होंने कहा, औसतन हर महीने करीब 25,000 सैनिक मारे जा रहे हैं। पिछले महीने यह संख्या 32,000 थी। मैं दोनों पक्षों से बात करता हूं। मुझे लगता है कि दोनों इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं और मेरा पूरा ध्यान इसी पर है कि यह युद्ध समाप्त हो। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या अमेरिका ने यूक्रेन की ओर से 'स्टारशील्ड' के इस्तेमाल पर कोई प्रतिबंध लगाया है, तो उन्होंने साफ कहा, नहीं, हमने ऐसा बिल्कुल नहीं किया है।

बढ़ रही रूस और अमेरिका की नजदीकी

यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की की आलोचना करने और रूस के साथ नजदीकी बढ़ने के दौरान ट्रंप का ये आदेश सामने आया है। इधर, कुछ दिनों से अमेरिका और रूस की नजदीकी देखी जा रही है। अमेरिकी राष्टपति ट्रंप रूस और यूक्रेन दोनों के ही राष्ट्राध्यक्षों से युद्ध रोकने की अपील कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने दोनों ही देशों पर कई तरह से दबाव डाला, लेकिन अब तक वे युद्ध रोकने में नाकाम ही रहे हैं।

भावुक हुए अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति

बंदूक जाम हो गई, मेरा परिवार बच निकला...



एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में भारतीय समुदाय को निशाना बनाकर सामूहिक गोलीबारी करने की साजिश को याद करते हुए अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि इलिनॉय के औरोरा स्थित हिंदू मंदिर में जब हमले की कोशिश हुई, तब उनका परिवार भी वहां मौजूद था।

कृष्णमूर्ति ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि हमलावर की बंदूक कैसे जाम हुई और उनका परिवार समेत दूसरे लोग कैसे बच निकले। उन्होंने इस घटना को नफरत के खिलाफ आवाज उठाने के अपने जीवन के उद्देश्य से भी जोड़ा।

19 साल के युवक पर हमले की साजिश रचने का आरोप: इस मामले में 19 वर्षीय अलेक्जेंड्रोस पापोराकिस को गिरफ्तार किया गया है। उस पर आतंकवादी धमकी देने और अवैध रूप से हथियार रखने के आरोप लगाए गए हैं।

धमकियों को नजरअंदाज नहीं कर सकते...

कृष्णमूर्ति ने इस कथित साजिश को बेहद परेशान करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि औरोरा के हिंदू मंदिर में भारतीय अमेरिकियों को निशाना बनाकर सामूहिक गोलीबारी की कोशिश किए जाने से वह स्तब्ध हैं। उन्होंने बताया कि घटना के समय उनका परिवार भी मंदिर में मौजूद था। यह हमला पिछले रविवार को करने की कोशिश की गई थी। सांसद ने आरोपी के सहकर्मियों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इसकी जानकारी दी। उन्होंने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करने वाले अधिकारियों की भी सराहना की। उन्होंने चेतावनी दी कि नफरत से प्रेरित हिंसा की धमकियों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

अमेरिकी सांसदों ने की कार्रवाई की मांग

अमेरिकी इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष रो खन्ना और रिच मैककॉर्मिक ने भी सामूहिक गोलीबारी की कथित साजिश की निंदा की। दोनों सांसदों ने अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजी) और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) से मामले में कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हिंदू अमेरिकियों और भारतीय अमेरिकियों के खिलाफ बढ़ती धमकियों और नफरत को गंभीरता से लेने की जरूरत है। दोनों सांसदों ने मांग की कि मामले की संभावित संघीय घृणा अपराध के तौर पर जांच की जाए और सबूतों के आधार पर सभी जरूरी आरोप लगाए जाएं।

बांग्लादेश में बड़ा हादसा

समुद्र तटीय रिसॉर्ट में आग लगने से 10 की मौत, नौ लोग घायल

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी जिले कॉक्स बाजार में शनिवार सुबह एक समुद्र तटीय रिसॉर्ट में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए। आग सुबह करीब 6:30 बजे इनानी इलाके में स्थित टुपटुप रेस्टो एंड रिसॉर्ट में लगी। यह रिसॉर्ट मरीन ड्राइव पर पटुआरटेक बीच के पास है। दमकल विभाग के प्रवक्ता तल्हा बिन जासिम ने दोपहर करीब 1:30 बजे मृतकों की संख्या की पुष्टि की।

रिसॉर्ट में करीब 30 लोग मौजूद थे

आग लगने के समय रिसॉर्ट में करीब 30 लोग मौजूद थे। इनमें से चार से पांच लोग किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे। हालांकि, बाकी लोगों के ठिकाने और उनकी स्थिति के बारे में तत्काल स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। ऐसे में हादसे में प्रभावित लोगों की पूरी स्थिति जानने के लिए अधिकारियों की जांच अहम है।



अमेरिकी सांसदों पर भड़के पूर्व विदेश सचिव

जहर उगलने वाले ये हाशिए के नेता, सिर्फ शोर मचा रहेः कंवल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन को लेकर अमेरिका के 6 सांसदों की ओर से विदेश मंत्री मार्को रुबियो को लिखी गई चिट्ठी पर भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस पहल को महज शोर-शराबा बताते हुए कहा कि इससे भारत में अमेरिका के प्रति नकारात्मक धारणा बनेगी। सिब्बल ने अमेरिकी सांसदों की आलोचना करते हुए कहा कि इस याचिका का कोई खास महत्व नहीं है।

6 अमेरिकी सांसदों ने मार्को रुबियो को लिखी चिट्ठी

अमेरिका के 6 सांसदों ने भारत में चल रहे विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हुए मानवाधिकारों को लेकर चिंता जताई है। इस संबंध में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को चिट्ठी लिखी गई है। इस पर प्रमिला जयपाल, जेम्स पी. मैकगवर्न, जीसस जी. चुई गार्सिया, रशीदा तलीब, एलेनोर होम्स नॉर्टन और इल्हान उमर ने हस्ताक्षर किए हैं। सांसदों ने अपनी चिट्ठी में भारत में विरोध प्रदर्शन और मानवाधिकारों से जुड़े मुद्दों पर चिंता जाहिर की है।



यूक्रेनी सेना के युद्ध अभियान पर पड़ा असर

यूक्रेन में स्टारलिंक की स्पीड घटाने से भड़क गए राष्ट्रपति जेलेंस्की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एलन मस्क की कंपनी अपनी सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक को भारत में लॉन्च करने के लिए काफी दिलचस्पी दिखा रही है। यही कारण है कि मस्क ने मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो को लेकर कई विवादित बयान दिए।

रिलायंस ने भी पलटवार किया। अंबानी की कंपनी ने कहा कि वह प्रतिस्पर्धा से नहीं डरती है बल्कि सभी का स्वागत करती है। इसके बाद एलन मस्क के तेवर नरम पड़े और उन्होंने आभार प्रकट किया। दोनों ही कंपनियों के बीच फिलहाल झगड़ा खत्म हो गया है। हालांकि, रूस-यूक्रेन युद्ध में स्टारलिंक की भूमिका पर सवाल खड़े होने लगे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स द्वारा संचालित स्टारलिंक नेटवर्क ने अचानक ड्रोन उड़ानों की इंटरनेट कनेक्टिविटी स्पीड पर रोक लगा दी। इसका सबसे ज्यादा असर यूक्रेन की सेना के युद्ध अभियान पर देखने को मिला है।



जेलेंस्की के आरोपों पर मस्क ने दी सफाई

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने इस कदम पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे केवल तकनीकी खराबी मानने से इनकार किया। दूसरी तरफ एलन मस्क ने एक्स पर सफाई देते हुए कहा कि सैन्य-ग्रेड सेवा स्टारशील्ड का नियंत्रण सीधे अमेरिकी रक्षा मंत्रालय और राष्ट्रपति के हाथों में है। उन्होंने कहा कि स्टारलिंक का उपयोग व्यावसायिक और रक्षात्मक कार्यों तक ही सीमित है। इसका उपयोग आक्रामक सैन्य कार्रवाइयों के लिए नहीं किया जा सकता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का-लिंकन की प्रोफेसर का आईडिया आया काम

प्लास्टिक के बैग सियूक्स सिटी में कर दिखाया नवाचार

अमेरिकी इंजीनियरों ने शहर के कचरे से बना दी सड़क 3 साल बाद मिले नतीजे, क्या दुनियाभर में होगा प्रयोग

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

दुनियाभर में बीते कुछ दशकों में बढ़ता कूड़ा एक बड़ी मुश्किल बन रहा है तो वहीं सड़कों का जाल बिछाना भी सभी देशों के लिए जरूरी है। ऐसे में अगर कूड़े का इस्तेमाल सड़क बनाने में हो जाए तो ये दोहरे फायदे का सौदा हो सकता है।

अमेरिकी स्टेट नेब्रास्का के साउथ सियूक्स सिटी में प्लास्टिक बैग से सड़क बनाई गई है। बीते साल पूरे हुए इस प्रोजेक्ट में सियूक्सलैंड फ्रीडम पार्क के पास फाउंड्री रोड के 4,000 फीट हिस्से पर डामर की ऊपरी तीन इंच की परत में 20 लाख कटे-फटे बैग मिलाए गए हैं। सड़क में प्लास्टिक इस्तेमाल के इस विचार के पीछे यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का-लिंकन की प्रोफेसर जैमिला टेक्सीरा का दिमाग है। उन्होंने रिसर्च किया कि डामर में बेकार प्लास्टिक का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है। उन्होंने इस पर काम किया कि मिश्रण दरार पड़ने, गड्ढे बनने और नमी होने पर कैसे काम करता है। इस विचार को एक असली सड़क प्रोजेक्ट में बदल दिया।



सड़क निर्माण की अनोखी सामग्री

दक्षिण-पूर्वी टेक्सास में किया गया यह प्रोजेक्ट कचरे के एक ऐसे प्रकार को निर्माण सामग्री में बदलने के शुरुआती उदाहरणों में से एक था, जिसका निपटान करना मुश्किल होता है। इस मिश्रण में वजन के हिसाब से 89% इंसिनरेटर ऐश, 9% डामर और 2% चूना शामिल था। यानी सड़क के बेस में इस्तेमाल की गई ज्यादातर सामग्री कचरे से आई थी। यह प्रयोग इसलिए खास था क्योंकि राख का इस्तेमाल किसी प्रयोगशाला में टेस्ट करने के बजाय सीधे एक असली सड़क बनाने में किया गया था। यह कचरे की बढ़ती समस्या से निपटने का एक व्यावहारिक प्रयास भी था। इसमें एक ऐसी सामग्री का उपयोग किया गया, जो अन्यथा लैंडफिल (कचरा डंप करने की जगह) में ही जाती रही है।

बांग्लादेश में कड़ी सुरक्षा के बीच दुर्गा पूजा

33,851 पंडालों में विराजी मां इस बार 1500 की हुई बढ़ोतरी

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय का सबसे बड़ा वार्षिक त्योहार दुर्गा पूजा व्यापक सुरक्षा इंतजामों के बीच मनाया जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री तारिक रहमान और राष्ट्रपति मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने हिंदू समुदाय को शुभकामनाएं देते हुए धार्मिक सद्भाव, समान अधिकारों और सभी नागरिकों की सुरक्षा पर जोर दिया।

सरकार ने पूजा स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ त्योहार की छुट्टियां भी बढ़ाई हैं। बांग्लादेश पूजा उद्जापन परिषद के अनुसार, इस साल देशभर में कुल 33,851 दुर्गा पूजा पंडाल बनाए गए हैं। इनमें राजधानी ढाका के 258 पंडाल शामिल हैं।

एक सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस बार पंडालों की संख्या में करीब 1,500 की बढ़ोतरी हुई है। दुर्गा पूजा बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय का सबसे बड़ा वार्षिक धार्मिक आयोजन है।



शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुधारने के लिए एम.आई.सी. की बैठक में लिया गया बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय

जबलपुर में स्वच्छता को मिलेगी नई रफ्तार, मेयर इन काउंसिल की बैठक में कई ऐतिहासिक फैसलों पर लगी मुहर

- पहली बार सफाई व्यवस्था के टेंडर में भाग लिए 35 निविदाकार, देश-प्रदेश के 700 करोड़ तक के टर्नओवर वाले बड़े ठेकेदारों ने जताया जबलपुर नगर निगम के ऊपर भरोसा
- पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के तहत 15 प्रतिष्ठित संस्थाओं का किया गया सफल इंपैनलमेंट
- आगामी 1 नवंबर से पूरे शहर में प्रभावी होगी नई और उन्नत सफाई व्यवस्था, संभागवार समितियों को नियमानुसार बांटे जाएंगे कार्य
- इलाहाबाद चौक का नाम अब होगा देश का पहला विकसित भारत संकल्प सेवा चौक
- कैरव्स चौक का नाम अब होगा ईश्वरदास रोहाणी चौक
- लीज प्रकरणों का निराकरण करने के साथ त्योहारी सीजन को देखते हुए पटाखा व्यापारियों को राहत प्रदान करने वाले महत्वपूर्ण प्रस्ताव को भी दी गई मंजूरी



जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" की अध्यक्षता में आयोजित नगर निगम की मेयर इन काउंसिल की बैठक शहर के विकास, प्रशासनिक पारदर्शिता और जनभावनाओं के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण रही है। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए कई बड़े निर्णय लिए गए, वहीं ऐतिहासिक चौराहों के नाम बदलकर महापुरुषों और राष्ट्र की संकल्पना को समर्पित करने का भी बड़ा कदम उठाया गया है। इसके अलावा लीज प्रकरणों का निराकरण के साथ त्योहारी सीजन को देखते हुए स्थानीय फटाखा व्यापारियों को बड़ी राहत दी गई है।

सफाई व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव

महापौर श्री अन्नू ने जानकारी देते हुए बताया कि जबलपुर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ और अत्याधुनिक बनाने के लिए नगर निगम द्वारा जारी किए गए टेंडर को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। इतिहास में पहली बार सफाई व्यवस्था के इस टेंडर में देश और प्रदेश स्तर के 700 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले बड़े और प्रतिष्ठित ठेकेदारों ने गहरी रुचि दिखाई। इस प्रक्रिया के तहत कुल 35 निविदाकार मैदान में उतरे, जो शहर के विकास और निवेश के माहौल पर बड़े ठेकेदारों के बढ़ते भरोसे को साफ दर्शाता है। पूरी तरह से पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद 15 प्रतिष्ठित संस्थाओं का सफल इंपैनलमेंट किया गया है। जिसमें आर. प्रियांशी कंस्ट्रक्शन एंड फैसिलिटी, माँ नर्मदा साईं सेवा समिति, महाराष्ट्र विकास ग्रुप कंपनी, एच. एस. सर्विस प्रोवाइडर, थर्डआई सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, सक्षम फैसिलिटी सर्विसेज प्रा. लि., किंग सिक्योरिटी गार्ड्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, रक्षक सिक्योरिटास प्रा. लि., क्रिएन्टम सिक्योरिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, बिलीव सॉल्यूशन सर्विसेज, ब्रम्हन्हे मल्टीसर्विस प्राइवेट लिमिटेड, श्री बर्फानी सिक्योरिटी सर्विस, माँ नर्मदा सफाई संरक्षक कामगार एंड लेबर कॉन्ट्रैक्ट कोऑपरेटिव सो., टैक्सी जंक्शन, एवं अल्ट्रा क्लीन एंड केयर सर्विसेज आदि के नाम शामिल हैं।

मेयर इन काउंसिल की बैठक में बताया गया कि नगर निगम जबलपुर के संभाग क्रमांक 1 से 16 अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं सफाई कार्य हेतु फर्मों/एजेंसियों को सूचीबद्ध किए जाने हेतु ऑन लाइन निविदा आमंत्रित की गई। आमंत्रित निविदा में कुल 35 निविदाकारों द्वारा ऑन लाइन बिड प्रस्तुत की गई। तकनीकी निविदा के परीक्षण एवं प्राप्त आपत्तियों/स्पष्टीकरणों के विश्लेषण उपरांत कुल 17 निविदाकारों को तकनीकी रूप से पात्र पाए गए तथा 18 निविदाकार अपात्र पाए गए। तकनीकी रूप से पात्र पाए गए उक्त 17 निविदाकारों के वित्तीय प्रस्ताव दिनांक 05 अक्टूबर 2026 को ऑनलाइन खोले गए। मूल निविदा प्रपत्र के सेक्शन-।। की कंडिका 3.4.1 बी एवं एनेक्सर-2 में निविदाकारों द्वारा न्यूनतम 5 प्रतिशत सर्विस चार्ज कोट करने का प्रावधान था तथापित प्री बिड बैठक के उपरांत जारी शुद्धि पत्र प्री बिड रिस्पॉनस में म.प्र. शासन वित विभाग के दिशा निर्देशों एवं वास्तविक परिचालन व्ययों को दृष्टिगत रखते हुए न्यनतम सर्विस चार्ज की संशोधित दर मिनिमम 10 प्रतिशत सर्विस चार्ज मान्य की गयी। उक्त संशोधित नियम के अनुसार 10 प्रतिशत से कम सर्विस चार्ज प्रस्तुत करने वाली निविदाएँ अमान्य/अस्वीकृत किये जाने योग्य है। वित्तीय बिड परीक्षण में 2 निविदाकारों द्वारा 10 प्रतिशत से कम दर प्रस्तुत की गयी जिसमें सेंगर सिक्योरिटी एण्ड सर्विसेस प्रा.लि. एवं कामथेन सिक्योरिटी सर्विस हैं।

1 नवंबर से पूरे शहर में प्रभावी होगी नई व्यवस्था

एम.आई.सी. के निर्णयानुसार, आगामी 1 नवंबर से जबलपुर शहर में पूरी तरह से नई और उन्नत सफाई व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने और मैदानी स्तर पर मॉनिटरिंग मजबूत करने के लिए संभागवार समितियों का गठन किया गया है, जिन्हें अलग-अलग कार्य और जिम्मेदारियां बांटी जाएंगी। इससे शहर के हर वार्ड और गली में कचरा संग्रहण और साफ-सफाई की स्थिति में अभूतपूर्व सुधार देखने को मिलेगा। बैठक में शहर के दो प्रमुख चौराहों के नाम बदलने के प्रस्तावों को भी सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई, सिविल लाइन स्थित इलाहाबाद चौक का नाम बदलकर अब विकसित भारत संकल्प सेवा चौक कर दिया गया है। यह नाम देश के विकसित भारत के सपने और जनसेवा की भावना को समर्पित होगा। कैरव्स चौक का नाम बदलकर अब ईश्वरदास रोहाणी चौक कर दिया गया है। एम.आई.सी. की बैठक में पटाखा व्यापारियों के हित से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी गई है, जिससे व्यापारियों को स्थान आवंटन और अन्य औपचारिकताओं में सुगमता मिल सकेगी। बैठक में एम.आई.सी. सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर, दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चौहान, अशफाक परवेज कुरैशी, उपायुक्त संभव अयाची, श्रीमती शिवांगी महाजन, स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा, के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।



घाटों की साफ-सफाई, रोशनी, पार्किंग और पहुंच मार्ग दुरुस्त करने के निर्देश

विसर्जन स्थलों का कलेक्टर, पुलिस कप्तान और निगमायुक्त ने किया निरीक्षण

हरिभूमि, जबलपुर।

आगामी प्रतिमा विसर्जन को व्यवस्थित, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय और नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शनिवार को संयुक्त रूप से प्रमुख विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने हनुमानताल तालाब, ग्वारीघाट के भटौली क्षेत्र और तिलवारा स्थित विसर्जन कुंड का जायजा लेकर व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विसर्जन स्थलों पर साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। घाटों तक पहुंचने वाले मार्गों का दुरुस्तीकरण कराने के साथ पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की जाए, ताकि विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके अलावा विसर्जन स्थलों पर आवश्यकतानुसार नाविकों की व्यवस्था और वाहनों की पार्किंग के लिए भी उचित इंतजाम करने को कहा गया। कलेक्टर, पुलिस कप्तान और निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि व्यवस्थाओं से संबंधित जो भी समस्याएं सामने आएं, उनका संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर तत्काल निराकरण कराया जाए। अधिकारियों का जोर इस बात पर रहा कि विसर्जन के दिन भीड़ के दबाव को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से पूरी कर ली जाएं, जिससे श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु रहे और सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की कमी न हो।

सभी अनुभागों में भी निरीक्षण के निर्देश

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देश पर जिले के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों ने भी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अपने-अपने अनुभागों में स्थित विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान मौके पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए।प्रशासन और पुलिस की संयुक्त पहल का उद्देश्य विसर्जन प्रक्रिया को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुविधा मिले और किसी भी तरह की अव्यवस्था की स्थिति निर्मित न हो।

आस्था की आड़ में मनमानी नहीं चलेगी!

- *कथित अश्लील वीडियो से घिरे समिति अध्यक्ष संजय गुप्ता*
- *वायरल सामग्री से श्रद्धालुओं में नाराजगी*
- *पुलिस का अल्टीमेटम,*
- *नियम तोड़े तो होगी सख्त कार्रवाई*

डीजे बजाया तो प्रशासन कराएगा महाकाली प्रतिमा का विसर्जन



हरिभूमि, जबलपुर।

धार्मिक आस्था और सार्वजनिक मर्यादा को लेकर कछपुरा महाकाली समिति विवादों के घेरे में है। समिति अध्यक्ष संजय गुप्ता के नाम से सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित अश्लील वीडियो ने एक ओर श्रद्धालुओं के बीच नाराजगी और सवाल खड़े किए हैं, वहीं दूसरी ओर डीजे प्रतिबंध को लेकर कथित चुनौतीपूर्ण वीडियो के बाद पुलिस-प्रशासन ने भी सख्त रुख अपनाया है। सीएसपी कोतवाली अखिलेश गौर ने समिति को नोटिस जारी कर स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि प्रतिबंधात्मक आदेशों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों के विरुद्ध डीजे बजाने पर प्रशासन प्रतिमा विसर्जन की कार्रवाई अपने स्तर पर करा सकता है। विवाद की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित अश्लील वीडियो को लेकर लोग धार्मिक आयोजनों से जुड़े पदाधिकारियों की जिम्मेदारी और सार्वजनिक आचरण पर सवाल उठा रहे हैं। वीडियो में संजय गुप्ता और एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति के आपत्तिजनक स्थिति में होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, वीडियो की प्रामाणिकता, समय और पूरे संदर्भ की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

कथित वीडियो पर श्रद्धालुओं में नाराजगी, कार्रवाई की मांग उठी

प्रतिक्रियाओं में लोगों का कहना है कि धार्मिक समितियों से जुड़े पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी और सार्वजनिक आचरण के प्रति अधिक संवेदनशील होना चाहिए। उनका मानना है कि यदि वायरल वीडियो की सत्यता प्रमाणित होती है और किसी अनुचित कृत्य की पुष्टि होती है, तो मामले की निष्पक्ष जांच कर कानून के मुताबिक कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने का संदेश जाए।

सफाई देने के लिए सामने आया समिति अध्यक्ष

विवाद के बीच संजय गुप्ता ने कथित तौर पर वीडियो में दिखाई देने वाले ट्रांसजेंडर व्यक्ति और वीडियो बनाने वाले बताए जा रहे भवानी प्रसाद द्विवेदी के साथ सार्वजनिक वीडियो जारी कर अपनी सफाई दी है। अब इस सफाई में किए गए दावों और वायरल सामग्री के वास्तविक संदर्भ की निष्पक्ष जांच महत्वपूर्ण हो गई है। संबंधित पक्षों के बयान सामने आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

डीजे प्रतिबंध पर पुलिस का दो टूक संदेश

दूसरी ओर, डीजे प्रतिबंध को लेकर प्रसारित कथित चुनौतीपूर्ण वीडियो के मामले में पुलिस-प्रशासन ने समिति को नोटिस जारी कर नियमों के पालन की चेतावनी दी है। प्रशासन का संदेश स्पष्ट है कि धार्मिक आयोजन के नाम पर प्रतिबंधात्मक आदेशों की अनदेखी नहीं की जा सकती। आदेशों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा प्रतिमा विसर्जन कराए जाने की चेतावनी की वास्तविक सीमा नोटिस में दर्ज शर्तों के अनुसार ही तय होगी।

अब जांच और कार्रवाई पर टिकी निगाहें

कथित अश्लील वीडियो की सत्यता, समिति अध्यक्ष की सफाई और डीजे प्रतिबंध के उल्लंघन से जुड़े तथ्यों की जांच अब महत्वपूर्ण है। श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए प्रशासन को निष्पक्षता से पूरे मामले की पड़ताल करनी चाहिए। आस्था के नाम पर नियमों को चुनौती देने की छूट किसी को नहीं मिलनी चाहिए और किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई भी प्रमाणित तथ्यों के आधार पर ही होनी चाहिए।

हरिभूमि जबलपुर स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
दादा वीरेन्द्रपुरी जी नेत्र संस्थान (देवजी नेत्रालय)
अत्याधुनिक एवं उन्नत नेत्र चिकित्सा सेवाएँ
मायोपिया क्लिनिक
बच्चों एवं वयस्कों में निकट दृष्टि दोष का विशिष्ट परीक्षण, नियंत्रण व आधुनिक उपचार
वायनॉक्स थेरेपी
एम्ब्लोपिया (आलसी आँख) के इलाज हेतु एडवांस्ड विजन थेरेपी
विट्रियो - रेटिनल सर्विस
पर्दा संबंधी जटिल बीमारियों का आधुनिक लेजर व सर्जिकल इलाज
मोतियाबिंद का अत्याधुनिक ऑपरेशन
फेको एवं लेजर तकनीक द्वारा दर्द-रहित व टांका - रहित मोतियाबिंद सर्जरी
पीडियाट्रिक ऑप्थल्मोलॉजी
बच्चों की आँख की समस्त बीमारियों का इलाज एवं विशेषाज्ञों द्वारा ऑपरेशन
चश्मे से आजादी (लेजर सर्जरी)
अत्याधुनिक लेजर तकनीक द्वारा दूर-दूर एवं निकट दृष्टि दोष दोनों प्रकार के चश्मों से मुक्ति
ग्लूकोमा (काला मोतिया) इलाज
आँख के दबाव (IOP) को नियत्रित कर दृष्टि - हानि से बचाने के लिए एडवांस्ड सर्जरी
भेंगापन करेक्शन
स्क्विट के लिए सुरक्षित, सटीक और आधुनिक सर्जिकल सुविधा
लो विजन एड
कम दृष्टि वाले मरिजों के लिए विशेष उपकरण एवं पुनर्वास सेवाएं
ऑकुलोप्लास्टी व DCR सर्जरी
पलकों, ऑबिट और बंद आंसू की नली (DCR) के लिए प्लास्टिक व कॉस्मेटिक सर्जरी
शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण सुविधाएँ
डी.एन.बी. (DNB) कोर्स : नेत्र रोग विज्ञान में उच्च शिक्षा हेतु DNB कोर्स (4 सीटें उपलब्ध)।
कॉलेज ऑफ ऑप्टोमेट्री: मध्य प्रदेश शासन द्वारा मान्यता प्राप्त ऑप्टोमेट्री कॉलेज।
फैलोशिप प्रोग्राम्स : नेत्र विशेषज्ञों के लिए लॉन्ग टर्म एवं शॉर्ट टर्म फैलोशिप प्रोग्राम।
हमारी मुख्य विशेषताएँ
देश व विदेश से प्रशिक्षित: अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञों की समर्पित टीम।
अंतर्राष्ट्रीय मानक : विश्वस्तरीय अत्याधुनिक मशीनें एवं संक्रमण-रहित मॉड्युलर ऑपरेशन थिएटर ।
सामाजिक सरोकार : जरूरतमंद एवं योग्य मरीजों के लिए नि:शुल्क नेत्र ऑपरेशन की विशेष सुविधा ।
सेवा संकल्प डॉ. पवन स्थापक
जोतपुर, तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.) 482003, फोन नंबर 0761-2636400, 401, 402
मो. 9111091188 । ई-मेल: dvjei.jbp@gmail.com वेबसाईट :https://www.dvjei.org

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी ESTD- 2004
हरिभूमि स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
यश नर्सरी हा.से. स्कूल
अधारताल/गोहलपुर जबलपुर
डॉ. विजयकांत तिवारी
डायरेक्टर
श्रीमति सोनल तिवारी
प्राचार्या
गुलाब टॉवर, स्टेट बैंक के पास, अधारताल, मो: 0761-4020761, 9303580611
शंकर पटेल मार्केट, अमखेरा रोड, गोहलपुर मो: 0761-4020761, 9303580611

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
हरिभूमि स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रजत भार्गव
अध्यक्ष
नयागांव को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी एवं समाजसेवी

हनुमान की पूंछ में लगी आग तो धू-धू कर जली सोने की लंका, रावण को छोड़ विभीषण ने थामा श्रीराम का हाथ

लंका दहन के बाद विभीषण की शरणागति, श्रीराम ने गले लगाकर बनाया लंका का भावी राजा

जबलपुर।

श्री रामलीला समिति गढ़ा जबालीपुरम के सिद्ध मंच पर रामलीला के 11 वें दिन हनुमान द्वारा लंका दहन और विभीषण की श्रीराम के प्रति शरणागति की भावपूर्ण एवं रोमांचक लीला का मंचन हुआ। भक्ति, वीरता, अहंकार और धर्म की विजय के इस प्रसंग ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।



लीला का शुभारंभ भगवान की आरती से हुआ। आरती में संचालक पंडित अशोक मनोध्याय, अध्यक्ष एवं निर्देशक राजेश मिश्रा, महामंत्री एडवोकेट अरुण दीक्षित,डाक्टर पंकज सुलेखा क्षत्री, श्रीमती सुधा गौतम, डॉक्टर श्रीमती भाटिया एवं मानस सत्संग परिवार पाटन से लीला दर्शन करने पहुंचे ठाकुर रणधीर सिंह, सुरेन्द्र सिंह ठाकुर, घनश्याम प्रसाद बबेले, राघवेन्द्र शुक्ला, शिवकुमार वाजपेई,रामसेवक अग्रवाल, गौरीशंकर तिवारी,एवं मोहन तिवारी ने प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद पवनपुत्र हनुमान माता सीता की खोज में लंका पहुंचे और अशोक वाटिका में उनसे भेंट कर शीघ्र ही भगवान श्रीराम के उन्हें मुक्त कराने का संदेश दिया। वाटिका में मधुर फल खाने के बाद हनुमान ने रावण की सभा में पहुंचकर उसे सम्मानपूर्वक माता सीता को श्रीराम को सौंपने की सलाह दी, लेकिन अहंकार में डूबे रावण ने उनकी पूंछ में आग लगाने का आदेश दे दिया।

रावण का अहंकार और हनुमान का पराक्रम! पूंछ में आग लगते ही बजरंगबली ने विकराल रूप धारण कर सोने की लंका को आग के हवाले कर दिया। चारों ओर अग्नि की लपटें उठने लगीं और रामभक्तों के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

उलटि-पलटि लंका सब जारी। कूदि परा पुनि सिंधु मझारी॥

लंका दहन के बाद लीला ने नया मोड़ लिया। रावण और विभीषण के बीच तीखा संवाद हुआ। रावण द्वारा अपमानित किए जाने पर विभीषण ने अधर्म का साथ छोड़ लंका त्याग दी और भगवान श्रीराम की शरण में पहुंच गए।

विभीषण ने हाथ जोड़कर विनय की—

नाथ दसानन कर मैं भ्राता।
निसिचर बंस जनम सुर त्राता॥

उन्होंने श्रीराम से प्रार्थना की—

श्रवन सुजसु सुनि आयउँ प्रभु, भंजन भव भीर।
त्राहि त्राहि आरति हरन, शरण सुखद रघुबीर॥

शरणागत वत्सल भगवान श्रीराम ने विभीषण को गले लगाकर अपनाया और लंका का भावी राजा घोषित कर दिया। यह प्रसंग संदेश देता है कि व्यक्ति का मूल्य उसके कुल या जन्म से नहीं, बल्कि उसके विचारों और कर्मों से निर्धारित होता है। इसके बाद श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई करने की योजना बनाई और युद्ध की भूमिका तैयार हुई।

यज्ञाचार्य पंडित संतोष शास्त्री का किया गया सम्मान

लीला दर्शन करने पहुंचे यज्ञाचार्य पंडित संतोष शास्त्री मजीठा वालों का सम्मान करते हुए संचालक अशोक मनोध्याय ने बताया कि आपके द्वारा रामलीला मैदान पर पूर्व में 2 यज्ञ करवाए जा चुके हैं और इस बार मार्च 2027 में 60 वें वर्ष में षष्टीपूर्ती के उपलक्ष्य में होने वाले श्री राम-जानकी यज्ञ के प्रधान यज्ञाचार्य पंडित संतोष शास्त्री जी होगें।

इस अवसर पर समिति के सभी स्थायी आजीवन सदस्य एवं कार्यकारणी सदस्य उपस्थित रहे।

18 अक्टूबर 26 दिन रविवार को सेतुबंध रामेश्वर पूजन एवं अंगद-रावण संवाद की लीला का मंचन होगा।

सभी धर्मप्रेमी संस्कारधानी वासियों से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर धर्म, भक्ति और मर्यादा से ओतप्रोत रामलीला का आनंद लेने का आग्रह किया गया है।

प्रभु श्रीराम ने किया भोलेनाथ का अभिषेक

जबलपुर।

सुन ले रे रावण, पहले लैंहों जान पुनि पांछे लैहों जानकी। इस पर रावण ने कहा सुन ले रे अंगद, जान दे दैहों जान, पर न जान दैहों जानकी। ये संवाद अंगद और रावण के बीच गोविंदगंज रामलीला में सुने गए। शांतिदूत बन कर लंका गए अंगद जी के रूप में सक्षम बाजपेयी ने भावपूर्ण संवाद किए। एक-एक संवाद इतने वजनदार थे कि दर्शक तालियां पीटने से खुद को नहीं रोक पाए। देवों की कौन कहे विधाता तक मौन है-ऐसे दशकंठ को झुकाने वाला कौन है.. संवाद पर रावण बने पवन पांडे का अंदाज भी सराहा गया।



रामलीला समितियों में उमड़ी रही भीड़, अब दशहरे पर फोकस

रामेश्वर पूजन में गूंजे मंत्र

इससे पूर्व सेतु बंधु रामेश्वर पूजन की लीला हुई। इसमें प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, हनुमंत लाल द्वारा शिव महारुद्राभिषेक का प्रसंग है। 21 वैदिक ब्राम्हणों द्वारा रुद्री पाठ किया गया। इसके बाद भगवान द्वारा भोलेनाथ के अभिषेक को देखकर श्रद्धालुओं का मन प्रसन्न हो गया। इस लीला का दर्शकों को और समिति के कार्यकर्ताओं को साल भर इंतजार रहता है। भगवान को भांग-धतूरा सहित अभिषेक की सारी सामग्री भोलेनाथ को अर्पित की गई।

आज लक्ष्मण को शक्ति

रामलीला समिति के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि आज की लीला में लक्ष्मण शक्ति का प्रसंग होगा। ये लीला बड़ी लीला है। इस लीला में मेघनाथ का गर्जन, युद्ध प्रदर्शन, रावण की शक्ति पूजन, श्रीराम विलाप, भरत विलाप, वैद्ध सुखेन चरित्र आदि की लीला होती है।

सुरेंद्र जल उपभोक्ता संथा संघ अध्यक्ष बने



सिहोरा। सिहोरा मझौली और पोंडा तहसील की चौदह जल उपभोक्ता संथा अध्यक्षों कि बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संथा अध्यक्षों ने मिलकर आलासूर के संथा अध्यक्ष सुरेंद्र पटेल को जल उपभोक्ता संथा संघ का सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना। बैठक तहसील अधिवक्ता

संघ अध्यक्ष एडवोकेट रविदीप सिंह बैस के मुख्य अतिथि,जिला अध्यक्ष छोटे पटेल के विशिष्ट आतिथ्य,एसडीओ हिमांशु प्रजापति की उपस्थिति में किया गया। जल उपभोक्ता संथा के अध्यक्ष अनिल पटेल, चंद्रजीत पटेल, मनोज साहू, अवधेश पटेल, सतीश चौबे, देवी सिंह ठाकुर, इंद्र सिंह ठाकुर, वीरेंद्र उपाध्याय,भारत पटेल, अनिल कुमार पटेल, हुकुम चंद पटेल, रोहित पटेल के साथ गंगा पटेल, मुकेश शुक्ला, संजय पटेल,अजय पटेल उपस्थित थे।

मन्नत दरबार से निकली विशाल चुनरी यात्रा, हजारों भक्त हुए शामिल





मझौली। शारदीय नवरात्रि की सप्तमी तिथि के पावन अवसर पर नगर में भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रतिवर्ष की परंपरा अनुसार इस वर्ष भी मन्नत दरबार से विशाल चुनरी यात्रा निकाली गई।यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए शामिल हुए। चुनरी यात्रा मन्नत दरबार से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से भ्रमण करते हुए वापस मन्नत दरबार पहुंची। यात्रा के दौरान जगह-जगह पुष्पवर्षा कर भक्तों का स्वागत किया गया। यात्रा में शामिल अति मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं, जिन्हें देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर लोगों की भीड़ लगी रही। पूरे नगर में जय माता दी के जयघोष गूंजते रहे। मन्नत दरबार पहुंचने के बाद विधि-विधान से माता रानी की पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। तत्पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

बाबाताल में सजा महाकाली का दरबार

33 वर्षों से एक ही स्वरूप में विराजित हो रही माता की प्रतिमा

सिहोरा।

शिव मंदिर बाबाताल में शारदेय नवरात्र पर्व पर माता महाकाली का दरबार सजाया गया है। झंकार समिति द्वारा उक्त प्रतिमा की स्थापना का यह 37 वां वर्ष है। माता महाकाली की प्रथम स्थापना 1990 में की गई थी और उसी स्वरूप में माता को आज भी विराजमान किया जाता है। महाकाली माता के दरबार में जो भी भक्त सच्चे मन से अपनी अर्जी लगाता है माता उनकी मनोकामना पूर्ण करती हैं।आरती के समय नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रो के भक्त गण बड़ी संख्या में एकत्र होते हैं माई



के दरबार में अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए भी लोग आते हैं विशेष बात यह है कि यहां अर्जी के लिए न कोई विशेष पूजन या अनुष्ठान कुछ भी नहीं होता। भक्तों की श्रद्धा और प्रार्थना ही पर्याप्त है। मनोकामना पूर्ण होने पर भक्तजन माता को श्रंगार, साड़ी, चूड़ी, जेवर आदि प्रसाद के रूप में अर्पण करते हैं। इसी समिति द्वारा हर साल विजयदशमी पर विशाल देवी जागरण एंव चल समारोह में शामिल समितियों सहित सभी भक्तों के लाभ भंडारे का भी आयोजन किया जाता है।

भेड़ाघाट सुपर फास्ट ट्रेनों को तरसता विश्व पर्यटन स्थल

भेड़ाघाट

विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट की संगमरमर की वादियों को देखने देश विदेश से पर्यटक आते हैं भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है यहां पर सुपरफास्ट पैसेंजर शटल के अलावा और कोई गाड़ियां नहीं रुकती हैं जिससे स्टेशन पर सुविधाओं का अभाव भी पनप रहा है यहां के जनप्रतिनिधियों की कमजोरी कहा जाए या केन्द्र सरकार में बैठे जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा से भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन को पर्यटन की दृष्टि से दूर रखा है तभी तो इसका खामियाजा पर्यटकों और आसपास की जनता भुगत रही हैं



सुपर फास्ट ट्रेनों का स्टॉपेज क्यों नहीं

जबलपुर शहर पर कोई पर्यटक रुकता है तो उसे प्राइवेट ऑटो या मेट्रो से संगमरमर की वादियों का लुत्फ तभी उठा सकता हैं जब वह 20 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन से पंचवटी धुआंधार की दूरी 5 से 6 किलोमीटर की है यहां से पर्यटकों का समय और पैसा दोनों बचेगा और आसानी से देश-विदेश से आने वाले पर्यटक भेड़ाघाट की सैर कर सकता है उसी के साथ आसपास के लोगों को भी रेलवे की यात्रा का लाभ भी मिलेगा । और क्षेत्र में व्यापार की अनेक सम्भावना भी बढ़ेगी रेलवे बोर्ड मण्डल द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं

सुपर फास्ट ट्रेनों का स्टॉपेज क्यों नहीं

भेड़ाघाट विकास की बात तो सभी करते हैं लेकिन भेड़ाघाट विकास की बात आती है तो जनप्रतिनिधि भी चुप हो जाते हैं आज भीआजादी के बाद भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन सुपरफास्ट ट्रेनों को तरस रहा हैं। भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन के विकास को लेकर जनप्रतिनिधि भी खामोश है।

भेड़ाघाट को कौन देगा सुपर फास्ट ट्रेनों की सौगात

भेड़ाघाट क्षेत्र में राजनीतिक अपने आप को कम नहीं मानते हैं भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन के विकास के लिए कोई आगे नहीं आता है बातें तो जनप्रतिनिधि बड़ी-बड़ी करते हैं भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन के साथ सिर्फ छलावा ही किया जा रहा है भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन आखिरकार अपनी बद किस्मती पर आंसू बहा रहा हैं। और कब तक अपनी बद् किस्मती पर आंसू बहता रहेगा।

दिव्यांगजन जागरुकता कार्यक्रम आयोजित



सिहोरा। स्व सेवा संयोजन समिति ने कंकाली माता मंदिर परिसर में दिव्यांगजन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर समिति का आठवाँ स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग बालिका नीतू झारिया को वस्त्र एवं पादुका भेंट की गई तथा उसे आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया गया। दीप्ति जैन ने दिव्यांगजनों की सहायता एवं सम्मान के प्रति जागरूकता का संकल्प दिलाया। सचिव सारिका साहू ने बताया कि समिति महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा,पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, स्वच्छता, नशामुक्ति तथा सामाजिक जागरूकता सहित विभिन्न सेवा कार्यों में सक्रिय है। समिति की अध्यक्ष सुषमा सिंह करचुली ने समाजजनों एवं सहयोगियों से समिति के प्रति भविष्य में भी समाज के लिए निरंतर एवं व्यापक स्तर पर सेवा कार्य में आगे भी समाज का सहयोग बनाए रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माता रानी ने की। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे एवं जनपद अध्यक्ष रश्मि मनेंद्र अग्निहोत्री तथा विशिष्ट अतिथि पार्षद रीता शुक्ला एवं बेबी विनय पाल उपस्थित रहीं। समिति की पदाधिकारी राखी तिवारी,भावना गौतम,सुषमा गौतम,सपना अवस्थी, ममता गुप्ता एवं वर्षा ठाकुर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।आभार कोषाध्यक्ष मीनू परिहार ने किया।

प्रोफेसर डॉक्टर शेखर सेठ-



प्रोफेसर डॉक्टर शेखर सेठ का 17 अक्टूबर 2026 को स्वर्गवास हो गया अंतिम यात्रा रविवार 18 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10:30 बजे उनके निवास स्थान 84, नया गांव हाउसिंग सोसाइटी से प्रातः 10:30 बजे प्रारंभ होकर ग्वारीघाट मुक्तिधाम 11बजे पहुंचेगी। वे डॉक्टर विनय सेठ के लघु भ्राता श्रीमती ऊषा सेठ के पति एवं एडवोकेट सिद्धार्थ सेठ तथा कार्तिक सेठ के पिता थे।

श्री रमेश गौतम- नारायण नगर गुलौआ गढ़ा निवासी श्री रमेश गौतम (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री केदारनाथ श्रीवास- गोरखपुर गुरूद्वारा के पास निवासी श्री केदारनाथ श्रीवास (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री शुभम काछी- रामपुर पटेल मोहल्ला निवासी श्री नरेश काछी के पुत्र श्री शुभम काछी (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नितिन सोनकर- हनुमानताल दुर्गा चौक निवासी श्री ज्ञानी सोनकर के पुत्र श्री नितिन सोनकर (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुधा झा- ज्ञान विहार कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री वीरेंद्र झा की धर्मपत्नी श्रीमती सुधा झा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती द्रोपती बाई यादव- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री अर्जुन लाल यादव की धर्मपत्नी श्रीमती द्रोपती बाई यादव (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

बरेला में रामलीला के भावपूर्ण प्रसंगों का मंचन, दर्शक हुए भावविभोर

बरेला।

स्थानीय रामलीला मैदान में चल रही ऐतिहासिक रामलीला मंचन में कल रात सीता हरण, शबरी कुटिया, राम-सुग्रीव मित्रता और बालि वध के दृश्यों का अत्यंत जीवंत और भावपूर्ण मंचन किया गया। लीला की शुरुआत में कपटी मारीच के स्वर्ण मृग बनने और रावण द्वारा साधु वेश में माता सीता का हरण करने के दृश्य ने दर्शकों को झकझोर



दिया। इसके बाद, सीता जी की खोज में व्याकुल भगवान श्रीराम लक्ष्मण सहित मतंग ऋषि के आश्रम पहुंचे, जहां शबरी की कुटिया में भक्ति भाव से सराबोर शबरी के झूठे बेर खाने के प्रसंग को देखकर दर्शक भावविभोर हो गए।

आगे हनुमान जी के माध्यम से ऋष्यमूक पर्वत पर श्रीराम और सुग्रीव की अटूट मित्रता हुई और दोनों ने अग्नि को साक्षी मानकर एक-दूसरे की मदद का संकल्प लिया। अंत में, सुग्रीव को अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए प्रभु श्रीराम ने एक ही बाण से अहंकारी बालि का वध कर धर्म की स्थापना की। इस दौरान पूरा पंडाल 'जय श्रीराम' के जयकारों से गूंज उठा।

मुरैना के दिव्यांग पुनर्वास केंद्र पहुंचे सीएम डॉ. मोहन यादव, बच्चों से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनविश्वास अभियान अंतर्गत मुरैना जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में दिव्यांगजनों के उपचार, पुनर्वास एवं समग्र विकास के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया तथा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्र में संचालित न्यूरोलॉजिकल पुनर्वास कक्ष, बाल पुनर्वास कक्ष, शिशु एवं बाल चिकित्सा उपचार कक्ष तथा विद्युत चिकित्सा कक्ष सहित विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां दिव्यांग बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही उपचार एवं चिकित्सा सुविधाओं, पुनर्वास की व्यवस्थाओं तथा उनकी प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री के स्कूल पहुंचने पर विद्यार्थियों और अध्यापकों ने मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. सुदाम खाड़े, संभागीय आयुक्त मनोज खत्री, कलेक्टर मुरैना लोकेश कुमार जांगिड़, पुलिस अधीक्षक मुरैना धर्मराज मीणा सहित जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

ट्राइसाइकिल व्हील चेयर समेत सहायक उपकरण वितरित, बच्चों ने हाथों से बनाई गौशाला पेंटिंग की भेंट



जनविश्वास अभियान के तहत दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र के बच्चों के बीच सीएम।

दिव्यांग बच्चों से आत्मीय संवाद कर बढ़ाया उत्साह

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्र में उपस्थित दिव्यांग बच्चों से आत्मीय संवाद किया। उनके अनुभवों एवं गतिविधियों के बारे में चर्चा की। मुख्यमंत्री को दिव्यांग बच्चों ने अपने हाथों से बनाई गई गौशाला की पेंटिंग भेंट की। एक बच्चे ने विभिन्न राष्ट्रीय प्रतीकों को सांकेतिक चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए उनके बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बच्चों की रचनात्मकता, प्रतिभा एवं आत्मविश्वास की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों के साथ आत्मीयता से संवाद कर उनका मनोबल बढ़ाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने किया उत्कृष्ट विद्यालय मुरैना का निरीक्षण

सीएम ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत मुरैना के उत्कृष्ट विद्यालय क्र.-1 में पहुँचकर विद्यालय का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से विज्ञान और गुरुत्वाकर्षण के संबंध में संवाद किया। इसके साथ ही विद्यालय में स्थापित प्रयोगशाला का निरीक्षण कर प्रयोगशाला के बारे में भी विद्यार्थियों से चर्चा की।

विक्रेता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

अवैध तरीके से तेजाब बेचने पर दुकान संचालक पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

जिले में 22 वर्षीय छात्रा पर हुए तेजाब हमले के मामले में पुलिस जांच की आंच अब दुर्ग तक पहुंच गई है। पुलिस ने हमले के लिए इस्तेमाल किया गया सल्फ्यूरिक एसिड बिना वैध दस्तावेज के बेचने वाले दुकान संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने दुर्ग स्थित एक साइंटिफिक प्रोडक्ट की दुकान से 500 एमएल सल्फ्यूरिक एसिड 250 रुपये में खरीदा था। दुकानदार बिक्री का लाइसेंस, खरीदारों का पंजीयन रजिस्टर और पहचान पत्र से जुड़े दस्तावेज पुलिस के सामने पेश नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की है।

संचालक को नोटिस देकर बुलाया बालोद पुलिस की जांच के आधार पर दुर्ग के पद्मनाभपुर थाना पुलिस ने 14 अक्टूबर को ऑनलाइन सीसीटीएनएस के माध्यम से मामला दर्ज किया। घटना स्थल पद्मनाभपुर क्षेत्र में आने के कारण स्थानीय पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने सुभाष नगर दुर्ग निवासी दुकान संचालक शोभराज यदु को बीएनएसएस की धारा 94 के तहत नोटिस देकर थाने बुलाया। पूछताछ के दौरान उसने 27 सितंबर को दोनों आरोपियों को 500 एमएल सल्फ्यूरिक एसिड बेचने की बात स्वीकार की।



वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका विक्रेता

जब पुलिस ने उससे एसिड बिक्री का वैध लाइसेंस, बिक्री रजिस्टर, खरीदारों के नाम, पते और मोबाइल नंबर से संबंधित दस्तावेज मांगे, तो वह कोई वैध रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ एसिड का विनियमन, प्रतिबंध, विक्रय एवं उपयोग अधिनियम, 2013 की धारा 15(1) के तहत अपराध पंजीकृत किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) शोभराज अग्रवाल ने बताया कि तेजाब की अवैध बिक्री पर पुलिस ने यह कार्रवाई की।

आरोपी करता थी पीड़िता पर चरित्र शंका

आरोपियों के मेमोरेंडम कथन से इस अवैध खरीद-बिक्री का खुलासा हुआ। पुलिस ने घटना में शामिल दो आरोपियों यश कुमार सोनकर और करण कुंजाम को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान सामने आया कि मुख्य आरोपी यश कुमार सोनकर को युवती के साथ प्रेम संबंध के दौरान यह शक था कि वह अन्य लड़कों से भी बातचीत करती है। इसी संदेह और नाराजगी के कारण उसने अपने साथी करण कुंजाम के साथ मिलकर युवती पर एसिड फेंकने की पूरी साजिश रची।

ये था वारदात से जुड़ा पूरा घटनाक्रम

योजना के अनुसार दोनों आरोपी 27 सितंबर को दुर्ग स्थित साइंटिफिक प्रोडक्ट दुकान पहुंचे थे और वहां से 250 रुपये देकर 500 एमएल सल्फ्यूरिक एसिड खरीदा था। इसके बाद दोनों ने इस खतरनाक रसायन का उपयोग वारदात को अंजाम देने के लिए किया। पीड़ित युवती एमए की पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। वह 5 अक्तूबर को रोज की तरह सुबह लगभग 9:30 बजे आमापारा स्थित पुस्तकालय में पढ़ाई करने गई थी। दोपहर करीब 12:15 बजे जब वह घर लौट रही थी, तभी सिंचाई कॉलोनी में स्थित आत्मानंद स्कूल के पास पीछे से आए एक युवक ने उसके चेहरे पर ज्वलनशील एसिड फेंक दिया।

शिक्षकों और अधिकारियों की मौजूदगी में किया पदभार ग्रहण

बीयू के नए कुलगुरु बेदिया ने संभाला कार्यभार, नई ऊर्जा के साथ विवि को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलगुरु प्रोफेसर दीनदयाल बेदिया ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर कुलगुरु कार्यालय में विवि के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यभार ग्रहण करने के बाद विवि शिक्षक संघ द्वारा नवनियुक्त कुलगुरु का स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय के विकास एवं शैक्षणिक उन्नयन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया। नवागत कुलगुरु बेदिया ने कहा कि वर्तमान में मां दुर्गा की आराधना का पावन समय चल रहा है। मां दुर्गा शक्ति की प्रतीक हैं और उनसे हमें ऊर्जा, साहस तथा सकारात्मकता की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि हम सभी को नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच के साथ मिलकर विवि परिवार को आगे बढ़ाना है तथा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास करने हैं। उन्होंने विवि परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझे अपने परिवार में स्वीकार किया है, इसके लिए मैं हृदय से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि यदि ईश्वर ने हमें कोई दायित्व और अवसर प्रदान किया है, तो यह हमारा कर्तव्य है कि हम लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरें तथा उनकी समस्याओं का समाधान करने का हरसंभव प्रयास करें।

कहा - नवरात्रि शक्ति की प्रेरणा है, सामूहिक प्रयास से होगा शैक्षणिक उन्नयन

विश्वविद्यालय के विकास में सहयोग का दिया आश्वासन



बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलगुरु प्रो. दीनदयाल बेदिया ने कार्यभार ग्रहण किया। शिक्षक संघ ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

शिक्षक संघ ने दिया सहयोग का आश्वासन

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षक संघ की अध्यक्ष प्रोफेसर मोना पुरोहित ने शॉल एवं श्रीफल भेंट कर नवनियुक्त कुलगुरु का स्वागत किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कुलगुरु के मार्गदर्शन में विवि अकादमिक उत्कृष्टता, शोध, नवाचार तथा संस्थागत विकास के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा। शिक्षक संघ की ओर से विवि के हित में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया गया। इस अवसर पर विवि के पूर्व कुलगुरु प्रोफेसर विवेक शर्मा एवं डॉ. एस.के. खटीक ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. एसबी सिंह सहित विवि के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जीएमसी में फैकल्टी सदस्यों ने दिया स्किल लैब सिमुलेशन प्रशिक्षण

भोपाल। आधुनिक चिकित्सा शिक्षा में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में व्यावहारिक दक्षता एवं रोगी सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कौशल विकसित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह बात गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में मेडिकल एजुकेशन यूनिट द्वारा फैकल्टी सदस्यों के लिए स्किल लैब एवं सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीन डॉ कविता एन सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में स्किल लैब का विशेष महत्व है। इसके माध्यम से स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी मरीजों पर किसी प्रक्रिया को करने से पूर्व नियंत्रित एवं सुरक्षित वातावरण में बार-बार अभ्यास कर सकते हैं।

भोपाल में बनेगा 8 हजार क्षमता वाला मेगा कन्वेंशन सेंटर

भोपाल। मध्यप्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय एमआईसीई पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। मुंबई में आयोजित एमआईसीई इंडस्ट्री लीडर्स कनेक्ट कार्यक्रम में टूरिज्म बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय बेडेकर ने बताया कि भोपाल के सतगढ़ी में 172 एकड़ में 6 से 8 हजार क्षमता वाला कन्वेंशन सेंटर प्रस्तावित है। इंदौर और खजुराहो में पहले से बड़े सेंटर संचालित हैं। पर्यटन नीति 2025 के तहत 500 क्षमता वाले प्रोजेक्ट पर 10 करोड़ तक सब्सिडी और ग्रीन इवेंट पर 1 लाख तक प्रतिपूर्ति मिलेगी। आयोजकों के लिए सिटी एमआईसीई प्रमोशन ब्यूरो से सिंगल विंडो सुविधा दी जाएगी। सम्मेलन में पश्चिमी भारत को वैश्विक एमआईसीई पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित करने के विषय पर गहन पैनल चर्चा हुई। मप्र को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के एमआईसीई (मीटिंग, इनसेंटिव, कान्फेंसेस एंड एक्सबीसन) पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए आधुनिक कन्वेंशन एवं एग्जीबिशन सेंटर और उन्नत अधोसंरचना पर जोर दिया जा रहा है। मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'आईईआईए एमआईसीई इंडस्ट्री लीडर्स कनेक्ट–फोकस' कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के अपर सचिव एवं महानिदेशक सुमन बिल्ला शामिल हुए। इस दौरान मप्र टूरिज्म बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने प्रदेश की संभावनाओं और निवेश के अवसरों का प्रस्तुतिकरण दिया।

इंडियन एग्जीबिशन इंडस्ट्री एसोसिएशन (आईईआईए) की ओर से भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन की थीम 'भारत में माइक आयोजनों के लिए इकोसिस्टम का निर्माण' थी। सम्मेलन में पश्चिमी भारत को वैश्विक एमआईसीई पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित करने के विषय पर गहन पैनल चर्चा हुई।

कार्यालय अधीक्षक रानी दुर्गावती चिकित्सालय जबलपुर म.प्र
पता मालगोदाम चौक के पास साउथ सिविल लाईन जबलपुर टेलिफोन नं 0761-2625622
web site www.elginhospital.com ई मेल elginhospitaljbp@gmail.com

क्रमांक/विकासशाखा/2026/3143 जबलपुर, दिनांक 09.10.2026

NOTICE INVITING CALL E-TENDER FOR Supply of Material

Superintendent Rani Durgawati Hospital Jabalpur (M.P.) invites below mention tenders online https://mptenders.gov.in bid from eligible service providers as given document for the period from: Schedule of Events

S. No	Tender Reference Number:	Tender ID	Publishing & Bid Submission Start Date*	Pre Bid Meeting Date*	Bid Submission Closing Date*
1	3143	2026_DHS_542114_1	19/10/2026	29/10/2026	09/11*2026

Superintendent
G-20197/26 "स्वच्छता ही सेवा" Rani Durgawati Hospital Jabalpur

कार्यालय, प्राचार्य शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय शारदानगर रांझी जबलपुर (म.प्र.) - 482009
V.F.J (केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था) डाईस कोड -H.S-23390221124
Tel-0761-23301176 CBSE Affiliation.- 1020169
Website- www.grsjabalpur.org E-Mail Id-prinrsjab@gmail.com

क्र./ज्ञानोदय/स्था./विशेष कोचिंग/2026/484 जबलपुर दिनांक 15/10/2026

विशेष कोचिंग पढ़ाने हेतु विज्ञापन

कार्यालय आयुक्त अनुसूचित जाति विकास मध्यप्रदेश भोपाल के पत्र क्रमांक / 2914 दिनांक 21.07.2014 के अनुसार शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय शारदा नगर रांझी जबलपुर म.प्र. के छात्रावास में रहकर अध्ययन करने वाले निर्धन एवं प्रतिभावान छात्र / छात्राओं को उत्कृष्ट स्तर की शिक्षा देने, छात्र / छात्राओं को निदानात्मक एंव विशेष कोचिंग देकर छात्र - छात्राओं को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की प्रतियोगी एंव अन्य परीक्षाओं (जे.ई.ई / आई.आई.टी. / नीट / क्लेट) के लिये तैयार करना है, इस हेतु विषय विशेषज्ञ विज्ञापन प्रकाशन से सात दिवस (शासकीय अवकाश छोड़कर) के अंदर समय 11 बजे से 04 बजे के बीच निर्धारित प्रपत्र पर विद्यालय में जमा करें।

क्र.	कक्षा	विषय	शैक्षणिक योग्यता	अनुभव
1	10वीं	1. अंग्रेजी 2. गणित 3. विज्ञान	संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी में स्नातक	CBSE शिक्षा संस्थान में पढ़ाने का अनुभव
2	11वीं एवं 12वीं	1. रसायनशास्त्र 2. प्राणीशास्त्र / 3. भौतिकी 4. गणित 5. वाणिज्य	संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी में स्नातक	CBSE शिक्षा संस्थान में पढ़ाने का अनुभव

आवेदक पत्र विद्यालय के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है। विशेष कोचिंग हेतु शासन द्वारा मानदेय निर्धारित है वो देय होगा। शासन के निदेशानुसार कोचिंग नियमों में आवश्यकतानुसार समय-समय पर संशोधन किया जा सकता है। किसी भी स्थिति में प्राचार्य का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्राचार्य
शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय
G-20176/26 "स्वच्छता ही सेवा" जबलपुर

न्यायालय अपर कलेक्टर शहर-2 जिला जबलपुर

क्रमांक 557 न्या. अपर.कले.2 / रांझी/2026 जबलपुर दिनांक 14/10/2026

आम इश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक प्राधिकृत अधिकारी एल. आई.सी. हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड राइट टाउन जिला जबलपुर के द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र धारा 14 वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत बंधक सम्पत्तियों के भौतिक आधिपत्य मौजा बिलपुरा प.ह.न. नया 53 रा.नि.म. बिलपुरा रांझी स्थित खसरा न. 634/4 का कुल रकवा 0.0600 हेक्टे. यानि 7000 वर्गफुट में से विक्रय प्लॉट एरिया 1000 वर्गफुट म०न० 12 का ऋण नहीं चुकाने से अनावेदक विपिन कुमार पनिकर आत्मज श्री विजय कुमार पनिकर श्रीमति संगीता पनिकर पति बिपिन कुमार पनिकर दोनो निवासी म. न. 12 इन्द्रा नगर वार्ड बिलपुरा से वसूल राशि नहीं चुकाने के कारण प्रचलित है। जिसके संबंध में अनावेदक के दिये गये पते पर नोटिस जारी किया गया, किन्तु पता अपूर्ण होने का लेख कर नोटिस वापिस इस न्यायालय में प्राप्त हो गया।

अतः इस इश्तहार के माध्यम से अनावेदगणों को सूचित किया जाता है कि, इश्तहार प्रकाशन के उपरान्त नियत पेशी या पूर्व न्यायालय कलेक्टर कार्यालय कक्ष कमांक 34 में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा की स्थिति में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

जारी दिनांक 14.10.2026 पेशी दिनांक 29.10.2026
अपर कलेक्टर जबलपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.सू.क्र./53/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./2026 डिण्डौरी, दिनांक 08.10.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नानुसार ई-टेण्डर ऑनलाईन डिजिटल मुहरबंद (Digitaly Scaled) डिण्डौरी जिले के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। https://www.mptenders.gov.in जिसका अवलोकन बेवसाईट में किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र केवल ऊपर उल्लेखित बेवसाईट से ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है। जिसके मूल्य का भुगतान इण्टरनेट बैंकिंग से किया जावेगा। निविदा दिनांक 09.10.2026 को दोपहर 15.30 बजे से दिनांक 23.10.2026 को शाम 17.30 बजे तक ऑनलाईन प्रस्तुत किये जा सकते है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा जिसका पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही दिया जावेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उक्त बेवसाईट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	ई निविदा क्र.	नि. सू. क्र.	वि.खं./ जिला	विवरण	अनु.लागत (PAC) (रू. लाख में)	धरोहर राशि (PAC) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	रिमार्क
1	2026_PHED_541921_1	53	डिण्डौरी	Drilling of Gravel Packed Type of Tubewell (300/100 mm) 60 mtr. Depth. (50 Nos.) in Various Villages in District- Dindori.	43.48	50000.00	5000.00	प्रथम आमंत्रण

कार्यपालन यंत्री
G-20190/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड डिण्डौरी (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला - दुर्ग (छ.ग.)

।। चतुर्थ ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना ।।

क्रं. / 1471 / लो.क.वि. / न.पा. / 2026 कुम्हारी, दिनांक 16/10/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
202111	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Kumhari, Chhattisgarh	112.45	28.10.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, कुम्हारी

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड- अनूपपुर (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना (संक्षिप्त) अनूपपुर

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल http://www.mptenders.gov.in/ पर अनूपपुर जिले के विभिन्न विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत नवीन / पुनरीक्षित नलजल योजनाओं के निविदा के (Bill of Quantity) अनुसार पाईप लाईन, घरेलू नल कनेक्शन, उच्चस्तरीय टंकी, सम्पवेल, एवं विद्युत संयोजन कार्य हेतु निविदाऐं निम्नानुसार आमंत्रित हैं। निविदा का विवरण निम्नानुसार हैं :-

क्र.	निविदा क्रमांक/दिनांक	ई-टेण्डरिंग पद्धति द्वारा सिस्टम ई-टेण्डर नम्बर	ग्राम का नाम	निविदा की लागत (रू. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में.)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार का श्रेणी
1	18/2026-27 दिनांक 12.10.2026	2026_ PHED_542927_1	सेमरवार (विकासखण्ड जैतहरी)	66.12	66120/-	10000/-	06 माह वर्षा काल सहित।	केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत लोक निर्माण विभाग (म.प्र.) मे पंजीकृत ठेकेदार।
2	19/2026-27 दिनांक 12.10.2026	2026_ PHED_542929_1	उमरिया (विकासखण्ड जैतहरी)	33.55	50000/-	5000/-	03 माह वर्षा काल सहित।	
3	20/2026-27 दिनांक 12.10.2026	2026_ PHED_542930_1	गिजरी (विकासखण्ड पुष्पराजगढ़)	44.07	50000/-	5000/-	03 माह वर्षा काल सहित।	
4	21/2026-27 दिनांक 12.10.2026	2026_ PHED_542931_1	महुदा एवं चांदपुर (विकासखण्ड जैतहरी)	27.56	50000/-	5000/-	03 माह वर्षा काल सहित।	

ऑनलाईन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि: 28.10.2026 17.30 बजे, ऑनलाईन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि: 28.10.2026 17.30 बजे, ऑनलाईन निविदा दर खोलने की तिथि : 30.10.2026 11.00 बजे

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क कैश कार्ड, ए. टी. एम. कम डेबिट कार्ड अथवा इन्टरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाइट पर भुगतान कर केवल ऑनलाईन माध्यम से ही क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाईट पर प्रदर्शित हैं। निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन होने पर संशोधन समाचार पत्रों में। प्रकाशित नही किया जावेगा। समस्त संशोधन केवल उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर ही उपलब्ध होगें।

कार्यपालन यंत्री
G-20201/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (खण्ड अनूपपुर (म. प्र.)

कार्यालय, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग डिण्डौरी, जिला डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.आ.सू. क्रमांक/14/व.ले.लि./2026-27 ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना डिण्डौरी दिनांक 14.10.2026

एतद् द्वारा केन्द्रीयकृत लो.नि.वि. में पंजीकृत समस्त निविदाकारों को सूचित किया जाता है कि लो०नि०वि० (भ/स) संभाग डिण्डौरी जिला डिण्डौरी के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यो की ऑनलाईन निविदा पोर्टल https://www.mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की गई है। कार्यो का विस्तृत विवरण बेबसाईट पर देखा जा सकता है :-

ई-टेंडर नम्बर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (रुपए में)	निविदा प्रपत्र (रुपए में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा खोले जाने का स्थान
2026_ PWDRB_543176	घानाघाट से कोहका मार्ग लं. 2.60 किमी., गाडासरई-बच्छरगांव-झिंझरी बौना मार्ग लं. 4.90 किमी., जोगीटिकरिया-मुडकी-घानामार मार्ग लं. 1.00 किमी., पडरियाकला से अनूपपुर जिला सीमा मार्ग लं. 3.25 किमी., हर्रा से लदवानी मार्ग लं. 2.60 किमी., किरंगी से नर्मदा नदी मार्ग लं. 2.30 किमी. एवं हर्राटोला से नर्मदा नदी मार्ग लं. 1.60 किमी. कुल लम्बाई 18.25 किमी. का बी.टी. नवीनीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)।	206.61	206700.00	15000.00	04 माह वर्षाऋतु सहित	कार्या. मुख्य अभियंता लो.नि.वि. परिक्षेत्र जबलपुर
2026_ PWDRB_543178	मोहनी से सिलठार मार्ग लं. 2.20 किमी., विक्रमपुर कन्या छात्रावास पहुंच मार्ग लं. 1.80 किमी. एवं दल्का बांधा से बिलगढ़ा मार्ग लं. 1.18 किमी. कुल लम्बाई 5.18 किमी. का बी.टी. नवीनीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)।	61.91	62000.00	10000.00	03 माह वर्षाऋतु सहित	कार्या. मुख्य अभियंता लो.नि.वि. परिक्षेत्र जबलपुर

निविदा की तिथि एवं शर्तें :-
(1) ऑनलाईन निविदा प्रपत्र खरीदने की तिथि 15.10.2026 से 04.11.2026 सायं 5.30 बजे तक है।
(2) ऑनलाईन बिड सबमिट करने की अंतिम तिथि 04.11.2026 सायं 5.30 बजे तक है। (टेण्डर डाक्यूमेंट, (e-EMD) तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही सबमिट किये जायेंगे)।
(3) निविदा दिनांक 06.11.2026 से खोली जावेगी।
(4) संशोधन या शुद्धिपत्र सिर्फ वेबसाईट में अपलोड किये जावेंगे।
(5) निविदा प्रपत्र वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर भुगतान उपरांत प्राप्त हो सकेंगे। अतिरिक्त जानकारी वेबसाईट पर टेण्डर डाक्यूमेंट में देखी जा सकती है।

(मोहपत सिंह धुर्वे)
कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
जी- 20207/26 स्वच्छता ही सेवा

एसआईआर को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब ये भी कहा जाने लगा है कि एसआईआर व ज्ञानेश कुमार तो केवल बहाना है, असली मकसद सत्ता हथियाना है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। दूसरी ओर, इस विरोध के बहाने भौंडा प्रदर्शन कर खुद को चर्चा में लाने की युवाओं की कोशिश भी खतरनाक रूप धारण कर रही है। प्रदर्शन के बीच में ही कुछ स्वयंभू पत्रकार भी अपनी रोटियां सेंकते दिख रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सिर्फ एक मोबाइल और माइक लेकर आप पत्रकार बन सकते हैं? प्रशासन के लिए ऐसे लोगों को पहचानना कठिन होता है। दिल्ली में जंतर-मंतर पर कई लोगों ने खुद को मीडिया कर्मी बताकर बदसलूकी के आरोप लगाए हैं। अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। कुल मिलाकर, सरकार, प्रशासन और आंदोलनकारियों सभी पक्षों को अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आना चाहिए, ताकि देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक ताना-बाना अक्षुण्ण बना रहे। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

एसआईआर की आड़ में सत्ता की सियासत



विश्लेषण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय राजनीति में कई बार किसी आंदोलन की शुरुआत एक मुद्दे से होती है, लेकिन धीरे-धीरे उसका दायरा बढ़ने लगता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रहा विवाद भी अब इसी मोड़ पर दिखाई दे रहा है। बीते दिनों वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने यह कहकर राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया कि मौजूदा आंदोलन का मकसद केवल मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई या उनके इस्तीफे तक सीमित नहीं है। यह लड़ाई अब 'रिजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई है। उन्होंने इसे लोकतंत्र में नागरिकों का अधिकार भी बताया। उनके इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी को विपक्ष पर हमला करने का एक नया मुद्दा मिल गया।

एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना और उसमें मौजूद गलतियों को दूर करना है। सिद्धांत रूप में किसी भी लोकतंत्र में मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। इसमें ऐसे लोगों के नाम होने चाहिए जो मतदान के पात्र हैं। जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदाता नहीं रह गए हैं, उनके नामों की समीक्षा भी जरूरी है। लेकिन इस प्रक्रिया का दूसरा पहलू भी है। यदि किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से सूची से हट जाता है, तो वह अपने सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित हो सकता है।

इसलिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। किसी का नाम हटाने से पहले उचित जांच होनी चाहिए और प्रभावित व्यक्ति को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। हालांकि, आरोप लगना और आरोप साबित होना दो अलग-अलग बातें हैं। विपक्ष चाहता है कि चुनाव आयोग अपने फैसलों और कामकाज को लेकर जवाब दे। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है।

वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने यह कहकर राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया कि मौजूदा आंदोलन का मकसद केवल मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई या उनके इस्तीफे तक सीमित नहीं है। यह लड़ाई अब 'रिजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई है। उनके इस बयान के बाद बीजेपी को विपक्ष पर हमला करने का एक नया मुद्दा मिल गया। एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना और उसमें मौजूद गलतियों को दूर करना है। सिद्धांत रूप में किसी भी लोकतंत्र में मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। इसमें ऐसे लोगों के नाम होने चाहिए जो मतदान के पात्र हैं। जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदाता नहीं रह गए हैं, उनके नामों की समीक्षा भी जरूरी है।



राजनीतिक लड़ाई की परत

इस विवाद को सीधे सरकार बदलने की लड़ाई बताया जाने लगता है, तो यह समझना जरूरी हो जाता है कि आंदोलन का राजनीतिक लक्ष्य कितना व्यापक हो चुका है। प्रशांत भूषण के बयान का राजनीतिक महत्व इसी बात में है कि उन्होंने सत्ता परिवर्तन की मांग को छिपाने के बजाय सार्वजनिक रूप से उसका बचाव किया। उनके मुताबिक, लोकतंत्र में सरकार बदलने की मांग करना कोई अपराध नहीं है। इस तर्क में अपने आप में कुछ गलत नहीं है।

यहां एक बुनियादी अंतर समझना होगा। चुनाव के जरिए सरकार बदलने की मांग करना और किसी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए आंदोलन चलाना अपने आप में असंवैधानिक नहीं है। असली सवाल आंदोलन के तरीकों, उसके तथ्यों और उसकी मांगों की वैधता का है। प्रशांत भूषण के बयान से इतना जरूर स्पष्ट होता है कि आंदोलन के कुछ प्रमुख चेहरे अब इसे केवल चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़ा मामला नहीं मान रहे। वे इसे केंद्र की सरकार के खिलाफ व्यापक राजनीतिक संघर्ष के रूप में देख रहे हैं। विपक्ष की रणनीति को समझने में मदद जरूर मिलती है।

सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भी नारों में शामिल

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने के लिए भी ठोस आधार होना चाहिए। खैर, अब यह कहना कठिन है कि आंदोलन केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक सीमित है। सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भी इसके प्रमुख राजनीतिक नारों में शामिल हो चुका है। एक बात साफ है कि किसी लोकतंत्र में सत्ता बदलने का सबसे मजबूत और स्वीकार्य रास्ता चुनाव ही है। विपक्ष को लगता है कि मौजूदा सरकार को हटाना जरूरी है, तो उसे जनता के बीच जाना चाहिए, अपने तर्क रखने चाहिए और समर्थन जुटाना चाहिए। सरकार को भी अपने कामकाज और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब देना चाहिए।

अब इस विवाद को केवल प्रशांत भूषण के बयान या ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह चुनाव आयोग पर भरोसे, मतदाता के अधिकार और विपक्ष की राजनीतिक रणनीति-तीनों की परीक्षा है। एसआईआर और ज्ञानेश कुमार को लेकर चल रहे विवाद के पीछे सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य मौजूद है, यह बात साफ है। लेकिन सत्ता परिवर्तन की इच्छा को अपने आप में गलत ठहराना भी लोकतांत्रिक सोच नहीं होगी। पर सत्ता परिवर्तन तो चुनाव के माध्यम से ही होगा। ये बात विपक्ष को समझनी होगी। लोकतंत्र में सत्ता की लड़ाई आखिरकार जनता की अदालत में ही तय होनी चाहिए।

आरोपों की जांच होनी चाहिए

मतदाता सूची का विवाद अब राजनीतिक सत्ता और सरकार की वैधता पर चल रही बड़ी बहस का हिस्सा बन गया है। चुनाव आयोग के हर फैसले को राजनीतिक साजिश बताना भी उचित नहीं है। किसी निर्णय से असहमति होने पर उसके खिलाफ कानूनी और संवैधानिक रास्ते खुले हैं। आरोपों की जांच होनी चाहिए और जहां गलती साबित हो, वहां सुधार भी होना चाहिए। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का अभियान इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। क्या शिकायतें दस्तावेजों और तथ्यों से साबित होती हैं? क्या संबंधित अधिकारियों ने नियमों का पालन किया? क्या प्रभावित मतदाताओं को न्याय पाने का पर्याप्त अवसर मिला? इन सवालों के जवाब किसी राजनीतिक नारे से नहीं, बल्कि स्वतंत्र जांच और न्यायिक समीक्षा से मिलने चाहिए। गौरतलब है कि 15 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर से जुड़े कुछ फैसलों को चुनौती देने वाली विपक्षी नेताओं की याचिका पर चुनाव आयोग और संबंधित पदाधिकारियों से जवाब मांगा। यह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। अदालत में याचिका स्वीकार किए जाने या नोटिस जारी होने का अर्थ यह नहीं है कि आरोप साबित हो गए हैं।

रणनीति स्पष्ट करने की चुनौती

इससे यह जरूर स्पष्ट होता है कि विवाद के कानूनी पहलुओं की जांच का रास्ता खुला है। विपक्ष के सामने अब अपनी रणनीति स्पष्ट करने की चुनौती है। यदि उसका मुख्य आरोप मतदाता सूची में गड़बड़ियों का है, तो उसे ठोस उदाहरण, दस्तावेज और प्रभावित मतदाताओं के प्रमाण सामने रखने चाहिए। यदि वह सरकार बदलना चाहता है, तो यह उसका राजनीतिक अधिकार है। लेकिन इन दोनों बातों को एक ही मान लेना उचित नहीं होगा। किसी सरकार का विरोध करना और चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी की जांच मांगना अलग-अलग उद्देश्य हो सकते हैं। भाजपा को भी केवल 'सत्ता हथियाने' का आरोप लगाकर मूल सवालों से बचना नहीं चाहिए। यदि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह सही है, तो सरकार और चुनाव आयोग को तथ्यों के आधार पर अपना पक्ष रखना चाहिए। जवाब देने से ही संस्थाओं पर भरोसा मजबूत होगा। इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जनता को केवल राजनीतिक आरोपों के आधार पर अपना फैसला करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप गंभीर है।

लोकतंत्र का मंच या लाइक्स पाने का प्रपंच



प्रदर्शन

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

आज का दौर सोशल मीडिया का है, जहां 'अटेंशन इकॉनमी' यानी आपका ध्यान खींचने की अर्थव्यवस्था का बोलबाला है। इस डिजिटल युग में यह कहावत आम है कि 'जो दिखता है, वही बिकता है'। हाल के दिनों में, एसआईआर यानी स्पेशल इंटेसिव रिवीजन के विरोध की आड़ में देश के विभिन्न हिस्सों में जिस प्रकार के भौंडे, उग्र और सनसनीखेज प्रदर्शन देखने को मिले हैं, उन्होंने चिंतकों, समाजशास्त्रियों और नीति-निर्माताओं को गहरी चिंता में डाल दिया है। जब युवा पीढ़ी अपने किसी असंतोष को व्यक्त करने के लिए शालीन लोकतांत्रिक तरीकों को छोड़कर तमाशेबाजी, उपद्रव और रातों-रात सोशल मीडिया पर 'वायरल' होने की सनक का सहारा लेती है, तो यह न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बल्कि खुद उन युवाओं और देश के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा बन जाता है। आज की युवा पीढ़ी में 'वायरल' होने की भूख है और वह रील्स संस्कृति के मकड़जाल में बुरी तरह उलझती जा रही है। आज के युवा एक ऐसे इंफॉर्मेशन सिस्टम में बड़े हो रहे हैं जहां हर पल खुद को साबित करने और लाइक्स, शेयर्स एवं व्यूज बटोरने का दबाव है। पारंपरिक रूप से विरोध प्रदर्शन वैचारिक स्पष्टता, लंबे संघर्ष, और लोकतांत्रिक बहसों पर आधारित होते थे। इसके विपरीत, आज के भौंडे प्रदर्शनों का मुख्य उद्देश्य वैचारिक विरोध जताना नहीं बल्कि किसी भी तरह कैमरे की नजर में आना और सोशल मीडिया के एल्गोरिदम में ट्रेंड करना होता है। युवा तत्काल संतुष्टि यानी इंस्टेंट ग्रेटिफिकेशन के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। जब प्रदर्शनों में शालीनता के स्थान पर अमर्यादित नारेबाजी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और सोशल मीडिया पर सनसनीखेज रील्स बनाने को प्राथमिकता दी जाती है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि विरोध का वास्तविक मुद्दा पीछे छूट चुका है और व्यक्तिगत ख्याति या अराजकता का आनंद आगे आ गया है। एल्गोरिदम का मनोविज्ञान यह है कि यहां 'सनसनी' और 'उग्रता' ही बिकती है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब (शॉर्ट्स), एक्स (ट्विटर) और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिदम का मुख्य उद्देश्य यूजर को अधिक से अधिक समय तक ऐप पर रोके रखना है ताकि विज्ञापन से राजस्व कमाया जा सके। डेटा विज्ञान यह साबित करता है कि मानव मस्तिष्क तटस्थ या न्यूट्रल कंटेंट की तुलना में अत्यधिक उत्तेजक, क्रोधित करने वाली या सनसनीखेज सामग्री पर तेजी से प्रतिक्रिया देता है। जब कोई युवा किसी सामान्य, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की तस्वीर डालता है तो उसे सीमित 'व्यूज' मिलते हैं। यदि वह कोई उग्र नारेबाजी, पुलिस के साथ तीखी नोकझोंक, या कोई भौंडा स्टंट करता हुआ वीडियो पोस्ट करता है, तो एल्गोरिदम उसे तेजी से 'बूस्ट' कर देता है। रातों-रात मिलने वाले हजारों लाइक्स और कमेंट्स युवा मस्तिष्क में डोपामाइन (खुशी और उत्साह देने वाला हॉर्मोन) का तेज संचार करते हैं, जिसके कारण उसे इस प्रकार की हरकतों को दोहराने यानी 'वायरलिटी' की लत लग जाती है। डिजिटल युग में युवाओं के बीच 'इंस्टेंट फेम' और 'क्लाउट चेसिंग' यानी हर कीमत पर ऑनलाइन चर्चा में बने रहने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। आधुनिक जीवनशैली में कई युवा खुद को उपेक्षित या गुमनाम महसूस करते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया उन्हें एक ऐसा मंच देता है जहां वे खुद को 'हीरो' या किसी बड़े आंदोलन का नायक साबित कर सकते हैं। युवा भूल जाते हैं कि वे जिस मुद्दे के लिए सड़क पर उतरे हैं, उसकी गंभीरता क्या है; उनका पूरा ध्यान इस बात पर होता है कि उनका कैमरा किस एंगल से सबसे नाटकीय दिख रहा है। वहीं सोशल मीडिया के एल्गोरिदम उपयोगकर्ताओं को ऐसी सामग्री से लगातार घेरते रहते हैं जो उनकी पहले से बनी सोच या गुस्से को सही ठहराती है। जब एक युवा लगातार अपनी फीड में उग्र और भड़काऊ वीडियो देखता है तो उसका मस्तिष्क यह मानने लगता है कि चरम कदम उठाना ही एकमात्र और सही रास्ता है। भारत का संविधान अपने नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का मौलिक अधिकार देता है। परंतु जब इस अधिकार का दुरुपयोग कर इसे उपद्रव और तमाशे में बदला जाता है तो इसके दूरगामी परिणाम होते हैं। लोकतंत्र में असहमति का स्वागत है परंतु असहमति जब अनुशासनहीनता और अराजकता का रूप ले ले तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं बल्कि सामाजिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार बन जाती है। उग्र प्रदर्शनों में युवा अकसर व्यक्तिगत विवेक खो बैठते हैं और भीड़ का हिस्सा बनकर ऐसा कुछ कर बैठते हैं जो वे सामान्य स्थिति में कभी नहीं करते। यह प्रवृत्ति समाज में कानून के शासन को कमजोर करती है। आज की युवा पीढ़ी में 'शॉर्टकट' की मानसिकता घर कर गई है। विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने वाले युवा अकसर इस बात से अनजान होते हैं कि वे अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। इस बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे केवल युवा अकेले जिम्मेदार नहीं है बल्कि समकालीन समाज और मीडिया का परिवेश भी समान रूप से उत्तरदायी है। कई बार मीडिया उपद्रवी तत्वों को जरूरत से ज्यादा सनसनीखेज कवरेज देते हैं। दूसरी ओर परिवारों और शिक्षण संस्थानों में वैचारिक परिपक्वता, सहनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाद में कमी आई है। युवाओं को यह सिखाने की आवश्यकता है कि ऊर्जा का सकारात्मक दोहन किस प्रकार किया जाए।

आज की युवा पीढ़ी में 'वायरल' होने की भूख है और वह रील्स संस्कृति के मकड़जाल में बुरी तरह उलझती जा रही है। आज के युवा एक ऐसे इंफॉर्मेशन सिस्टम में बड़े हो रहे हैं जहां हर पल खुद को साबित करने और लाइक्स, शेयर्स एवं व्यूज बटोरने का दबाव है।

अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आएं



एसआईआर विवाद

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

एसआईआर विवाद हाल के दिनों में भारतीय राजनीतिक, सामाजिक और कानूनी विमर्श का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण तथा संवेदनशील विषय बनकर उभरा है। किसी भी जीवंत और परिपक्व लोकतंत्र में सरकार की नीतियों से असंतोष जताना, सवाल उठाना, शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराना और अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करना नागरिकों का एक मौलिक और संवैधानिक अधिकार है।

जब कोई आंदोलन किसी व्यापक और जटिल विवाद का रूप ले लेता है, तो उस आंदोलन के पीछे के उद्देश्यों, उसमें शामिल घटकों और उस पर शासन व न्यायप्रणाली की प्रतिक्रियाओं का निष्पक्ष, सूक्ष्म और गंभीर विश्लेषण करना अनिवार्य हो जाता है। हालिया प्रदर्शनों के संदर्भ में लगातार इस तरह के आरोप लग रहे हैं कि सत्ताधारी दल या कुछ खास स्वार्थी समूहों से जुड़े लोग जानबूझकर इन प्रदर्शनों में घुसपैठ करते हैं। वहीं दूसरी ओर, कुछ प्रदर्शनकारी या आंदोलन के आयोजक एक विशेष प्रकार की रणनीति या टूलकिट तैयार करते हैं। इसके तहत समर्थकों को खास तरह की वेशभूषा या धार्मिक व सांस्कृतिक प्रतीकों जैसे लाल गमछा पहनना, सिर पर टीका लगाना या विशेष वस्त्र धारण करने का प्रयोग करके प्रदर्शन में शामिल होने का निर्देश दिया जाता है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य यह बताया जाता है कि यदि कोई अप्रिय घटना घटे या पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाए, तो इन प्रतीकों के आधार पर सहानुभूति बटोरी जा सके। लेकिन इन तमाम राजनीतिक दावों, रणनीतियों और आरोपों से परे इस बुनियादी पहलू पर ध्यान देना बेहद ज़रूरी है कि विरोध प्रदर्शनों में आने वाले लोग शायद स्वतः स्फूर्त तरीके से सड़कों पर उतर रहे हों। हमारे देश का एक बड़ा वर्ग ऐसा हो सकता है जो किसी राजनीतिक दल के बहकावे, उकसावे या टूलकिट का हिस्सा बने बिना, केवल अपने नागरिक कर्तव्यों और लोकतांत्रिक निष्ठा के कारण बाहर आ रहा हो। जब आम नागरिकों को यह आभास होता है कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही है, उनकी चिंताओं की उपेक्षा की जा रही है या देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों के साथ कोई समझौता किया जा रहा है, तो वे स्वतः ही एकजुट होकर अपनी आवाज़ उठाने लगते हैं। यह स्वतःस्फूर्त भागीदारी नागरिकों की राजनीतिक जागरूकता और लोकतंत्र में उनके गहरे विश्वास का प्रमाण है। इसलिए, प्रदर्शनकारियों के हर समूह को किसी न किसी राजनीतिक दल का मोहरा मान लेना या उनकी निष्ठा पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद, आंदोलन चाहे कितना भी बड़ा या स्वतःस्फूर्त क्यों न हो, एक बात हमेशा सर्वोपरि रहनी चाहिए कि जो कुछ भी हो रहा है, वह पूरी तरह से कानून-सम्मत और संविधान के दायरे में ही होना चाहिए। कई बार देखा गया है कि जनता के वास्तविक आक्रोश और असंतोष का इस्तेमाल कुछ महत्वाकांक्षी लोग अपने निजी फायदे के लिए करते हैं। यदि कोई आंदोलन किसी संकीर्ण स्वार्थ के तहत संचालित हो रहा है, तो वह अंततः समाज में विभाजन और अस्थिरता ही पैदा करता है। वर्तमान डिजिटल और सोशल मीडिया के दौर में किसी भी आंदोलन के दौरान उग्रता या हिंसा के छोटे-छोटे वीडियो क्लिप्स तेजी से वायरल हो जाते हैं। इन वीडियो के आधार पर अक्सर तुरंत यह धारणा बना ली जाती है कि पूरा का पूरा आंदोलन ही हिंसक और उग्र है। परंतु हमारी न्याय प्रणाली और विधि व्यवस्था इस बात पर विशेष जोर देती है कि जब तक ठोस और प्रामाणिक साक्ष्य न मिल जाएं, तब तक केवल सोशल मीडिया पर तैर रहे किसी वीडियो या अधूरी क्लिप को अंतिम सत्य मानकर किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। इसके साथ ही, लोकतंत्र में यदि किसी मुद्दे, नीति या कानून के विरोध में लोग सड़कों पर आएंगे, तो उस नीति या कानून के समर्थन में भी कुछ लोग जरूर खड़े होंगे। लोकतंत्र विचारों की विविधता का नाम है, जहां समर्थन और विरोध दोनों के लिए समान स्थान होता है। लेकिन विरोध या समर्थन का अधिकार किसी को भी हिंसा करने या कानून हाथ में लेने की छूट नहीं देता। सरकार, प्रशासन और आंदोलनकारियों सभी पक्षों को अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आना चाहिए, ताकि देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक ताना-बाना अक्षुण्ण बना रहे।



प्रदर्शनकारियों के हर समूह को किसी न किसी राजनीतिक दल का मोहरा मान लेना या उनकी निष्ठा पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद, एक बात हमेशा सर्वोपरि रहनी चाहिए कि जो कुछ भी हो रहा है, वह पूरी तरह से कानून-सम्मत और संविधान के दायरे में ही होना चाहिए।

पत्रकारिता की प्रतिष्ठा पर गहराता संकट



चौथा स्तंभ

चरण जीत

स्वतंत्र स्तंभकार

किसी भी देश के लोकतंत्र की मजबूती के लिए मुख्यतः चार स्तम्भों की चर्चा की जाती है। लोकतंत्र के चार स्तम्भों के रूप में प्रायः विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया का उल्लेख किया जाता है। वैसे तो सभी स्तम्भ महत्पूर्ण हैं, लेकिन मीडिया को इसलिए सबसे मत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि प्रेस की स्वतंत्रता के अभाव में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सत्ता के अनुचित दबाव का खतरा बढ़ जाता है। जिस देश का मीडिया स्वतंत्र नहीं होता, वहां सरकारें अपनी मनमानी करती हैं। इसी बिंदु पर एक दूसरा प्रश्न उठता है। क्या मीडिया की स्वतंत्रता के साथ कुछ क़ानूनी और नैतिक जिम्मेदारियां भी नहीं जुड़ी होनी चाहिए? यदि पत्रकारिता के नाम पर कुछ लोग पेशेवर मर्यादाओं का उल्लंघन करने लगें तो पुरे मीडिया संस्थान और पत्रकारिता के पेशे की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगते हैं।

हाल के दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में, खासकर दिल्ली के जंतर मंतर पर होने वाले आन्दोलनों से कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिनमें पत्रकारिता का दावा करने वाले लोगों का व्यवहार सवालों के घेरे में है। जुलाई में होने वाले नीट आंदोलन से लेकर एसआईआर विवाद में कुछ ऐसे लोग सामने आए हैं, जो स्वयं को पत्रकार बताते हैं लेकिन वो पत्रकारों की अपेक्षा किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं जैसे अधिक प्रतीत होते हैं। हाथ में मोबाइल और कॉलर पर एक माइक लगा कर घूमते युवक-युवतियां जिस तरह से प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के सामने अकड़कर खड़े होते हैं, वह व्यवहार कई बार विवाद का कारण बनता है। अनावश्यक और असंगत प्रश्न करते हैं। जवाब न मिलने या फटकार दिए जाने पर स्वयं को पीड़ित बताने लगते हैं। ऐसी घटनाओं से पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं और पूरे समुदाय की छवि धूमिल होती है। डिजिटल क्रांति के इस दौर में आम नागरिकों तक पहुंचने वाले संचार माध्यम अनियंत्रित हो जाएं, सही और सटीक तथ्य पहुंचाने की बजाय भ्रामक सूचनाएं फैलाने लगें तो लोकतांत्रिक व्यवस्था और मीडिया की जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठेंगे। क्योंकि अधूरी या भ्रामक जानकारी समाज तनाव, भ्रम और टकराव पैदा कर सकती है। नागरिक पत्रकारिता की अवधारणा इस विचार के साथ विकसित हुई कि देश के दूर-दराज इलाकों में मौजूद समस्याएं सरकार और प्रशासन तक पहुंच सकें। जिन स्थानों पर मुख्यधारा के पत्रकार नहीं पहुंच पाते, वहां की ज़मीनी सच्चाई भी देश के सामने आनी चाहिए। लेकिन पत्रकारिता के इस पेशे की अपनी मर्यादाएं, नैतिक मानक, और जिम्मेदारियां भी हैं। इसीलिए एक पत्रकार के लिए औपचारिक प्रशिक्षण, सम्पादकीय निगरानी तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके विपरीत आज डिजिटल माध्यमों के कारण कोई भी व्यक्ति फ़ोन और माइक की मदद से समाचार संबंधी सामग्री तैयार कर सकता है। अधिक से अधिक व्यूज़ पाने की कोशिश में इनमें से कुछ लोग न केबल अनावश्यक विवाद खड़ा करते हैं, बल्कि एक सनसनीखेज थंबनेल के साथ वीडियो अपलोड करते हैं। हाथ में मोबाइल और माइक पकड़े हुए कोई व्यक्ति वास्तव में पेशेवर पत्रकार है या किसी जिम्मेदार मीडिया संस्थान का प्रतिनिधि है या स्वतंत्र कॉन्टेंट क्रिएटर है, यह स्पष्ट होना चाहिए। उसकी भूमिका और संबद्धता के बारे में पारदर्शिता होनी चाहिए। एसआईआर विवाद के बाद समूचे मीडिया जगत के सामने यह चुनौती है कि पत्रकारिता की शाख कैसे बचाई जाए? अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। स्वयं ही आत्म-नियमन और आत्म-सुधार की पहल करनी होगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के लागू नियमों और सम्बन्धित आचार संहिताओं का पालन सुनिश्चित करते हुए या स्पष्ट होना चाहिए कि व्यक्ति किसी मीडिया संस्थान से जुड़ा है या स्वतंत्र रूप से सामग्री तैयार करता है। अन्यथा निश्चित मर्यादाओं के अभाव में यह अनुमान लगाना कठिन होगा कि अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना सूचना प्रसार से कब गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए आत्म-सुधार और जवाबदेही की प्रक्रिया निरंतर चलती रहनी चाहिए।



एसआईआर विवाद के बाद समूचे मीडिया जगत के सामने यह चुनौती है कि पत्रकारिता की शाख कैसे बचाई जाए? अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। स्वयं ही आत्म-नियमन और आत्म-सुधार की पहल करनी होगी।

या देवी सर्वभूतेषु बुद्धि-रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥



नवीन दुर्गा उत्सव समिति
बाजपेई हॉस्पिटल राइट टाउन



मां वैष्णवी दुर्गा उत्सव समिति
पुराना कंचनपुर



श्री शिव शक्ति दुर्गा उत्सव समिति
पुराना कंचनपुर



युवा एकता शक्ति संगठन
आधारताल



मंदिर बाली मां परिवार
उपरैनगंज दीक्षितपुरा



एमजी एस आई जी आर डी दुर्गा
उत्सव समिति, अधारताल



संस्कारधानी की महारानी
नौदरा ब्रिज



गढ़ा पुरवा



पंडा की मढ़िया



गंगानगर



आर जे दुर्गोत्सव समिति छोटी बजरिया गढ़ा



श्री महाकाली समिति बधाईया मोहल्ला गोहलपुर



161 वां वर्ष दुर्गा उत्सव समिति सुनरहाई



नवनीत दुर्गोत्सव समिति नन्हू सिंह का अखाड़ा बधैया मोहल्ला में पर्यावरण थीम पर विराजी मां जगत जननी

नगर निगम दुर्गा उत्सव समिति के आयोजन में शामिल हुए निगमायुक्त, जीरो वेस्ट पद्धति से आयोजित विशाल भंडारा



जबलपुर। नगर निगम दुर्गा उत्सव समिति द्वारा आयोजित भव्य दुर्गा उत्सव, महाआरती और विशाल भंडारे का कार्यक्रम श्रद्धा, उल्लास और अनूठे पर्यावरणीय संदेश के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर निगमायुक्त श्री राम प्रकाश अहिरवार विशेष रूप से शामिल हुए और माता रानी के दरबार में माथा टेककर नगरवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। जीरो वेस्ट पद्धति बना आकर्षण का केंद्रइस वर्ष के आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि समिति द्वारा आयोजित विशाल भंडारे को पूरी तरह से 'जीरो वेस्ट' पद्धति पर आधारित रखा गया। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह एक अत्यंत सराहनीय कदम रहा, जिसमें सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचते हुए पूरी स्वच्छता और अनुशासन के साथ श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया।श्रद्धालुओं को अपने हाथों से प्रसाद वितरणनिगमायुक्त श्री राम प्रकाश अहिरवार ने स्वयं भंडारे में पहुंचकर कतारबद्ध बैठे श्रद्धालुओं को आत्मीयता के साथ प्रसाद वितरित किया। उनके इस सरल और सहज स्वभाव ने उपस्थित आमजनों और निगम कर्मियों का दिल जीत लिया। इस दौरान पूरा पंडाल माता के जयकारों और उत्सव के उल्लास से गूंज उठा।नगर निगम टीम की सक्रिय सहभागिताइस सफल एवं अनुकरणीय आयोजन में निगमायुक्त के साथ नगर निगम के तमाम वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर उत्सव को न केवल सफल बनाया, बल्कि स्वच्छता और सामूहिक सहभागिता का एक बेहतरीन उदाहरण भी पेश किया।

सिक्ख समाज ने की महाआरती



जबलपुर। सिक्ख समाज एवं भगत सिंह युवा विचार मंच के तत्वाधान में बड़ी खेरमाई मंदिर भानतलैया में माता के चरणों में महाआरती कर प्रदेश एवं देश की उज्जवल भविष्य की कामना के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित कर माता के चरणों में प्रसाद चढ़ाए गए। भगत सिंह युवा विचार मंच के सचिव डिम्पी बिन्द्रा ने बताया कि इस महा आरती के कार्यक्रम में तजिन्दर सिंह टीटू, काके आनंद, मनोज दुबे, अनील पॉल, रविन्दर सिंह चाना, अजीत सिंह हरयाल, प्रिंन्स सलूजा, रतन पाजी, सतनाम सिंह, मन्टू बिन्द्रा, शंटी, छोटू गाँधी, निक्कू पाजी, रमनदीप सिंह हरयाल, सुदीप राजपूत, राजेश कश्यप शामिल होकर महा आरती की।

बड़ी खेरमाई महाआरती का निकला चल समारोह



जबलपुर। माँ बड़ी खेरमाई माता की महाआरती का चल समारोह दुर्गा चौक से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से भ्रमण पशचात वापस बड़ी खेरमाई में संपन्न हुआ। चल सामारोह का नेतृत्व मीना मिश्रा, श्रुति रानी मिश्रा, सीमा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर अखिल पटारिया, राजू सेप्र, मुन्ना गाड़ी, धर्मेंद्र पटारिया, मुन्नू पंडा, राजा घनघोरिया, गुड्डा टमाटर मनोज पटारिया, हेमराज माहर, ईशान भोजक, गौरव नरवरिया, सिद्धार्थ पटारिया, रितिक रजक, राजवीर नरवरिया सिद्धार्थ सोनकर, आदर्श सोनकर आदि ने माँ के जयकारों के उद्घोष के साथ गर्मजोशी से चल सामारोह का स्वागत किया ।



दिल्ली की तंग गलियों में सुलझाएंगे जुर्म की गुत्थी

मुंबई। अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी जल्द ही निर्देशक ईशान शर्मा की पहली फिल्म 'कबूतर' में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। इसका निर्माण निखिल चौधरी कर रहे हैं, जिसमें फ्रांस और नॉर्वे के निर्माता भी शामिल हैं। दिल्ली की पृष्ठभूमि पर आधारित इस क्राइम-ड्रामा फिल्म की शूटिंग साल 2027 की शुरुआत में दिल्ली में शुरू होगी, जहां नवाजुद्दीन एक अनोखे गली-मोहल्ले के अनोखे जासूस के रूप में जुर्म की गुत्थी सुलझाएंगे। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, पुरानी दिल्ली की जर्जर इमारतों के बीच रची गई 'कबूतर' की कहानी महबूब नाम के एक गली-मोहल्ले के जासूस महबूब के इर्द-गिर्द घूमती है।

लाइफ Style

यामी

नई नवेली ने जीता दिल या किया निराश?

अभिनेत्री यामी गौतम की नई फिल्म 'नई नवेली' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और इसके साथ ही फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने वाले दर्शकों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

एक्स पर कोई फिल्म की कहानी और यामी के अभिनय को परखता नजर आ रहा है तो कोई इसके स्क्रीनप्ले और निर्देशन पर बात कर रहा है। कुल मिलाकर 'नई नवेली' को लेकर सोशल मीडिया पर दर्शकों के बीच चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। 'नई नवेली' को एक यूजर ने 2.5 स्टार देते हुए लिखा कि यामी और आदिनाथ कोठारे की एक्टिंग तो अच्छी है, लेकिन हॉरर, कॉमेडी और धार्मिक बैकड्रॉप का मेल फिल्म को कमजोर बना देता है। एक अन्य यूजर ने इसे 1.5 स्टार देकर लिखा कि लोककथा और ड्रामा का यह कांसेप्ट दर्शकों को डराने और हंसाने में नाकाम साबित होता है। कुछ ने कहा कि 'नई नवेली' की कहानी बड़े पर्दे पर दर्शकों को बांधने में नाकाम साबित होती है। दर्शकों के मुताबिक, यामी की बेहतरीन स्क्रीन प्रेजेंस एक कमजोर और बेजान कहानी की भेंट चढ़ गई। कॉमेडी कुछ हिस्सों में तो हंसाती है, लेकिन हॉरर सीन खास असर नहीं छोड़ पाते। बैकग्राउंड म्यूजिक अच्छा होने के बावजूद ढीले स्क्रीनप्ले और कमजोर निर्देशन के कारण ये एक औसत से नीचे की फिल्म बनकर रह जाती है। फैंटेसी और पारिवारिक ड्रामा के होते हुए भी बड़े सीन बेअसर साबित होते हैं, जिससे फिल्म दर्शकों का मनोरंजन करने में नाकाम रहती है।



हॉलीवुड मसाला



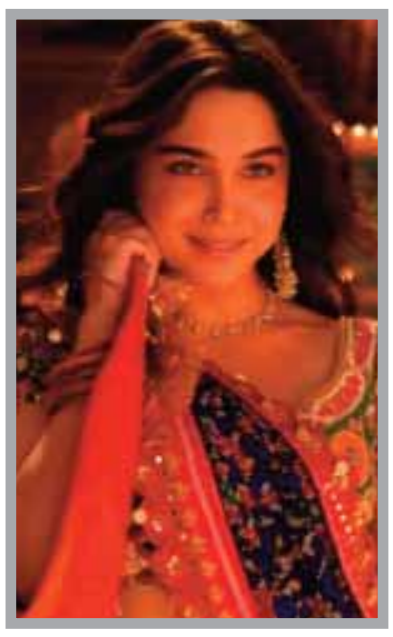
हॉलीवुड में अच्छी फिल्में नहीं बनती

लॉस एंजिल्स। फेमस एक्टर जैकी चैन ने हाल ही में हॉलीवुड को लेकर एक खुलासा किया है। उनका मानना है कि अब हॉलीवुड में क्वालिटी फिल्में नहीं बनती हैं। अब बड़े प्रोडक्शन हाउस भी बिजनेस पर ही फोकस करते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो हॉलीवुड छोड़ने वाले थे। इसकी वजह का भी खुलासा किया है। जैकी चैन लीजेंडरी एक्शन स्टार ही नहीं, उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में लंबा वक्त बिताया है। हर फिल्म इंडस्ट्री से वाकिफ होने का तजुर्बा रखते हैं। उनके मार्शल आर्ट्स और कॉमेडी की दुनिया अभी भी मुरीद है।



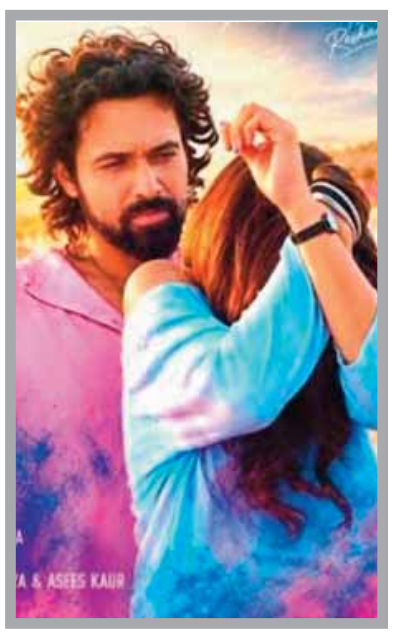
कोरियाई ड्रामा 'रिप्लाई 1988' का बनेगा रीमेक

लॉस एंजिल्स। 'लापता लेडीज' और 'धोबी घाट' जैसी फिल्में बना चुकीं किरण राव लगता अगली परियोजना की तैयारी में हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिण कोरियाई ड्रामा 'रिप्लाई 1988' को रीमेक के जरिए भारतीय दर्शकों तक पहुंचाना चाहती हैं। 2015 में रिलीज इस ड्रामा-सीरीज को आईएमडी पर 9 की रेटिंग से नवाजा गया है। इसकी कहानी युवा दोस्तों के बड़े होने की चुनौतियों पर आधारित है। किरण ने सीरीज की कहानी और पड़ोस में रहने वाले परिवारों के चित्रण की तारीफ भी की। 'द पॉपकॉर्न आवर' कार्यक्रम के दौरान, किरण ने 'रिप्लाई 1988' का भारतीय रीमेक बनाने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, "सर्वश्रेष्ठ के-ड्रामा 'रिप्लाई 1988' नामक शो है। यह एक शानदार शो है। इसकी कहानी असल में 1988 में घटित होती है।



गाने में हर स्टेप का सिखाया मतलब...

मुंबई। शरवरी निर्देशक सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के गाने 'झुमका पटोला' में कुछ नया करने जा रही हैं। उन्होंने बताया कि सूरज बड़जात्या के साथ काम करके उन्हें समझ आया कि डांस सिर्फ अच्छा दिखने के लिए नहीं होता, बल्कि इससे कहानी भी कही जा सकती है। बड़जात्या ने उन्हें सिखाया कि डांस के हर मूव और चेहरे के हाव-भाव का खास मतलब होता है। इससे उनकी परफॉर्मेंस में भी पहले से ज्यादा निखार आया है। बड़जात्या की खासियत है कि वो डांस के जरिए भी कहानी को खूबसूरती से पेश करते हैं। शरवरी के मुताबिक, उनके साथ काम करके वह डांस से एक अलग ही स्तर पर जुड़ पाईं और समझा कि डांस सिर्फ अच्छे मूव्स दिखाने के लिए नहीं, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाने का भी जरिया है।



'गनमास्टर जी9' का गाना हुआ जारी

मुंबई। इमरान हाशमी और जेनेलिया डिसूजा की आगामी फिल्म 'गनमास्टर जी9' से नया गाना रिलीज हुआ है। कुछ दिन पहले निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना 'अफसाना बनाया आपने' रिलीज किया था, जिसे लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल हुई। अब हिमेश रेशमिया के संगीत में पिरोया गया नया गाना 'दो दिन की जिंदगी' यूट्यूब पर जारी हो गया है, जो फिल्म में इमरान और जेनेलिया के किरदारों पर फिल्मांकित है। बता दें, आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित 'गनमास्टर G9' एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। हिमेश रेशमिया मेलोडीज द्वारा निर्मित 'दो दिन की जिंदगी' गाने को विशाल मिश्रा और श्रेया घोषल ने अपनी आवाज दी है। इसके लिए बोल जुनैद वसी ने लिखे हैं, जबकि संगीत हिमेश का है। वीडियो में इमरान और जेनेलिया के किरदारों को खूबसूरती से पेश किया गया है।

टीवी मसाला



'कौन बनेगा करोड़पति' की हॉट सीट पर दिखेंगे रणबीर कपूर-साई पल्लवी

मुंबई। रणबीर कपूर और साई पल्लवी की फिल्म 'रामायण' 5 नवंबर, 2026 को दुनिया भर में रिलीज होने वाली है। इस दौरान फिल्म की टीम जोरों-शोरों से प्रचार में लगी हुई है। अब रणबीर और साई 'रामायण' के प्रचार के लिए अमिताभ बच्चन द्वारा होस्ट किए जाने वाले लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 18 में नजर आएंगे।

फिल्म के बारे में होगी खास बातचीत : जानकारी के मुताबिक, शो के दौरान दोनों कलाकार अपनी फिल्म के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कर सकते हैं और अपने अनुभव साझा कर सकते हैं। ये आने वाला एपिसोड काफी दिलचस्प हो सकता है, क्योंकि इसके दौरान रणबीर और अमिताभ एक बार फिर साथ नजर आएंगे। ये दोनों कलाकार 2022 में अयान मुखर्जी की फिल्म 'ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन-शिवा' में एक साथ दिखाई दिए थे, जिसमें रणबीर ने 'शिवा' और अमिताभ ने 'गुरु' का किरदार निभाया था।

मल्टी-स्टारर फिल्म है 'रामायण': नितेश तिवारी के निर्देशन में बनने वाली 'रामायण' में रणबीर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं और साई माता सीता के किरदार में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म दुनियाभर में रिलीज की जाएगी और इसे 40 से अधिक भाषाओं में डब किया गया है। इसे 2 पार्ट में बनाया गया है, जिसका दूसरा पार्ट 2027 में दिवाली के समय रिलीज किया जाएगा। इसमें यश रावण के रूप में दिखाई देंगे और कई अन्य जाने-माने सितारे भी नजर आएंगे।

'कॉफी विद करण 9' में सलमान ने सुनाया डरावना किस्सा- देखा नहीं, सिर्फ महसूस किया

मुंबई। करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' का 9वां सीजन जियोहॉटस्टार पर आ गया है। 14 अक्टूबर को शो के पहले एपिसोड का प्रीमियर किया गया, जिसमें सलमान खान और करिश्मा कपूर शामिल हुए। बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपने घर को लेकर एक डरावने अनुभव का किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि गैलेक्सी अपार्टमेंट्स फ्लैट में उनका कमरा भूतिया था। सलमान ने यह भी बताया कि उन्हें अपने कमरे में किसी की मौजूदगी का एहसास होता था। शो के दौरान, करण ने याद किया कि सलमान का गैलेक्सी अपार्टमेंट्स में घर कितना छोटा था। घर का जिक्र आते ही सलमान ने कहा, आपको पता है, उस कमरे में मैं कभी अकेला नहीं रहा। मैं वहां किसी के साथ रहा था, जिसे मैंने कभी देखा ही नहीं, सिर्फ सुना है, सिर्फ महसूस किया है पीछे। हर बार जब मैं बाहर आता, तो बत्तियां अपने आप जलती-बुझती थीं। अलमारियां अपने आप खुलती थीं।



अभिजीत सावंत बोले- गाने के 50 रुपए मिलते थे, संघर्ष के दिनों को किया याद

मुंबई। 'मोहब्बतें लुटाऊंगा' और 'मर जावा मिट जावा' जैसे मशहूर गानों को अपनी आवाज देने वाले अभिजीत सावंत लाखों दिलों पर राज करते हैं। 'इंडियन आइडल' शो का पहला सीजन जीतने के बाद वह एक बार फिर 'इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न' में अपने सुरों का जादू बिखेरने वाले हैं। इस बीच अभिजीत ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया और बताया कि वह कैसे छोटे-छोटे पंडालों में 50 रुपये के बदले गाना गाया करते थे।

कभी-कभी 100 रुपए मिलते थे

अभिजीत ने कहा, जब मुझे छोटे-छोटे स्टेज पर गाने का मौका मिलता था, वह दिन मेरे जीवन का सबसे खुशी का दिन हो जाता है। मुझे आज भी याद है कि मैं छोटे-छोटे कार्यक्रमों और पंडालों में गाया करता था। कभी-कभी मुझे 100 रुपये मिल जाते थे तो कभी कोई खुशी-खुशी मेरी जेब में 50 रुपये डाल देता था और कहता था था कि लो बेटा, आज कुछ खा लेना।



हमने भगवान को नहीं देखा लेकिन दर्शकों को देखा है

अभिजीत ने कहा, जीवन में उतार-चढ़ाव आते हैं। कई दिन ऐसे भी रहे, जो बहुत अच्छे नहीं थे। जब भी मैं किसी मुश्किल दौर से गुजरता हूं या मेरा दिन खराब जाता है तो मैं उन लोगों के बारे में सोचता हूं, जिन्होंने उस समय मुझे प्यार दिया और ये कहकर उम्मीद जगाई कि मैं अच्छा कर सकता हूं। अभिजीत ने दर्शकों को अपनी ताकत बताया और उनकी तुलना भगवान से की, जो उन्हें काम करने की प्रेरणा देते हैं।

रोशन संग जमेगी सिमर की जोड़ी

फिल्म 'बातों ही बातों में' से मचाएंगी धमाल

मुंबई। बीएलएम पिक्चर्स ने अपनी नई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'बातों ही बातों में' की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस फिल्म में रोशन मैथ्यू और अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया की नई जोड़ी पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएगी। धीरज बोस के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म की शूटिंग इसी साल नवंबर से शुरू होगी। ये कहानी रिश्तों में बातचीत, जुड़ाव और आने वाले अनपेक्षित मोड़ों के इर्द-गिर्द घूमती है।





सिमर ने इस फिल्म से रखा था बॉलीवुड में कदम : सिमर भाटिया ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत श्रीराम राघवन की फिल्म 'इक्कीस' से की थी, जिसमें उन्होंने अगस्त्य नंदा के साथ काम किया और अपनी बेहतरीन एक्टिंग से लोगों का ध्यान खींचा। अब वो फिल्म 'बातों ही बातों में' में नजर आएंगी, वहीं, रोशन मैथ्यू साउथ और बॉलीवुड के एक माने हुए अभिनेता हैं। वो आलिया भट्ट की 'डार्लिंग्स', 'कपूर एंड सन्स' और 'उलझ' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों के बीच खास पहचान बना चुके हैं।

विवेक ओबेरॉय को मिली थीं अंडरवर्ल्ड से धमकियां, सालों बाद खोले राज..

मुंबई। अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बॉलीवुड में मौजूद ताकतवर लॉबी को लेकर खुलकर बात की है। इस दौरान उन्होंने अपनी जिंदगी के उस मुश्किल दौर को याद किया, जब उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। विवेक ने बताया कि उस समय हालात इतने बिगड़ गए थे कि उन्हें अंडरवर्ल्ड से भी धमकियां मिलने लगी थीं और इस वजह से लोगों ने उनसे बात करनी बंद कर दी थी।

क्या है पूरा मामला?

बता दें कि साल 2003 में सलमान खान के साथ हुए बहुचर्चित विवाद और प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद विवेक को बॉलीवुड की कई ताकतवर हस्तियों के साथ तनावपूर्ण हालात का सामना करना पड़ा था। इस वजह से उन्हें अंडरवर्ल्ड से धमकियां मिलने लगी थीं।

विवेक को किया गया बहुत परेशान

विवक ने कहा, मुझे जो गलत लगा, उसके खिलाफ आवाज उठाई और इसके बाद मुझे बहुत परेशान किया जाने लगा। यह मेरे जीवन का बहुत मुश्किल दौर था, क्योंकि सफल फिल्में देने और पुरस्कार जीतने के बावजूद एक ताकतवर लॉबी ने सब कुछ अपने कब्जे में ले लिया। ऐसा होता था कि जिन फिल्मों को मैंने साइन किया था, वहां से लोग पीछे हटने लगे और कहने लगे, सॉरी यार, अब हम तुम्हारे साथ काम नहीं कर सकते।



विवेक के साथ काम किया तो खत्म कर देंगे

विवेक ने बताया कि शुरुआत में कुछ लोग नैतिकता के आधार पर उनके साथ खड़े रहे। हालांकि, कुछ हफ्तों बाद ही वे डर के मारे पीछे हट गए। विवेक ने कहा, लोगों को अंडरवर्ल्ड से फोन आने लगे थे। उन्हें धमकी दी जाती थी कि अगर विवेक के साथ काम किया तो उनका काम तमाम कर दिया जाएगा। इस वजह से वे अपने और अपने परिवार की सुरक्षा की खातिर मेरा साथ छोड़कर दूर चले गए।

'राइज एंड फॉल' में पवन सिंह की वापसी से पलटेगा पूरा खेल

बीच में छोड़ा था पहला सीजन

मुंबई। भोजपुरी अभिनेता और नेता पवन सिंह रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' के दूसरे सीजन में वापसी कर सकते हैं। उन्होंने पहले सीजन में हिस्सा लिया था, लेकिन निजी कारणों से बीच में ही शो छोड़ दिया था। अब दूसरे सीजन में उनकी वापसी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। हालांकि, अभी तक उनकी वापसी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।



तेज प्रताप की विदाई, अब पवन की वापसी के चर्चे

'राइज एंड फॉल' के दूसरे सीजन में अब तक कई बदलाव देखने को मिले हैं। कानूनी दिक्कतों के चलते तेज प्रताप यादव को शो छोड़ना पड़ा, जबकि कायरा अनु और राज ग्रोवर बाहर हो चुके हैं। हाल ही में निहारिका तिवारी ने चैलेंज में स्वरा भास्कर को हराकर पहली महिला अल्टीमेट रूलर बनने का खिताब जीता। वीरेंद्र सहवाग के होस्ट किए जा रहे इस शो को अमेजन एमएक्स प्लेयर पर देखा जा सकता है। अब पवन सिंह की वापसी की खबरों ने दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा दी है।

खबर संक्षेप

एम्पीयर ने खोला नया एक्सपीरियंस सेंटर

भोपाल। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता एम्पीयर ने सीहोर के नए बस स्टैंड पर उपाध्याय ऑटोमोबाइल्स नाम से नया एक्सपीरियंस सेंटर शुरू किया है। यहां ग्राहकों को इलेक्ट्रिक स्कूटर की बिक्री और सर्विस सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। सेंटर पर एम्पीयर नेक्सस ईएक्स+, मैग्नस जीमैक्स, मैग्नस नियो और रेओ वीवाईबी सहित कंपनी के विभिन्न मॉडल उपलब्ध होंगे। कंपनी के अनुसार, चुनिंदा मॉडलों में इंटेलिपैक तकनीक के साथ 30 से अधिक स्मार्ट फीचर्स

फास्ट्रैक का नया पोलर एडिशन पेश

मुंबई। फास्ट्रैक ने नए ओशनिक्स पोलर एडिशन के जरिए युवाओं की विविध रुचियों और व्यक्तित्व को एक काल्पनिक जमी हुई दुनिया के रूप में पेश किया है। ब्रांड के 'नेवर सेम, नेवर सेन' अभियान के तहत 'फ्रीज आउट' कॉन्सेप्ट तैयार किया गया है, जिसमें बर्फीले महासागरों, बदलती बर्फ की आकृतियों और ध्रुवीय क्षितिजों के माध्यम से युवाओं के जुनून को दर्शाया गया है। अभियान जेनरेशन जेड की संगीत, फैशन, गेमिंग, फैनडम और संस्कृति जैसी रुचियों को उनकी पहचान का हिस्सा बताता है।

कॉर्पोरेट गिफ्टिंग डील्स पर 75 फीसदी तक छूट

बेंगलुरु। त्योहारी सीजन के लिए कॉर्पोरेट गिफ्टिंग डील्स पेश की हैं। अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल के दौरान कारोबारियों को 10,000 से अधिक गिफ्टिंग विकल्पों पर 75 फीसदी तक छूट और योग्य थोक खरीद पर 14 फीसदी तक अतिरिक्त डिस्काउंट मिल रहा है। चुनिंदा श्रेणियों में 9,999 रुपए तक का अतिरिक्त कैशबैक भी उपलब्ध है। इन ऑफर्स में गिफ्ट हैंपर, हेडफोन, स्मार्टवॉच, बैग, इलेक्ट्रॉनिक्स, किचन अप्लायंसेज और ऑफिस संबंधी उत्पाद शामिल हैं।

जीई एयरोस्पेस भारत में खर्च दोगुना करेगा

नई दिल्ली। जीई एयरोस्पेस ने भारत में अपने घरेलू सप्लायर्स पर खर्च 2025 के मुकाबले 2030 तक लगभग दोगुना करने की घोषणा की है। कंपनी ने 2025 में भारतीय सप्लाई चेन पर करीब 20 करोड़ डॉलर खर्च किए थे। इस निवेश का उद्देश्य विमानन क्षेत्र की बढ़ती मांग को पूरा करना और भारत के एयरोस्पेस उद्योग को मजबूत बनाना है।

वाईईएफ भारत ने इंदौर अध्याय की शुरुआत की, रजत जैन बने अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

युवा उद्यमियों के मंच वाईईएफ भारत ने 12 अक्टूबर को इंदौर अध्याय की आधिकारिक शुरुआत की। इस अवसर पर किमिरीका के सह-संस्थापक रजत जैन को वाईईएफ भारत का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में शहर के प्रमुख उद्यमियों, उद्योगपतियों और गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। मंच का उद्देश्य नैतिक व्यावसायिक मूल्यों को बढ़ावा देना, उद्यमियों के बीच सहयोग को मजबूत करना और देश की आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति में योगदान देना है। इसी के साथ वाईईएफ भारत के राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन 2027 की तैयारियों का भी आगाज हुआ।

वाईईएफ भारत का राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन 16 जनवरी, 2027 को आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन के लिए एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक सिद्धार्थ सिंह को अध्यक्ष और अभिमन्यु बवेजा को सह-अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सम्मेलन के आयोजन स्थल, मुख्य विषय और वक्ताओं से संबंधित विस्तृत जानकारी उचित समय पर साझा की जाएगी।

16 जनवरी को होगा राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन

वाईईएफ भारत के राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन 2027 की तैयारियों का भी आगाज

प्रभावी नेतृत्व ईमानदारी पारदर्शिता और सामूहिक प्रयास आवश्यक



शहर के प्रमुख उद्यमी, उद्योगपति और अन्य लोग एक मंच पर आए

आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा

वाईईएफ भारत 'राष्ट्र प्रथम' की विचारधारा के साथ उद्यमियों को व्यक्तिगत सफलता से आगे बढ़कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। मंच का उद्देश्य ऐसे टिकाऊ व्यवसायों और भारतीय ब्रांडों को प्रोत्साहित करना है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। इसके माध्यम से उद्यमियों को एक ऐसा साझा मंच उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, जहां वे आपसी सहयोग, अनुभवों के आदान-प्रदान और नैतिक नेतृत्व के जरिए देश को मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनाने में अपनी भूमिका निभा सकें। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष रजत जैन ने कहा कि वाईईएफ केवल युवा उद्यमियों का संगठन नहीं, बल्कि 'राष्ट्र प्रथम' की सोच के साथ आगे बढ़ने का एक साझा प्रयास है। हमारा उद्देश्य उद्यमियों को व्यक्तिगत सफलता से आगे बढ़कर सोचने और अपनी सामूहिक ताकत से देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करना है। इंदौर अध्याय के शुभारंभ कार्यक्रम में इंदौर के कलेक्टर एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी शिवम वर्मा, राजरतन ग्लोबल वायर के सुनील चोरडिया, पाथ इंडिया लिमिटेड के नितिन अग्रवाल, मोझरा स्टील्स के पवन सिंघानिया, कल्याण टोल इंफ्रास्ट्रक्चर के राजेश गर्ग और सोनिक बायोकेम के गिरीश मटलानी सहित कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

वाईईएफ भारत की नेतृत्व टीम घोषित

इंदौर अध्याय की शुरुआत के साथ ही वाईईएफ भारत की नेतृत्व टीम की घोषणा भी की गई। टीम में रजत जैन को अध्यक्ष, अंशुल अग्रवाल को अनुसंधान एवं रणनीतिक पहल का अध्यक्ष, मिलन पटेल को कार्यक्रमों का अध्यक्ष, अंकित अग्रवाल को वित्त एवं सुशासन का अध्यक्ष, कान्हा राठी को विश्राम शिविर एवं सामूहिक आयोजनों का अध्यक्ष, राहुल सेठी को सदस्यता अध्यक्ष और ऋषभ सुराना को विपणन संचार एवं जनसंपर्क का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नई नेतृत्व टीम के माध्यम से संगठन की गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने, उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाने और साझा उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर ध्यान दिया जाएगा।

सिल्क रोड के इतिहास से जुड़े खुल सकते हैं बड़े रहस्य

झील के नीचे मिला 800 साल पुराना शहर

बिश्केक। वैज्ञानिकों को किर्गिस्तान में 800 साल पुराने शहर के निशान मिले हैं। यह देश की सबसे बड़ी झील नीचे स्थित है, जिसकी वैज्ञानिकों और गोताखोरों की टीम जांच कर रही है। सैकड़ों साल पुराना शहर किर्गिस्तान की इस्सिक-कुल झील में तोरू-आयगिर इलाके के पास मिला है। वैज्ञानिक यह जांच कर रहे हैं कि इस शहर में लोग कैसे रहते थे, उनका खानपान कैसा था और शहर पानी के नीचे कैसे पहुंचा। वैज्ञानिकों का मानना है कि शहर सिल्क रोड के पुराने व्यापारिक रास्तों से जुड़ा था। इस नई खोज से मध्य एशिया के पुराने इतिहास के बारे में नई जानकारी मिल सकती है।



शहर और सिल्क रोड का संबंध

पुराने समय में सिल्क रोड व्यापारिक रास्तों का एक नेटवर्क था। इससे चीन से यूरोप तक सामान पहुंचाया जाता था। इस सड़क से रेशम और दूसरी चीजों का व्यापार होता था। साथ ही लोग अन्य जगहों के लोग एक-दूसरे की संस्कृति, धर्म और विचारों के बारे में भी जानते थे। किर्गिस्तान का क्षेत्र भी इन व्यापारिक रास्तों से जुड़ा था। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि झील के नीचे मिले शहर के निशानों से यह जानकारी मिल सकती है उस समय व्यापार किस तरह होगा और लोग कैसे रहते थे।

बर्तनों और हड्डियों से क्या पता चलेगा?

वैज्ञानिकों को झील के नीचे मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े और जानवरों की हड्डियां मिली हैं। इनकी जांच से यह पता चल सकता है कि पुराने समय में लोग क्या खाते थे और कैसे बर्तनों का इस्तेमाल करते थे। बर्तनों की बनावट से उनकी उम्र का अंदाजा लगाया जा सकता है। दो पुरानी कब्रगाहों और एक बड़ी इमारत के निशान भी मिले हैं। वैज्ञानिक यह पता लग रहा है कि इमारत का किस चीज के लिए इस्तेमाल किया जाता था। जांच के बाद भी शहर के जानकारियां मिल पाएंगी।



इमारतों के निशानों की हो रही जांच

वैज्ञानिकों को खोज के दौरान इस जगह पर मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े, जानवरों की हड्डियां, पुरानी कब्रों और इमारतों के निशान मिले हैं। इन चीजों की जांच के बाद पचा चलेगा कि उस समय लोग कैसे रहते थे और उनके बीच व्यवहार कैसा था। 19 सदी से इस शहर के बारे में जानकारी थी, लेकिन अब वैज्ञानिक सही से जांच कर रहे हैं। वैज्ञानिकों और गोताखोरों की टीम झील के भीतर जाकर पुराने अवशेषों को जांच कर रही है। यह शहर पानी की सतह से करीब 1 से 4 मीटर नीचे है। 2024 में वैज्ञानिकों खोज शुरू की थी। वैज्ञानिक यह पता लगा रहे हैं कि आखिर शहर कितना बड़ा था। यहां पर कौन-कौन सी इमारतें थीं, जिसके लिए झील के नीचे मिली पुरानी चीजों और इमारतों के निशानों की जांच हो रही है।

दोनों बाइक्स में दमदार परफॉर्मेंस और आधुनिक तकनीक

हीरो मोटोकॉर्प ने लांच की दो बाइक्स 'एक्सट्रीम 160आर 4वी और रिफ्रेश्ड एक्सट्रीम 250आर'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हीरो मोटोकॉर्प ने प्रीमियम मोटरसाइकिल सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए बिल्कुल नई एक्सट्रीम 160आर 4वी और रिफ्रेश्ड एक्सट्रीम 250आर लॉन्च की हैं। दोनों बाइक्स में स्पोर्टी डिजाइन, दमदार परफॉर्मेंस और आधुनिक तकनीक पर जोर दिया गया है। कंपनी का लक्ष्य युवा राइडर्स को बेहतर फीचर्स और प्रीमियम राइडिंग अनुभव देना है। हीरो मोटोकॉर्प के चीफ बिजनेस ऑफिसर (प्रीमियम सेगमेंट) अनुज दुआ के मुताबिक, एक्सट्रीम फैमिली कंपनी की प्रीमियम रणनीति का अहम हिस्सा है। दोनों मोटरसाइकिलों को बेहतर तकनीक और राइडर की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

नई एक्सट्रीम 160आर 4वी में 163 सीसी का 4-वाल्व, ऑयल-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 17.1 पीएस की पावर और 14.6 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। कंपनी के अनुसार, यह बाइक 0 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार 4.4 सेकंड में पकड़ सकती है।

बाइक में राइड-बाय-वायर तकनीक, तीन राइडिंग मोड, क्रूज कंट्रोल और पैनिक ब्रेक अलर्ट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा डुअल-चैनल एबीएस, अपसाइड-डाउन फ्रंट फोर्क, टीएफटी कंसोल, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन भी मिलता है। इसका नया डिजाइन और एलईडी लाइटिंग इसे स्पोर्टी लुक देते हैं।



एक्सट्रीम 250आर में चार राइडिंग मोड

रिफ्रेश्ड एक्सट्रीम 250आर में 250 सीसी का लिक्विड-कूल्ड, 4-वाल्व डीओएचसी इंजन है, जो 30 पीएस की पावर और 25.3 एनएम का टॉर्क देता है। कंपनी के अनुसार, यह बाइक 0 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार 3.2 सेकंड में हासिल करती है। इसमें चार राइडिंग मोड रेन, रोड, स्पोर्ट और ट्रैक के साथ क्रूज कंट्रोल, बाय-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम दिया गया है। नया टीएफटी कंसोल, बेहतर फिनिश और फ्रीक्वेंसी सिलेक्टिव डैंपिंग सस्पेंशन इसके प्रमुख आकर्षण हैं। नई एक्सट्रीम 160आर 4वी के स्टैंडर्ड वेरिएंट की शुरुआती कीमत 1.27 लाख रुपए, प्रो की 1.37 लाख रुपए और कार्बन वेरिएंट की 1.41 लाख रुपए रखी गई है। सभी कीमतें दिल्ली की एक्स-शोरूम कीमतें हैं। बाइक हीरो मोटोकॉर्प और हीरो प्रीमिया डीलरशिप पर उपलब्ध होगी।

देखने में एलियन जैसा, छूने पर देगा करंट मिलिए प्रकृति के सबसे अजीब कीड़े से

नई दिल्ली। प्रकृति में एक से बढ़कर एक अनोखे जीव मौजूद हैं। कुछ अपनी खूबसूरती से दिल जीत लेते हैं, तो कुछ इतने डरावने होते हैं कि उनके पास जाने से भी डर लगता है। आज हम आपको एक ऐसे ही विचित्र कीड़े के बारे में बता रहे हैं, जो पहली नजर में किसी एलियन या स्टारफिश जैसा दिखाई देता है। इसे छूने की भूल आपको भारी पड़ सकती है। क्या है यह अजीब जीव? एक की रिपोर्ट के अनुसार, इस अनोखे जीव का वैज्ञानिक नाम फोबेट्रॉन पिथेसियम है। आम बोलचाल में इसे हैग मोथ या मंकी स्लग कैटरपिलर कहा जाता है। इसका लार्वा रूप किसी कटी हुई स्टारफिश या स्लग जैसा नजर आता है।

छूने पर क्यों लगता है करंट जैसा झटका?

दिखने में भले ही यह अनोखा लगे, लेकिन इसके शरीर के अंगों के नीचे छोटे-छोटे और खोखले कांटे छिपे होते हैं। जैसे ही कोई इंसान या शिकारी इसे छूता है, ये कांटे त्वचा में चुभकर जहर छोड़ देते हैं, जिससे मधुमक्खी के डंक या हल्के करंट जैसा झटका, तेज जलन और सूजन महसूस होती है।

सतर्कता विभाग की महत्वपूर्ण पहल

एनएमडीसी के सतर्कता कार्यक्रम में तीन नई पहलों का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ हैदराबाद

एनएमडीसी के सतर्कता विभाग की ओर से शुक्रवार को हैदराबाद में आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में तीन महत्वपूर्ण पहलों का शुभारंभ किया गया। इनमें एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) के लिए सतर्कता पोर्टल, कर्मचारी आवास के लिए ऑनलाइन आवास प्रबंधन प्रणाली तथा एनएमडीसी सतर्कता नियमावली, 2026 के दूसरे संस्करण का अनावरण शामिल है। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में पारदर्शिता, जवाबदेही और साइबर सुरक्षा को मजबूत करना था। कार्यक्रम की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सतर्कता आयुक्त प्रवीण वशिष्ठ ने कहा कि सतर्कता संबंधी दिशानिर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करने के साथ ईमानदार अधिकारियों के संरक्षण पर भी ध्यान देना आवश्यक है। कार्यक्रम में एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी ने कंपनी के स्थिरता प्रदर्शन और जिम्मेदार खनन के प्रति प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एनएमडीसी का स्थिरता प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय खनन कंपनियों की तुलना में सकारात्मक रहा है।



एनएमडीसी सतर्कता नियमावली, 2026 के दूसरे संस्करण के अनावरण का अवसर

18 संगठनों के 113 अधिकारियों ने लिया भाग

इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के 18 सरकारी संगठनों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के विद्युत बोर्डों से जुड़े 113 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में शिकायत प्रबंधन की तकनीकों, सतर्कता संबंधी स्वीकृतियों, सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) की नई सुविधाओं, साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

राशिफल

मेष — वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन — माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क — आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या — स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा ।पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला — वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु — कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर — कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ — कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

प्रियागोल्ड बिस्कुट की जांच में गंभीर खामियां

नई दिल्ली। खाद्य सुरक्षा जांच में सामने आई कमियों ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। प्रियागोल्ड बिस्कुट बनाने वाली कंपनी सूर्या फूड्स एंड एग्रो की फैक्ट्री में कथित तौर पर पशु चारे के लिए चिह्नित चोकर के इस्तेमाल से लेकर साफ-सफाई में खामियां मिलीं। वहीं, डोडला डेयरी के फुल क्रीम दूध के नमूने की जांच में गुणवत्ता संबंधी मानकों के उल्लंघन की बात सामने आई। इसके अलावा ऑर्गेनिक पीली किशमिश में कीटनाशक अवशेष निर्धारित सीमा से अधिक पाए जाने की जानकारी भी सामने आई है। इन मामलों में संबंधित कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। प्रियागोल्ड बिस्कुट बनाने वाली कंपनी सूर्या फूड्स एंड एग्रो की फैक्ट्री में निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को कई खामियां मिलीं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, बिस्कुट बनाने में इस्तेमाल किए जा रहे चोकर पर पशुओं के चारे के लिए होने का उल्लेख था। इस सामग्री के इस्तेमाल को लेकर अधिकारियों ने सवाल उठाए।

शब्द पहेली - 6381



बाएँ से दाए-
2. पिता की बहन-2
5. कठोर-2
7. खून, रुधिर-2
8. मशरुम, फफूंद-3,2
9. इसे मकड़ी बुनती है-2
10. अपशिष्ट पदार्थ-2
11. धैर्य, संयम-2
13. स्फूर्ति, चंचलता-4
15. ओस, निशाजल-4
17. राशि निर्धारण-5
18. हलकापन-5
20. खालीपन, रिक्तता-4
23. स्नान करवाना-4
26. दंड-2
27. कार्य-2
28. कुर्बानी-2
29. कहानी का लेखक-5
30. प्रतिबिंब-2
31. गाना, नगमा-2
32. मां की मां-2

ऊपर से नीचे
1. बंदूक की गोली-4
3. व्याकुलता-4
4. दौरान, मध्य में-5
5. सत्ताधारी-4
6. नरम, अकठोर-4
10. शराब, सुरा-2
12. ईश्वर-2
14. गतिशीलता-5
16. नवीन, नया -2,3
19. उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20. प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21. मवाद-2
22. नाजुकता-4
23. मना करना-4
24. मैं का बहुवचन -2
25. नाकारा, बेकार-4

शब्द पहेली -6380 का हल

का	म	या	ब		र		श	ब	न	म
	म्मी		र	फू	च	क्क	र		मैं	
आ		मा	स		ना		मा	ह		प्र
स	ह	ला	ना		का		ना	रा	य	ण
	ब				र				ज्ञो	
ह	क	ब	का	ना		अ	प	ना	प	न
	र				ख				वी	
मे	धा	ल	य		ल		क	म	त	र
घ		त	म		ना		ल	त		क्षा
	यं		रा	सा	य	नि	क		कै	
म	हा	रा	ज		क		ल	ब्बो	द	र

सूडोकु नवताल - 6391

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक को पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6390 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 18 अक्टूबर 2026

विशेषः विजय दशमी, 20 अक्टूबर

विजय दशमी का पर्व आततायी रावण पर श्रीराम की विजय के उल्लास में मनाया जाता है। लेकिन श्रीराम का विराट चरित्र केवल रावण का वध करने की वजह से ही हमारे लिए पूजनीय नहीं है। वे अगर युगों से आज भी भारतीय जनमानस में आदर्श पुरुषोत्तम के रूप में प्रतिष्ठित हैं, तो इसकी वजह है कि उन्होंने संपूर्ण मनुष्यता के लिए मर्यादा स्थापित की। इसीलिए अनेक भाषाओं, संस्कृति और सभ्यताओं में वे प्रतिष्ठित हैं।



भारत के जन-मन में युगों से विराजमान हैं श्रीराम

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

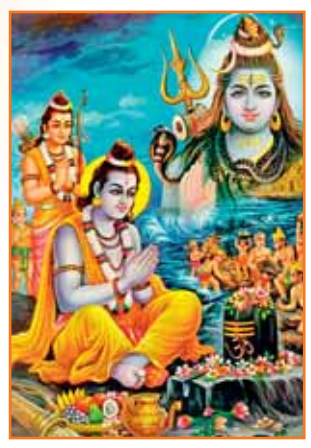
सदियों से विजय दशमी की रात रावण का पुतला दहन किया जाता है। आतिशबाजी थमती है। भीड़ लौट जाती है और मैदान में बच जाती है कुछ राख। लेकिन श्रीराम की कथा यहीं नहीं खत्म होती। अगले दिन भी श्रीराम मौजूद रहते हैं, अगले वर्ष भी और अगली पीढ़ी में भी। यही श्रीराम की सबसे बड़ी विशेषता है। वे किसी एक कथा के नायक नहीं हैं, समूची भारतीय सभ्यता के अविराम नायक हैं। 'अविराम' यानी जिसके प्रवाह में कोई विराम न हो। राम का यही स्वरूप उन्हें दूसरे महान चरित्रों से अलग एक विशिष्ट प्रतिष्ठा प्रदान करता है। वे किसी एक ग्रंथ में बंद नहीं हैं, किसी एक भाषा के नहीं हैं और न ही किसी एक युग भर की जरूरत हैं। वे जितने वाल्मीकि के हैं, उतने ही तुलसी के हैं। जितने संस्कृत के हैं, उतने ही अवधी के हैं। वह जितने तमिल, तेलुगू, बांग्ला, उड़िया, मराठी, मलयालम के हैं, उतने ही असंख्य लोकभाषाओं के भी हैं। वह जितने ग्रंथों में हैं, उससे कहीं ज्यादा लोकस्मृति और लोकचेतना में भी व्याप्त हैं।

आत्मसंयम की विराट चेतना

श्रीराम की पहली विराट साहित्यिक छवि हमें वाल्मीकि के रामायण में मिलती है। यहां श्रीराम का नायकत्व केवल उनके शौर्य में नहीं है, वे एक ऐसे महापुरुष के रूप में सामने आते हैं, जिसके सामने जीवन लगातार अपने कठिन से कठिन निर्णय रखता है। राजपाट छोड़ना, वन गमन, प्रिय का वियोग सहना, मित्र बनाना, युद्ध करना और विजय के बाद अयोध्या लौटना। श्रीराम की यात्रा दरअसल, बाहरी युद्ध से कहीं अधिक अंतर्संघर्ष की यात्रा है। यही कारण है कि श्रीराम के नायकत्व को आत्मसंयम की विराट चेतना माना जाता है। भारतीय सभ्यता ने उन्हें केवल पूजा नहीं, उन्हें बार-बार इसलिए पुनर्सृजित किया है कि कोई भी युग बिना श्रीराम के आदर्श नायकत्व के अधूरा है।

रामकथा का भौगोलिक विस्तार

तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' के माध्यम से राम को लोकभाषा और भक्ति की एक ऐसी धारा में उतारा है, जिसने उन्हें राजमहलों और विद्वानों के संसार से निकालकर आमजन के जीवन का अभिन्न हिस्सा बना दिया। रामलीलाओं ने उन्हें जनमानस में प्रतिष्ठित किया, लोकगीतों ने उन्हें गांव-गांव तक पहुंचाया, चित्रकला ने उनके अनेक रूप गढ़े, मंदिरों ने उनके लिए असंख्य स्थापत्य रचे और श्रीराम की वर्षों तक चली यात्राओं ने रामकथा को भौगोलिक विस्तार प्रदान किया। अयोध्या से चित्रकूट, पंचवटी से रामेश्वरम तक फैला भूगोल आज भी एक ऐसी सांस्कृतिक स्मृति का विस्तार है, जिसमें रामकथा और उनके साक्षी रहे अनेक स्थल एक-दूसरे में घुल-मिल जाते हैं, यही राम की सभ्यतागत महाशक्ति है।







स्थापित किया मर्यादा का आदर्श

भारतीय जनमानस में श्रीराम के साथ ही श्रीकृष्ण और शिव भी युगों से आराध्य हैं। श्रीकृष्ण भारतीय चेतना में जटिल परिस्थितियों के बीच, विवेक, रणनीति और जीवन की बहुरंगी लीला के नायक हैं, जबकि शिव विराग, तप, संहार और पुनर्सृजन का प्रतिनिधित्व करते हैं। श्रीराम का विराट स्वरूप ऐसा है कि वे संसार से दूर नहीं जाते और न ही हर परिस्थिति को अपनी इच्छा के मुताबिक मोड़ते हैं। वे संसार के भीतर रहकर मर्यादा का अर्थ खोजते हैं। श्रीकृष्ण हमें बताते हैं कि जटिल संसार में धर्म को कैसे पहचाना जाए? शिव हमें चेताते हैं कि आसक्ति से परे उठना क्या होता है? लेकिन राम अपने जीवन से संदेश देते हैं कि मनुष्य होकर अपनी शक्ति, इच्छा और अधिकार को मर्यादा में कैसे रखा जाए? इसलिए श्रीराम का चरित्र भारतीय सभ्यता के लिए केवल धार्मिक आदर्श नहीं है, उनके जीवन से आदर्श सामाजिक संरचना का भी एक आधार रूप निर्मित होता है।

सामाजिक सहभागिता के पोषक

श्रीराम की कथा में एक और महत्वपूर्ण बात निहित है। उनकी विजय अकेले उनकी विजय नहीं है। राम जब वन में जाते हैं तो निषादराज उनके साथ मित्रवत खड़े दिखाई देते हैं। सुग्रीव और वानर समुदाय उनके संघर्ष में सहभागी बनते हैं। हनुमान, उनकी शक्ति का विस्तार बनते हैं, तो विभीषण शत्रु पक्ष से निकलकर उनके साथ आते हैं। कहने का मतलब रामकथा एक ऐसे नायक की कथा भी है, जो विविध समुदायों को साथ लेकर अपनी लोकयात्रा पूरी करता है। इस दृष्टि से भी श्रीराम भारतीय सभ्यता की बहुलतावादी स्मृति के नायक हैं।

प्रशस्त करते हैं आदर्श जीवन की राह

श्रीराम मर्यादित आदर्श जीवन की राह भी बताते हैं- शक्ति मिलने के बाद मनुष्य कैसा रहे? अधिकार मिलने के बाद उसका आचरण कैसा हो? निजी सुख और सार्वजनिक दायित्व में टकराव हो तो क्या चुना जाए? विजय के बाद अहंकार से कैसे बचा जाए और सबसे कठिन प्रश्न- क्या महान होना केवल दूसरों पर विजय पाना है या स्वयं पर नियंत्रण रखना भी महानता है? शायद इसी कारण श्रीराम की सबसे बड़ी विजय लंका पर विजय नहीं है, उनकी सबसे बड़ी विजय उस निरंतर मानवीय प्रयास में है, जिसमें मनुष्य शक्ति के बावजूद मर्यादा, संकट के बावजूद धैर्य और विजय के बावजूद आत्मसंयम बनाने की कोशिश करता है। k

विश्वव्यापी हैं श्रीराम

श्रीराम की कथा भारत की भौगोलिक सीमाओं तक ही नहीं सिमटती है। दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया की अनेक सांस्कृतिक परंपराओं में रामायण के अलग-अलग रूप मिलते हैं। कहीं श्रीराम आदर्श राजा हैं, कहीं राम नायक हैं, कहीं सांस्कृतिक पूर्वज और कहीं लोककथा के पात्र हैं। अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में कथा बदलती रही, पात्रों के नाम और अर्थ भी बदलते रहे, लेकिन श्रीराम की उपस्थिति निरंतर बनी रही। वास्तव में यही उनके अविराम होने का अर्थ है। श्रीराम, हर युग में एक जैसे नहीं रहे और शायद उन्हें एक जैसा रहना भी नहीं था। किसी युग ने उनमें मर्यादा देखी, किसी ने लोकमंगल, किसी ने आदर्श शासक, किसी ने त्याग, किसी ने करुणा और किसी ने मनुष्य के नैतिक संघर्ष का नायक।



दशहरे के पर्व से कई पौराणिक मान्यताएं और कथाएं जुड़ी हुई हैं। इनमें सबसे प्रमुख श्रीराम कथा, महिषासुर मर्दिनी दुर्गाजी की कथा और शमी वृक्ष शस्त्र पूजन कथा है। इन कथाओं में क्या निहितार्थ हैं और इनकी पूजन परंपरा के बारे में जानिए।

धर्म-सत्य-आत्मविजय का प्रतीक पर्व है दशहरा

निहितार्थ / वीरेंद्र बहादुर सिंह

दशहरा यानी विजय दशमी भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है। यह दिन बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक माना जाता है। हिंदू परंपरा में इस पर्व से भगवान श्रीराम द्वारा रावण के वध और देवी दुर्गा द्वारा महिषासुर के संहार की कथाएं जुड़ी हैं। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे अपनी-अपनी परंपराओं और मान्यताओं के अनुसार मनाया जाता है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व का धार्मिक महत्व तो है ही, इसके साथ शस्त्र पूजन, शमी पूजन और नए कार्यों के शुभारंभ जैसी परंपराएं भी जुड़ी हुई हैं।

रावण पर श्रीराम की विजयः दशहरे की सबसे प्रसिद्ध कथा रामायण से जुड़ी है। सीता हरण के बाद श्रीराम और रावण के बीच भीषण युद्ध हुआ। अंततः श्रीराम ने रावण का वध किया। इसी स्मृति में दशहरे पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया जाता है। इसका संदेश केवल किसी पुतले को जलाने तक सीमित नहीं है। यह अपने भीतर मौजूद अहंकार, क्रोध, लोभ और अन्याय जैसी प्रवृत्तियों को समाप्त करने के संकल्प का भी प्रतीक माना जाता है।



महिषासुर मर्दन की कथाः विजय दशमी का संबंध देवी दुर्गा और महिषासुर की कथा से भी है। धार्मिक ग्रंथों में वर्णित मान्यता के अनुसार महिषासुर को ऐसा वरदान प्राप्त था कि कोई पुरुष उसका वध नहीं कर सकता था। वरदान के कारण उसका अहंकार बढ़ गया और उसने तीनों लोकों में उत्पात मचा दिया। देवताओं की शक्तियों के समन्वय से देवी दुर्गा का प्राकट्य हुआ। देवी ने महिषासुर से नौ दिनों तक युद्ध किया और दसवें दिन उसका वध किया। इसी कारण विजय दशमी को शक्ति और अनिष्ट पर विजय का प्रतीक माना जाता है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा सहित कई क्षेत्रों में यह दिन विशेष उत्साह से मनाया जाता है।

श्रीराम-दुर्गा पूजनः दशहरे के दिन भगवान श्रीराम और देवी दुर्गा की पूजा करने की परंपरा है। पूजा के लिए घर के स्वच्छ स्थान को तैयार कर वहां भगवान राम अथवा देवी दुर्गा का चित्र या मूर्ति स्थापित की जाती है। स्वच्छ वस्त्र धारण कर पूजा स्थल को साफ करें और श्रद्धानुसार कलश स्थापित करें। कलश में जल, आम के पत्ते और नारियल रखने की परंपरा है। इसके बाद भगवान श्री गणेश का पूजन करें। उन्हें फूल, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें। फिर श्रीराम और देवी दुर्गा को रोली, अक्षत, पुष्प अर्पित करें। फल और मिठाई का भोग लगाएं। 'ॐ दुर्गायै नमः' या 'श्री रामाय नमः' मंत्र का जाप करें। अंत में आरती करें।

पांडवों और शमी वृक्ष की परंपराः दशहरे से महाभारत की एक घटना भी जोड़ी जाती है। मान्यता है कि पांडवों ने अपने 12 वर्ष के वनवास और एक वर्ष के अज्ञातवास के दौरान अपने शस्त्र शमी के वृक्ष पर छिपा दिए थे। अज्ञातवास पूरा होने के बाद उन्होंने विजय दशमी के दिन अपने शस्त्र वापस प्राप्त किए। इसी परंपरा के कारण दशहरे पर शस्त्रपूजन और शमी पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। प्राचीन समय में योद्धा और सैनिक विजय दशमी पर अपने शस्त्रों की पूजा करते थे। आज इस परंपरा का विस्तार हो गया है। व्यापारी अपने प्रतिष्ठान, कारीगर अपने औजार, किसान कृषि उपकरण, चालक वाहन और दूसरे पेशे से जुड़े लोग अपने कार्य में उपयोग होने वाली वस्तुओं का पूजन करते हैं। पूजा के लिए उपकरणों को साफ करके स्वच्छ स्थान पर रखें। रोली, अक्षत और पुष्प अर्पित करें। दीप जलाकर अपने कार्य में सफलता, सुरक्षा और सद्बुद्धि की प्रार्थना करें। इस परंपरा का आधुनिक अर्थ यह भी हो सकता है कि हम उन साधनों का सम्मान करें, जिनसे हमारी आजीविका चलती है और उनका जिम्मेदारी से उपयोग करें। दशहरे की शाम श्रद्धालु शमी वृक्ष के पास जाकर जल, अक्षत और कुमकुम अर्पित करते हैं। इन धार्मिक विधियों का पालन अपनी पारिवारिक और क्षेत्रीय परंपरा के अनुसार किया जा सकता है।

दशहरे का संदेशः दशहरे का महत्व केवल रावण दहन या पूजा तक सीमित नहीं है। आज के समय में इसका सबसे उपयोगी संदेश आत्मचिंतन और आत्मसंयम से जुड़ा है। हम अपने भीतर के अहंकार को कैसे मिटा सकते हैं? क्रोध पर कितना नियंत्रण रख सकते हैं? दूसरों के अधिकार और सम्मान का कितना ध्यान रखते हैं? अपने काम में ईमानदारी और जिम्मेदारी कितनी निभाते हैं? ये प्रश्न विजय दशमी के अवसर पर स्वयं से पूछकर आत्मविवेचन करना चाहिए। रावण का पुतला जलाने के साथ यदि हम अपने भीतर की किसी एक नकारात्मक आदत को छोड़ने का संकल्प भी लें, तो पर्व का संदेश हमारे दैनिक जीवन से जुड़ सकता है। विजय दशमी का पर्व हमें याद दिलाता है कि वास्तविक विजय केवल किसी बाहरी शत्रु पर नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और अन्याय पर नियंत्रण पाने में भी है। यही दशहरे की परंपरा को वर्तमान जीवन में सार्थक बनाने का उचित मार्ग है। k



दोहे
प्रो. शरद नारायण खरे

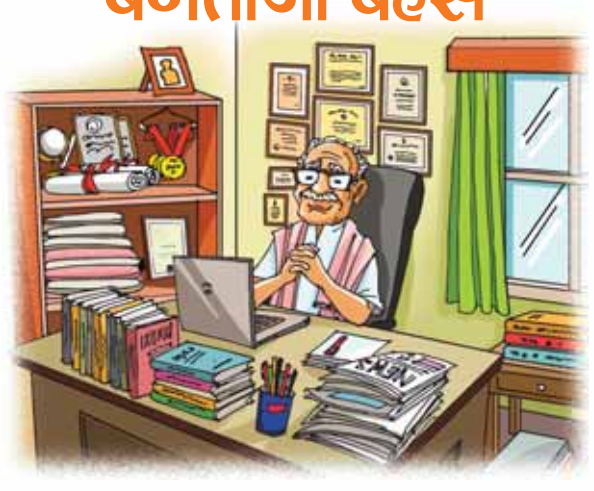
विजया दशमी के दोहे

विजया दशमी पर्व तो, कहे यही हर बार।
नीति, सत्य, सत्कर्म से, पलता है उजियार।।
अहंकार से हो सदा, इंसां की तो हार।
विनत भाव से हो सतत, मानव का सत्कार।।
मर्यादा का आवरण, करे विजय-उद्घोष।
कितना भी सामर्थ्य पर, खोना ना तुम होश।।
लंकापति मद में भरा, करता था अभिमान।
तभी हुआ संपूर्ण कुल, का देखो अवसान।।
विजया दशमी पर्व नित, देता यह संदेश।
विनत भाव से जो रहे, उससे हार क्लेश।।
निज गरिमा को त्यागकर, रावण बना असंत।
इसीलिए असमय हुआ, उस पापी का अंत।।
पुतला रावण का नहीं, जलता पाप-अधर्म।
समझ-बूझ लें आप सब, यही पर्व का मर्म।।
विजय राम की कह रही, सम्मानित हर नार।
नारी के सम्मान से, ही सुखमय संसार।।
उजियारा सबने किया, हुई राम की जीत।
आओ हम गरिमा रखें, बनें सत्य के मीत।।
कहे दशहरा मारना, अंतर का अंधियार।
भीतर जो रावण रहे, उस पर करना वार।।
बुरे कर्म ना पोसना, वरना तय अवसान।
निरभिमान की भावना, लाती है उत्थान।।

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

यूं तो एक पुस्तक लिखकर भी कालजयी लेखक हुआ जा सकता है, तिस पर प्रकाश जी की तेरह पुस्तकें छप चुकी हैं। वह काल से परे हो चुके हैं। प्रकाश जी की विशेषता है कि वे फुटकर में नहीं लिखते। जब भी लिखते हैं, मोटा ग्रंथ ही लिखते हैं।

सम्मान की शॉलें और बेनतीजा बहसें



एक हैं प्रकाश जी, दूसरे हैं परीक्षित जी। एक ही शहर में रहते हैं। दोनों में कुल जमा दो बातों को छोड़कर और कुछ भी उभयनिष्ठ नहीं है। वो ये है कि दोनों स्वयं की दृष्टि में व्यंग्य के बड़े लेखक और प्राध्यापक हैं। दूसरी बात, दोनों के नाम के आगे 'डॉक्टर' और पीछे 'जी' लगा हुआ है। ये दोनों जहां पर भी आमंत्रित होते हैं, अपने सम्मान की शॉलें घर से ओढ़कर जाते हैं। प्रकाश जी कहते हैं, 'घर पर ऐसी ही पचास शॉलें रखी हुई हैं।' परीक्षित जी कहते हैं, 'अपने पास तो इतनी शॉलें हैं कि एक ठीक-ठाक दुकान खुल सकती है।'

प्रकाश जी की विशेषता है कि वे फुटकर में नहीं लिखते। जब भी लिखते हैं, मोटा ग्रंथ ही लिखते हैं। उनकी एक पुस्तक तीन-चार साल में प्रकाशित होती है। उसकी सरकारी खरीद हो जाती है। वह पुस्तक सार्वजनिक पुस्तकालयों में संरक्षित हो जाती है। इस तरह प्रकाशित बीस प्रतिशत पुस्तकें, प्रकाशक उनको रॉयल्टी के बदले सौंप देते हैं। इसका कुछ भाग पत्र-पत्रिकाओं में समीक्षा के नाम पर भेंट चढ़ जाता है। यथा आवश्यकता प्रकाश जी खुद ही समीक्षा लिखते हैं और अपने घनिष्ठ मित्रों के नाम से छपाने का जुगाड़ बिठाते हैं। बच गई बाकी पुस्तकों को वे सुपात्रों को 'सप्रेम भेंट' कर देते हैं। इस तरह वे सतत चर्चा में बने रहते हैं। आखिर मुफ्त की भेंट की चर्चा सभी करते हैं।

यूं तो एक पुस्तक लिखकर भी कालजयी लेखक हुआ जा सकता है, तिस पर प्रकाश जी की तेरह पुस्तकें छप चुकी हैं तो वे काल से परे हो चुके हैं। प्रकाश जी खुद भी मानते हैं कि इतने सृजन के पश्चात साहित्य में जिसे अमर होना कहा जाता है, वह वे हो चुके हैं। दूसरे लेखक उन्हें अमर मानें न मानें, वे इसकी परवाह नहीं करते। उनकी मान्यता है कि अंतरात्मा की आवाज ही सच्ची होती है और उनकी अंतरात्मा से सतत अमर होने की ध्वनि आती रहती है।

परीक्षित जी कुछ अलग किस्म के जीव हैं। व्यवस्थित लिखाड़ हैं। प्रकाश जी कलम से लिखते हैं तो परीक्षित जी लैपटॉप में। परीक्षित जी फुटकर में लेखन करते हैं। वे पुस्तकों को घास का गट्ठर बांधना कहते हैं। उनका दावा है कि अगर वे अपने व्यंग्य लेखों को संकलित कर छपवा दें तो बीस-बाइस गट्ठर तैयार हो सकते हैं। परीक्षित जी कम-से-कम बीस समाचार पत्रों में नियमित स्तंभ लिखते हैं। वे व्यंग्य लेखन को नित्य कर्म की तरह करते हैं। कभी-कभी तो बाथरूम में भी लैपटॉप लेकर बैठ जाते हैं। अखबारों के पाठक उनके लेखों से ज्यादा परीक्षित जी के नाम से परिचित हैं, इसलिए परीक्षित जी एक सुपरिचित लेखक कहे जाते हैं।

प्रकाश जी और परीक्षित जी के खेमे अलग-अलग हैं। शाश्वत लेखन और तात्कालिक लेखन की पारस्परिक श्रेष्ठता को लेकर दोनों के खेमे लगभग हर माह संगोष्ठियों के बंदनवार सजा देते हैं। कभी इस शहर में तो कभी उस शहर में पताकाएं फहरती रहती हैं। एक जैसी और बेनतीजा समाप्त होने वाली इन संगोष्ठियों से सिर्फ इतना होता है कि कभी प्रकाश जी की शॉलों की संख्या बढ़ जाती है तो कभी परीक्षित जी की। बहरहाल, दोनों ही आश्वस्त हैं कि उनके चलते व्यंग्य लेखकों में राजनीति, गुटबाजी, मस्काबाजी, पुरस्कार के जोड़-तोड़ और फिजूल बहसबाजी की पुरातन परंपरा आज भी बदस्तूर जारी है। k

लघुकथा / बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

कमी पूरी हो गई

जैसे ही महेंद्र वहां पहुंचा, एक युवक ने प्रशंसात्मक भाव से कहा, 'आप जिन सधे कदमों से अंदर आए वह आपके व्यक्तित्व को बताता है। आप यहां बैठिए।' उसने बगल में खाली कुर्सी की ओर इशारा किया।

उसे आश्चर्यमिश्रित प्रसन्नता हुई और बैठते हुए उसके मुंह से निकला, 'धन्यवाद।' इस बीच एक अन्य युवक कमरे में दाखिल हुआ। वह उसके बाजू वाली कुर्सी पर आकर बैठा ही था कि उसके चेहरे पर नजर पड़ते ही बोल उठा, 'आपकी हेयरस्टाइल बहुत बढ़िया है, आपके चेहरे पर जंच रही है।'

महेंद्र फूलकर कुप्पा हो गया और बोला, 'शुक्रिया।' उसके स्वर में आत्मविश्वास झलक रहा था। इंटरव्यू प्रारंभ होने वाला था। इस बीच सामने वाली कुर्सी पर बैठा युवक कुछ देर उसे ध्यान से देखता रहा, फिर कहने लगा, 'आपके कपड़ों की फिटिंग और आपकी कलर चॉइस लाजवाब है। मैं भी कुछ इसी तरह से पसंद करता हूं।' फिर उसने पूछा, 'आप कपड़े कहां से सिलवाते हैं?'



महेंद्र ने मुस्कराते हुए उसे टेलर का नाम बताया, फिर कुछ खुलकर कहा, 'तारीफ के लिए धन्यवाद। जानकर खुशी हुई कि आपकी पसंद भी मेरी तरह है।' तभी महेंद्र का नाम पुकारा गया। वह साक्षात्कार कक्ष की ओर बढ़ा तो महसूस हुआ कि उसकी चाल कुछ सधी हुई है। वह अनुमति लेकर साक्षात्कारकर्ताओं के सामने की कुर्सी पर धीरे से बैठ गया। उसके होंठों पर सहज स्मित थी। उसने पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर आत्मविश्वास के साथ दिए। हालांकि इक्का-दुक्का सवालों के सटीक जवाब वह नहीं जानता था, फिर भी हड़बड़ाया या हकलाया नहीं। बाहर निकला तो सोचा कि तारीफ करने वालों का एक बार फिर आभार व्यक्त कर दूं, किंतु उनमें से कोई चेहरा नजर नहीं आया।

महेंद्र को आश्चर्य तो हुआ कि वे लोग इंटरव्यू के बिना ही कैसे चले गए, पर उसने इस बारे में ज्यादा सोचा नहीं। एक महीने बाद अंतिम परिणाम घोषित हुआ तो महेंद्र अच्छी रैंक के साथ चयनित हो गया था। उसे आठ अलग-अलग प्रयासों के बाद अंततः नवीं कोशिश में नौकरी मिल गई थी। जब वह पिता का आशीर्वाद लेने पहुंचा तो दिल में उमड़ता प्रश्न होंठों पर आ ही गया, 'पापा, पता नहीं क्यों मैं पहले इंटरव्यू के दौरान हताश हो जाता था, परंतु इस बार तो जैसे चमत्कार हो गया। मुझे थोड़ी-सी भी झिझक या भय महसूस नहीं हुआ।' पिता उसे गले लगाते हुए बोले, 'बेटा, तुम्हारी समझ और जानकारी कभी कम नहीं थी। कमी थी तो सिर्फ आत्मविश्वास की। यह कमी मेरे भेजे लोगों ने पूरी कर दी।'

सहसा महेंद्र की आंखों के सामने वे तारीफ करने वाले चेहरे उभर आए। k

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

काव्यचेतना का उद्घोष

वरिष्ठ कवि उद्भ्रांत अनेक विधाओं में करीब छह दशकों से निरंतर सक्रिय हैं। काव्य सृजन के क्षेत्र में उनकी रचनाशीलता ने नए आयाम स्थापित किए हैं। लगभग पांच दशक बाद उनके चर्चित कविता संग्रह 'नाटकतंत्र तथा अन्य कविताएं' का पुनर्प्रकाशन हुआ है। इस संग्रह में कुल बारह कविताएं हैं। इनमें ग्यारह छोटी और एक बड़ी कविता शामिल है। 'कविता के विरुद्ध' कविता की पंक्तियां 'यह आग किसी को जला देती है/ और किसी को तपा देती है।' न केवल अपने रचे जाने के दौर में बल्कि आज के समय में भी कविता की सामर्थ्य और उसकी विवशता का आख्यान प्रस्तुत करती हैं। 'इनके गुस्से को शांत करें' कविता की ये पंक्तियां, 'सन्नाटे का शोर/इसलिए बढ़ रहा है/क्योंकि इनका पारा/सातवें आसमान पर चढ़ रहा है।' आज से पांच दशक पहले की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थिति का सटीक चित्रण प्रस्तुत करती हैं। दशकों बाद भी इन कविताओं की प्रासंगिकता बनी हुई है। k



पुस्तकः नाटकतंत्र तथा अन्य कविताएं, **लेखकः** उद्भ्रांत, **मूल्यः** 225 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली



फोकिना ने किया बड़ा उलटफेर, विश्व के नंबर 2 ज्वेरेव को हराकर फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| शंघाई

शंघाई मास्टर्स के सेमीफाइनल में एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर बड़ा उलटफेर किया है। यह स्पेनिश खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक है।

डेविडोविच फोकिना ने अपने करियर में दूसरी बार जर्मन खिलाड़ी ज्वेरेव को हराया। शंघाई के स्टेडियम कोर्ट पर खेले गए इस कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने ज्वेरेव को 5-7, 6-4, 6-3 से मात दी। यह मैच दो घंटे छह मिनट तक चला। विश्व के नंबर 26 रैंकिंग वाले खिलाड़ी डेविडोविच फोकिना पहला सेट हार गए थे, जो काफी कड़ा मुकाबला रहा। इसके बाद उन्होंने अपना खेल बेहतर किया, बेसलाइन पर शानदार प्रदर्शन दिखाया और दूसरे सेट के 10वें गेम में टॉप सीड ज्वेरेव की सर्विस तोड़ दी। उन्होंने 46 मिनट में दूसरा सेट अपने नाम कर लिया।

फोकिना ने ज्वेरेव को 2 घंटे 6 मिनट में दी मात



ज्वेरेव ने किया डबल फॉल्ट

तीसरे सेट की शुरुआत में ज्वेरेव ने डबल फॉल्ट किया, जिससे डेविडोविच फोकिना को बड़ा फायदा मिला। इस मौके का फायदा उठाते हुए उन्होंने अपनी लय बनाए रखी और पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने संयम बनाए रखते हुए अपनी सर्विस पर तीसरा सेट जीता और अपने करियर के दूसरे एटीपी मास्टर्स 1000 के फाइनल में जगह बनाई।

फोकिना ने बचाए रखी अपनी सर्विस

तीसरे सेट में जब स्कोर 5-2 था और ज्वेरेव सर्विस कर रहे थे, तब डेविडोविच फोकिना के पास दो मैच प्वाइंट थे, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं पाए। जर्मन खिलाड़ी ने हार नहीं मानी और एक और गेम के लिए संघर्ष किया। हालांकि, यह संघर्ष ज्यादा देर तक नहीं चला, क्योंकि डेविडोविच फोकिना ने अपनी सर्विस बचाए रखी और सेट के साथ-साथ मैच भी जीत लिया।

मैंने बस खेल का आनंद लिया : डेविडोविच

डेविडोविच फोकिना ने कहा, नतीजा क्या होगा, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बस हर एक गेंद पर ध्यान दे रहा था। मुझे पता था कि अगर मैं पूरे मैच में डटा रहा, तो मुझे कम से कम एक मौका जरूर मिलेगा, और मुझे वह मौका दूसरे सेट में मिला। फिर तीसरे सेट में मुझे लगता है कि मैं शारीरिक रूप से बेहतर था। तीसरे सेट की शुरुआत में मिली ब्रेक (सर्विस तोड़ना) से मुझे काफी ताकत मिली। मैंने सिर्फ खेलने पर ध्यान दिया, नतीजे की परवाह नहीं की, बस खेल का आनंद लिया। फोकिना ने कहा, अंत में जब आप बाहर होते हैं तो चीजें आसान नहीं होतीं। आपके पास सोचने के लिए बहुत समय होता है। यहां होना और इस खेल को खेलना हमारे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। इस समय ने मुझे यह सोचने का काफी मौका दिया कि मैं अपने भविष्य में क्या करना चाहता हूं। फाइनल में डेविडोविच फोकिना का मुकाबला राफेल जोदार या डेनिल मेदवेदेव में से किसी एक से होगा।

खबर संक्षेप



हांगकांग सिक्सेस के कप्तान बने कृणाल

हांगकांग। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को न्यूजीलैंड दौरे के लिए राष्ट्रीय टीम में वापस बुलाए जाने के भारतीय हरफनमौला कृणाल पंड्या को हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के लिए सात सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया टूर्नामेंट के लिए टीम में भुवनेश्वर की जगह लेंगे। हांगकांग सिक्सेस का आयोजन 30 अक्टूबर से एक नवंबर तक होगा। कृणाल पहले से ही टीम का हिस्सा थे। भारतीय टीम के अन्य सदस्यों में शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन शामिल हैं।

बांग्लादेश को झटका, लिटन दास त्रिकोणीय सीरीज से बाहर



अबू धाबी। बांग्लादेश के वनडे कप्तान लिटन दास, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के साथ खेली जा रही त्रिकोणीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। हिप जॉइंट में चोट के कारण लिटन दास को सीरीज शुरू होने से ठीक पहले ही टीम से बाहर होना पड़ा है। उनकी गैर-मौजूदगी में तौहीद हृदोय टीम की कमान संभाल रहे हैं। लिटन दास को इस साल की शुरुआत में मेहदी हसन मिराज की जगह बांग्लादेश की वनडे टीम का पूर्णकालिक कप्तान बनाया गया था। यह फैसला टीम प्रबंधन ने अगले वर्ष होने वाले आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप की तैयारियों को मद्देनजर रखते हुए लिया था, ताकि टीम एक स्थिर नेतृत्व के साथ अपने अभियान को मजबूत कर सके। त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश का सामना जिम्बाब्वे से हो रहा है, जिसमें जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया है। बांग्लादेश की टीम में मेहदी हसन मिराज भी नहीं खेल रहे हैं, क्योंकि उन्हें बुखार है।

एआईटीए रोस्टर में बोपन्ना को नहीं मिली जगह



नई दिल्ली। दुनिया के पूर्व नंबर एक युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना को एआईटीए उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ी (एसओएम) की सूची में जगह नहीं मिली है क्योंकि राष्ट्रीय खेल प्रशासन नियमों 2026 के तहत खेल से संन्यास को कम से कम एक वर्ष पूरा होने की शर्त वह पूरी नहीं करते। 46 वर्ष के बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से एक नवंबर 2025 को संन्यास लिया था। एआईटीए ने जब 16 अक्टूबर 2026 को एसओएम रोस्टर जारी किया, जो उसमें बोपन्ना संन्यास को एक साल पूरा होने की अवधि से कुछ दिन से चूक गए।

महिला टी-20 : भारत और जिम्बाब्वे के बीच मैच शाम 7 बजे से

जिम्बाब्वे के खिलाफ लय तलाशने उतरेगा भारतीय शीर्ष क्रम, दूसरा मुकाबला आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पहले मैच में असफल रहे भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रविवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अधिक आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करने की कोशिश करेंगे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी के कारण भारतीय टीम पहले मैच में एक समय संकट में दिख रही थी। भारतीय बल्लेबाजों ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को सहजता से लिया, जिससे वह संकट में पड़ गए। जिम्बाब्वे की तरफ से ऑफ स्पिनर न्याशा ग्वांजुरा ने पावरप्ले में तीन विकेट लिए। भारत के चोटी के बल्लेबाज अब दूसरे मैच में इसकी भरपाई करने की कोशिश करेंगे।



हम आक्रामक खेल खेलना चाहते हैं : दीप्ति

दीप्ति में एक बार फिर से दिखाया कि वह भारत के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। इस ऑलराउंडर ने कहा कि कुछ ऐसे मौके भी आएंगे जब विपक्षी टीम हावी रहेगी। दीप्ति ने कहा, 'निश्चित रूप से हम आक्रामक खेल खेलना चाहते हैं और यही बात हमारे दिमाग में थी।' उन्होंने कहा, 'मैच में कभी-कभी ऐसा होता है। आप जो चाहते हैं भगवान हमेशा आपको वही नहीं देता है। लेकिन हम हमेशा सीखते हैं। मुझे यकीन है कि आज जो हुआ वह अगले मैच में नहीं होगा।' दीप्ति ने कहा, 'निक्की ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि वह अपना पहला मैच खेल रही है। एक युवा खिलाड़ी का यह आत्मविश्वास सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि इस मैच से उसे काफी आत्मविश्वास मिलेगा।'

नेतृत्व करने उत्सुक होंगी मंधाना

मंधाना का यह पूर्णकालिक कप्तान के रूप में पहला मैच था, जिसमें बल्लेबाज के रूप में वह नाकाम रही और अब वह आगे बढ़कर नेतृत्व करने के लिए उत्सुक होंगी। भारत के लिए बल्लेबाजी में सकारात्मक पहलू निक्की प्रसाद का शानदार प्रदर्शन रहा। उन्होंने दबाव में भी संयम और स्ट्रोकप्ले का शानदार नमूना पेश किया।'

स्पिन के खिलाफ भारत की कमजोरी उजागर

भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 5 विकेट पर 114 रन ही बनाने दिया। उसकी टीम सलामी बल्लेबाज केलिस नधलोवु और शार्ने मेयर्स से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी, जिन्होंने पहले मैच में बल्लेबाजी में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। जिम्बाब्वे को यह भी उम्मीद होगी कि ग्वांजुरा अपने प्रभावशाली प्रदर्शन को बरकरार रखने में कामयाब होगी। उन्होंने पावरप्ले के दौरान स्पिन के खिलाफ भारत की कमजोरी को उजागर किया था।

टीमें इस प्रकार

भारत : स्मृति मंधाना (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, शेफाली वर्मा, निक्की प्रसाद, अनुष्का शर्मा, ऋचा घोष, कमलिनी, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्रीचरणी, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, जिन्तिमणि कलिता, मिन्नू मणि।

जिम्बाब्वे : जोसेफिन नकोमो (कप्तान), बिलव्ड बिज़ा, चिपो मुगेरी-तिरिपानो, केलिस नधलोवु, मिशेल मावुंगा, न्याशा ग्वांजुरा, नोम्पिलो सिबांडा, लोरिन फिरी, विएजा दुरुरु, मोडेस्टर मुपाचिक्वा, तेंदानेई मायकुशा।

मैच का समय : शाम 7 बजे

पहली बार आईपीएल में कोचिंग देंगे चामिंडा वास

- दिल्ली कैपिटल्स ने बनाया तेज गेंदबाजी कोच
- युवराज और गांगुली के साथ करेंगे काम



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स ने श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास को आईपीएल के अगले सत्र से पहले शनिवार को तेज गेंदबाजी कोच के रूप में अपने नए कोचिंग स्टाफ में शामिल किया।

श्रीलंका के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक वास को मुनाफ पटेल की जगह तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है। मुनाफ पिछले दो सत्र से टीम के गेंदबाजी कोच थे। वास ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 111 टेस्ट मैचों में 355 विकेट और वनडे मैचों में 400 विकेट लिए हैं।

टाइगर टेरिटरी में स्वागत

दिल्ली कैपिटल्स ने पोस्ट किया, 'विश्व कप विजेता और श्रीलंका के अब तक के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज। टाइगर टेरिटरी (दिल्ली कैपिटल्स) में आपका स्वागत है, कोच।' वास दिल्ली कैपिटल्स में सौरव गांगुली की अगुवाई वाली नई कोचिंग टीम का हिस्सा होंगे। फ्रेंचाइजी में हाल में ही पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को भी बल्लेबाजी और सहायक कोच के रूप में अपने सहयोगी स्टाफ में शामिल किया था। दिल्ली कैपिटल्स की टीम अभी तक आईपीएल का खिताब नहीं जीत पाई है। उसकी टीम केवल एक बार 2020 में फाइनल में पहुंची थी। पिछले दो सत्र में उसकी टीम प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही थी।

2015 में थे श्रीलंका टीम के कोच

श्रीलंका की 1996 विश्व कप विजेता टीम के एक प्रमुख सदस्य, वास नई गेंद को स्विंग कराने और विभिन्न परिस्थितियों में सटीक गेंदबाजी करने के लिए जाने जाते थे। वास इससे पहले तीन बार अलग-अलग कार्यकाल में श्रीलंका की पुरुष टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में कार्य कर चुके हैं। उनके कोचिंग करियर की शुरुआत न्यूजीलैंड के साथ एक संक्षिप्त अनुबंध से हुई थी। इसके बाद उन्हें 2013 से 2015 तक श्रीलंका का कोच नियुक्त किया गया। वास को 2016 में टी20 विश्व कप के लिए आयरलैंड का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया था। इसके बाद वह फिर से इसी भूमिका में श्रीलंका की टीम से जुड़ गए थे। वास इससे पहले आईपीएल का भी हिस्सा रह चुके हैं।

अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

अमृता ने जीता चांदी भारत को मिले दो पदक



एजेंसी ▶▶| लास वेगास

भारतीय पहलवान अमृता पुजारी को अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के महिला 72 किग्रा वर्ग के फाइनल में यूक्रेन की इरीना जाब्लोत्स्का के खिलाफ चित होने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इसके साथ ही भारतीय महिला पहलवानों का अभियान दो पदकों के साथ समाप्त हो गया। अमृता मुकाबले में 0-6 से पीछे चल रही थीं, तभी जाब्लोत्स्का ने उन्हें चित कर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

भारत की स्वीटी के पास एक और पदक जीतने का मौका था, लेकिन वह 53 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक के मुकाबले में यूक्रेन की अनास्तासिया पोल्स्का से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 0-11 से हार गईं।

वैष्णवी पाटिल रेपचेज में नहीं उठा सकीं फायदा

स्वीटी ने रेपचेज दौर में चीन की शियाओतोंग जेंग को 11-10 से हराकर कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई थी। वैष्णवी पाटिल भी रेपचेज में मिले मौके का फायदा नहीं उठा सकीं। उन्हें जापान की हारुका कोबारू के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले कोमल ने महिला 59 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था।

पुरुष पहलवानों का प्रदर्शन निराशाजनक

भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवानों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। शुक्रवार को मुकाबले में उतरे पांचों भारतीय पहलवान पदक की दौड़ तक नहीं पहुंच सके। वैभव पाटिल को 61 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में रोमानिया के गैब्रियल व्हिसेनहंट के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 0-11 से हार का सामना करना पड़ा तो वहीं 74 किग्रा वर्ग में आदर्श पाटिल को अंतिम-16 के मुकाबले में जापान के तोकी ओगावाल ने 6-4 से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। अमित का अभियान 86 किग्रा वर्ग में अंतिम-16 में समाप्त हो गया।

जयवर्धने ने छोड़ा मुंबई इंडियंस का साथ

मुंबई। श्रीलंका के दिग्गज खिलाड़ी महेला जयवर्धने ने मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। फ्रैंचाइजी ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। जयवर्धने जब पहली बार मुंबई के मुख्य कोच बने थे तब उनकी टीम ने तीन खिताब जीते थे। उन्होंने इसके बाद 2025 के सत्र से पहले फिर से मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले उन्होंने 2017 से 2022 तक मुंबई को कोचिंग दी थी।' मुंबई इंडियंस की मालिक नीता अंबानी ने कहा, 'महेला ने वर्षों से मुंबई इंडियंस में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका शांतचित्त रहकर नेतृत्व करना, ईमानदारी और खेल के प्रति गहरा लगाव हमारे लिए बहुत मायने रखता है। मैं मुंबई इंडियंस के परिवार की तरफ से महेला का उनके वर्षों के अमूल्य योगदान और अटूट प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त करती हूं।'



रणजी ट्रॉफी का दूसरा दौर आज से कप्तान गिल पर होगी निगाहें

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

वनडे कप्तान शुभमन गिल की पंजाब की तरफ से रणजी ट्रॉफी में वापसी रविवार से देशभर में शुरू होने वाले इस घरेलू प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के दूसरे दौर का मुख्य आकर्षण होगी। गिल पंजाब के पहले दौर के मैच में नहीं खेल पाए थे। उनकी अनुपस्थिति में भारत की अंडर19 टीम के पूर्व कप्तान उदय सहारन ने टीम की कप्तानी की। इस मैच में पंजाब ने असम के खिलाफ पहली पारी में बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए थे।

सत्र के दूसरे दौर में पंजाब का सामना छत्तीसगढ़ से होगा। गिल का हाल में प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 334 रन बनाए। गिल ने दूसरे वनडे में 133 गेंदों पर नाबाद 223 रन बनाए और इस प्रारूप में सबसे तेज दोहरा शतक का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। ग्रुप बी के एक अन्य मुकाबले में कर्नाटक ऑलराउंडर श्रेयस गोपाल के नेतृत्व में अलूर में सौराष्ट्र का सामना करेगा। इस मैच में उसे बल्लेबाज रविचंद्रन स्मरण की कमी खलेगी, जिन्हें न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है।



ग्रुप बी में शीर्ष पर काबिज हैदराबाद की टीम आंध्र के खिलाफ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी। उसने पहले मैच में त्रिपुरा को पारी और 40 रन से हराकर बोनस अंक हासिल किया था। ग्रुप डी में मुंबई की टीम हिमाचल प्रदेश के खिलाफ उपकप्तान और सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे के बिना खेलेगी, जो चोटिल हैं।

6 भारतीय खिलाड़ियों ने बनाई कट में जगह

40 लाख डॉलर की गोल्फ प्रतियोगिता में भारत का दबदबा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्पेन के यूजीनियो चाकारा ने डीपी वर्ल्ड इंडिया गोल्फ चैंपियनशिप में खराब मौसम के कारण समाप्त हुए दूसरे दौर के बाद एक शॉट की बढ़त बना ली है, जबकि 6 भारतीय खिलाड़ियों ने कट में जगह बनाई। भारत के ओम प्रकाश चौहान, युवराज संधू, अनिर्बान लाहिड़ी, शिव कपूर, करणदीप कोचर और सप्तक तलवार इस 40 लाख अमेरिकी डॉलर इनामी प्रतियोगिता में कट में जगह बनाने में सफल रहे।

चाकारा ने दूसरे दौर में तीन अंडर 67 का स्कोर बनाकर कुल 10 अंडर 134 का स्कोर हासिल किया। स्कॉटलैंड के स्कॉट जैमीसन ने भी 67 का स्कोर बनाया और उनका कुल स्कोर नौ अंडर 135 हो गया है। पांच खिलाड़ी आठ अंडर 136 के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर है।



मैकलॉय संयुक्त 12वें स्थान पर

उत्तरी आयरलैंड के रॉरी मैकलॉय छह अंडर 138 के स्कोर के साथ संयुक्त 12वें स्थान पर हैं। उनके अलावा आयरलैंड के शेन लोरी (75-65), आरोन राय (69-74), जस्टिन रोज (72-72) और पैट्रिक रीड (75-69) ने भी कट में जगह बनाई। डैनी विलेट अस्वस्थ होने के कारण टूर्नामेंट से हट गए, जबकि रयान फॉक्स (76-70) कट में जगह नहीं बना पाए।

सबसे आगे चौहान

भारतीय खिलाड़ियों में चौहान (68-72) सबसे आगे हैं। वह चार अंडर 140 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 29वें स्थान पर चल रहे हैं। उनके बाद संधू (75-68) और लाहिड़ी (70-73) का नंबर आता है, जो एक अंडर 143 के स्कोर के साथ संयुक्त 53वें स्थान पर हैं। कट हासिल करने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ी कपूर (72-72), कोचर (72-72) और तलवार (71-73) हैं। यह तीनों 144 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 63वें स्थान पर हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सात मेजर चैंपियन रहे खिलाड़ियों में से पांच ने कट में जगह बनाई।



कट से चूके अहलावत और शुभंकर

भारत के जो खिलाड़ी कट में जगह नहीं बना पाए उनमें सचिन बैसोया (74-71), राशिद खान (77-69), वीर अहलावत (74-72), शुभंकर शर्मा (76-72), अजितेश संधू (74-78), कार्तिक सिंह (76-76) और शौर्य भट्टाचार्य (78-74) शामिल हैं।



- हाईकोर्ट में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पेश की रिपोर्ट
- 27 नवंबर को अगली सुनवाई

यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे की राख में पारा

जबलपुर। भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड कारखाने के जहरीले कचरे के निष्पादन के बाद बची राख में पारे की मौजूदगी को लेकर हाईकोर्ट में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने रिपोर्ट पेश की । जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने रिपोर्ट को रिकार्ड पर लेते हुए मामले की अगली सुनवाई 27 नवंबर निर्धारित की है। साथ ही निर्देश दिए हैं कि अगली सुनवाई पर संबंधित पक्षों के अधिवक्ता व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से दलीलें नहीं सुनी जाएंगी। भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड के जहरीले कचरे के निष्पादन की मांग को लेकर आलोक प्रताप सिंह ने वर्ष 2004 में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की मृत्यु हो जाने के कारण हाई कोर्ट अब मामले की सुनवाई स्वतः संज्ञान याचिका के रूप में कर रहा है। न्यायालय के पूर्व आदेश के तहत कारखाने के जहरीले कचरे का निष्पादन धार जिले के पीथमपुर में किया गया था।

पूर्व सुनवाई के दौरान यूनियन कार्बाइड परिसर से जहरीला कचरा हटाए जाने के बावजूद आसपास के कई वार्डों में दूषित पानी की आपूर्ति और उससे स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले संभावित दुष्प्रभावों का मुद्दा उठाया गया था।कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को स्वतंत्र



विशेषज्ञ समिति के माध्यम से पानी के नमूने लेकर उनकी विस्तृत जांच कराने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। पिछली सुनवाई में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से पानी की जांच रिपोर्ट पेश की गई थी। संबंधित पक्षों ने रिपोर्ट का अध्ययन करने के लिए समय मांगा था। सुनवाई के दौरान राख में पारे की मौजूदगी का मुद्दा भी उठा। बताया गया कि जहरीले कचरे के निष्पादन के बाद बची राख का निपटान पीथमपुर स्थित ट्रीटमेंट, स्टोरेज एंड डिस्पोजल फैसिलिटी में किया जा रहा है, जो मानव बस्तियों के निकट स्थित है। सरकार की ओर से बताया गया था कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार निर्धारित मानकों के सभी पैरामीटर सीमा के भीतर हैं। इसके बाद युगलपीठ ने राख के संबंध में भी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में बोर्ड ने अब राख में पारे की मौजूदगी से संबंधित रिपोर्ट पेश की।

2.22 हेक्टेयर भूमि पर सेबी का अहम कथन दर्ज

पीएसीएल प्रकरण में सिवनी के किसान को मिली राहत

जबलपुर। सिवनी के किसान को जबलपुर के अधिवक्ता ने प्रतिभूति अपीलीय अधिकरण, मुंबई से राहत दिलाई है।किसान नरेंद्र सिंह की अपील पर सुनवाई के दौरान भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने स्पष्ट किया कि ग्राम मारबोड़ी स्थित उनकी 2.22 हेक्टेयर कृषि भूमि रिटायर्ड जस्टिस आरएम लोढ़ा समिति की कार्यवाही में कुर्क नहीं की गई थी। अधिकरण ने सेबी के इस कथन को अभिलेख पर लेते हुए अपील का निराकरण कर दिया। मामले में किसान की ओर से जबलपुर के अधिवक्ता शिवेंद्र सिंह सिसोदिया ने पैरवी की। उन्होंने बताया कि सिवनी जिले के ग्राम मारबोड़ी निवासी नरेंद्र सिंह ठाकुर की पैतृक कृषि भूमि के राजस्व अभिलेखों में खसरा कालम क्रमांक 12 में विक्रयित की प्रविष्टि दर्ज होने से विवाद उत्पन्न हुआ था। किसान का पक्ष था कि उनकी भूमि का पीएसीएल लिमिटेड की संपत्तियों से कोई संबंध नहीं है और न ही इसे जस्टिस लोढ़ा समिति की कार्यवाही के तहत कुर्क संपत्तियों की सूची में शामिल किया गया था। सेबी के रिकवरी आफिसर्स पैनल ने 24 अगस्त 2026 को आदेश जारी कर किसान का दावा खारिज कर दिया था। इस आदेश को प्रतिभूति अपीलीय अधिकरण में चुनौती दी गई। सेबी अधिनियम, 1992 की धारा 15 टी के तहत अपील प्रस्तुत की गई थी। सुनवाई में सेबी के अधिवक्ता ने प्रारंभिक आपत्ति के दौरान कहा कि संबंधित संपत्तियां जस्टिस आरएम लोढ़ा समिति की कार्यवाही में कुर्क नहीं की गई थीं। इस पर किसान के अधिवक्ता सिसोदिया ने निवेदन किया कि यदि सेबी का यह कथन अभिलेख पर ले लिया जाए, तो अपीलकर्ता को संतुष्टि होगी और प्रकरण का निराकरण किया जा सकता है।

मैहर स्टेशन पर आरपीएफ जवानों की तत्परता से बची 70 वर्षीय यात्री की जान

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के मैहर रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने तत्परता एवं साहस का परिचय देते हुए एक 70 वर्षीय बुजुर्ग यात्री की जान बचाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 16 अक्टूबर को मैहर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर आरपीएफ में तैनात प्रधान आरक्षक श्री सुजीत कुमार द्विवेदी एवं महिला आरक्षक सुश्री सोनम सिंह ड्यूटी पर तैनात थे। दोपहर 13:10 बजे ट्रेन संख्या 09821 के प्लेटफॉर्म पर आगमन के बाद, 13:16 बजे ट्रेन के प्रस्थान के दौरान एक बुजुर्ग यात्री ने चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से यात्री फिसलकर प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच गिरने लगा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए दोनों आरपीएफ कर्मियों ने तत्काल दौड़कर यात्री को पकड़ लिया और सुरक्षित रूप से प्लेटफॉर्म की ओर खींच लिया। उनकी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया तथा बुजुर्ग यात्री की जान बच गई। पूछताछ में यात्री की पहचान श्री सुजीत कुमार केसरी, उम्र 70 वर्ष, निवासी अमला टोला, जिला बक्सर (बिहार) के रूप में हुई। जबलपुर रेल मंडल यात्रियों से अपील करता है कि वे चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें। ऐसा करना जानलेवा हो सकता है। यात्री सदैव ट्रेन के पूरी तरह रुकने के बाद ही चढ़ें और उतरें तथा रेलवे सुरक्षा नियमों का पालन करें। यह कार्रवाई रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता, तत्परता और यात्री सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

ऑपरेशन यात्री जीवन रक्षा के तहत चलती ट्रेन से गिर रहे बुजुर्ग यात्री को सुरक्षित बचाया

घर में घुसकर मारपीट कें चार आरोपी दोषी करार

जबलपुर। अपर सत्र न्यायालय ने 15 साल पुराने मामले में निचली अदालत के बरी करने के फैसले को पलट दिया है। कोर्ट ने घर में घुसकर मारपीट करने के चारों आरोपियों इसरार, मुबीन, मो. फिरोज और मो. आजाद को दोषी ठहराते हुए 1 वर्ष के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। घटना 6 मई 2011 को हनुमानताल थाना क्षेत्र के मंडी मदार टेकरी निवासी शफीक अहमद के घर हुई थी।





हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240